सत्यमेव जयते

आज़ादी का अमृत महोत्सव

एनएचपीसी NHPC

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

वार्षिक रिपोर्ट

वित्त वर्ष 2020-21

निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व एवं संधारणीयता

NHPC RO- Jammu Officials hands over CCE for Covid-19 Vaccination to Govt. of J&K.

Community centre cum marriage hall constructed at Village:- Benwaliya, Block-Shahpur, Bhojpur, Bihar

Hon'ble Minister Anup Dhanak, Seema Trikha Ji and W/DC Faridabad Presented Bronze button to 'Shikshit Haryana' team on getting Educational resources are being utilized in over 94 government schools.

पार्बती–III पावर स्टेशन ने छात्रों को वितरित की 5,28,000 रुपये की छात्रवृतियाँ

Rangit Power Station Construction of Multipurpose Hall at Legship Village in West Sikkim.

Ongoing construction of the Engineering College at Takdah under support of TLD-III & IV PS)

Community Hall along with kitchen & toilet constructed by TLD-III PS at 74 Dhura, Mungpoo, to enable the Villagers to organize community gatherings like meetings, marriages, religious functions, etc

RO-Cum-Sanitation Complex constructed at Gerukamukh and Narayanpu by Subansiri lower HE Project.

संदेश

निगमों का समाज की सेवा करने के लिए निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व सर्वप्रथम और सबसे महत्वपूर्ण अवसर होता है। विगत समय से, सीएसआर की संकल्पना एक जिम्मेदारी की बजाय समाज के प्रति संवेदनशीलता के रूप में अधिक विकसित हुई है। और एक क्रियाकलाप के तौर पर, यह अब केवल कानूनी अनुपालना अथवा एक नैतिक और परोपकार का कार्य नहीं रह गया है। आज, सीएसआर की प्रक्रिया कंपनी के प्रमुख कारोबार से अलग नहीं है, बल्कि यह कारोबार की असल प्रकृति को स्पष्ट करती है।

एनएचपीसी ने सामाजिक रूप से जिम्मेदार नागरिक की भांति अपने सभी हितधारकों के समावेशी विकास पर हमेशा ही जोर दिया है। हमारा ध्यान ऐसी गतिविधियों पर रहा है, जिनका दीर्घकालिक लाभ हो और तद्नुसार एक बड़ा व्यय ऐसी ही गतिविधियों पर किया गया है, जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता और ग्रामीण विकास। हमने अपने आप को कानूनन अनिवार्य न्यूनतम व्यय तक ही सीमित नहीं किया है। हमारे प्रयास, जिन लोगों की हम सेवा करते हैं, उनके जीवन में सार्थक बदलाव लाने के लिए ही रहे हैं।

कोविड महामारी के दौरान, हमने अपनी पहुँच बढ़ाई है और समाज के जरूरतमंद तबके के लोगों की सर्वाधिक मदद करने का प्रयत्न किया है, तथा उन्हें आवश्यक बुनियादी मदद प्रदान की है। एनएचपीसी द्वारा कोविड महामारी के दौरान किए गए राहत उपायों की सभी ने सराहना की है।

मुझे यह जानकर खुशी है कि सीएसआर एंड एसडी विभाग वित्तीय वर्ष 2020–21 के लिए अपनी वार्षिक रिपोर्ट प्रकाशित कर रहा है। मैं निगम कार्यालय/क्षेत्रीय कार्यालयों/परियोजनाओं/पावर स्टेशनों के सीएसआर एंड एसडी विभाग द्वारा सीएसआर के क्षेत्र में हमारे विभिन्न क्रियाकलापों और पहलों के दस्तावेजों, जो कि हमेशा ही समाज के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखकर किए जाते हैं, को बनाने के लिए किए गए प्रयासों की सराहना करता हूँ। मैं सीएसआर एंड एसडी कार्यों में लगी समग्र टीम के सदस्यों को शुभकामनाएं देता हूँ और टीम से यह आशा रखता हूँ कि बदलते परिवेश के अनुसार अपने कार्यों को जारी रखेंगे और तत्परता से कार्य करेंगें।

(अभय कुमार सिंह)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

संदेश

जब से हमने अपनी पहली जल विद्युत परियोजना का निर्माण शुरू किया है, तब से हमने दिन–प्रतिदिन स्थानीय निवासियों के समक्ष आ रही समस्याओं को अनुभव किया है। स्थानीय समुदाय की समस्याओं को दूर करने के लिए, एनएचपीसी ने स्थानीय समुदायों के लिए कल्याणकारी उपायों के कार्य शुरू किए। इससे न केवल स्थानीय नागरिकों के साथ अच्छे संबंध बनाने में मदद मिली, बल्कि परियोजना को कार्यान्वित करने के लिए अनुकूल वातावरण भी बना।

एनएचपीसी अपने सभी हितधारकों के समावेशी और सतत विकास की सोच पर कई वर्षों से निरंतर काम कर रहा है। इसी सोच के आधार पर, हमने मिलकर यह यात्रा शुरू की ताकि हमारा हर हितधारक फले फूले। हम अपनी आय को हमारी सीएसआर पहलों के जरिए किए गए सामाजिक बदलावों में भागीदार, समर्थक और सुविधादाता मानते हैं।

मुझे इस बात से अति प्रसन्नता और संतोष का अनुभव होता है कि हमारे सीएसआर क्रियाकलापों के लाभार्थियों की संख्या में काफी बढ़ोत्तरी हुई है। हमारी सीएसआर परियोजनाओं से अनेक लोगों के जीवन में उल्लेखनीय बदलाव आया है। इससे हमें समाज को उनका हक अदा करने और राष्ट्र के भावी निर्माण की परम अनुभूति होती है।

वार्षिक सीएसआर रिपोर्ट में वर्ष के दौरान की गई प्रमुख पहलों का उल्लेख किया गया है, जो सीएसआर के क्षेत्र में एनएचपीसी द्वारा किए गए सर्वोत्तम कार्यों को दर्शाने में अवश्य ही लाभकारी होगा।

मैं निगम कार्यालय/क्षेत्रीय कार्यालयों/परियोजनाओं/पावर स्टेशनों के सीएसआर एंड एसडी विभाग की समग्र टीम द्वारा इस सार–संग्रह को तैयार करने की प्रशंसा करता हूँ और उनके भावी प्रयासों के लिए अपनी शुभकामनाएं देता हूँ तथा सीएसआर के अभियान के लिए उनकी प्रतिबद्धता हेतु उनका सराहना करता हूँ।

Biswajit Basu

(बिश्वजीत बासु)
निदेशक (परियोजनाएं)

संदेश

मुझे यह कहते हुए बहुत ही खुशी का अनुभव हो रहा है कि एनएचपीसी, कंपनी अधिनियम, 2013 के कार्यान्वयन से भी काफी पहले से समाज के कल्याण के लिए कार्य करती आयी है। कंपनी अधिनियम, 2013 जारी होने के बाद, एनएचपीसी की सीएसआर नीति इस अधिनियम के अनुसार तैयार की गई है और भारत सरकार के नवीनतम दिशानिर्देशों को शामिल करने के लिए समय–समय पर इसमें संशोधन किए जाते हैं।

अब सीएसआर, कंपनियों के लिए समाज के व्यापक उद्देश्यों को हासिल करने और उनके संबंधित प्रचालनात्मक क्षेत्रों में समाज के साथ सामंजस्यपूर्ण संबंध स्थापित करने की दिशा में उनकी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करने के एक कार्यनीतिक उपाय के रूप में उभरकर सामने आया है।

एनएचपीसी सीएसआर क्रियाकलापों को सरकार और अपने हितधारकों की आकांक्षाओं के अनुसार पूरा कर रही है। यह समाज के जरूरतमंद तबके के लोगों की भलाई के लिए अग्रणी कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। विगत वर्षों के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में अनेक अग्रणी और नवोन्मेषी परियोजनाएं कार्यान्वित की गई हैं।

प्रबंधन की सक्रिय सोच और निरंतर समर्थन से समग्र सीएसआर एंड एसडी टीम को अपने समर्पित और ईमानदार प्रयासों को आगे बढ़ाने में प्रोत्साहन मिला है, जिसके फलस्वरूप सीएसआर व्यय में वृद्धि हुई है और देश भर में विभिन्न क्षेत्रों में लाभार्थियों की संख्या में इजाफा तथा इसके दायरे का विस्तार हुआ है।

मैं निगम कार्यालय/क्षेत्रीय कार्यालयों/परियोजनाओं/विद्युत स्टेशनों के सीएसआर एंड एसडी विभाग की समग्र टीम को वित्तीय वर्ष 2020–21 के दौरान किए गए प्रमुख सीएसआर क्रियाकलापों का सार–संग्रह करने और इसे वार्षिक सीएसआर रिपोर्ट के रूप में प्रकाशित करने में, अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदान करने के लिए शुभकामनाएं देता हूँ। मुझे पूर्ण विश्वास है कि भविष्य में भी सीएसआर कार्य और भी अधिक जोश तथा संवेदना के साथ किए जाएंगे।

(उदय शंकर साही)
कार्यपालक निदेशक (सीएसआर एंड एसडी)

विषय–सूची

क्रम सं.	विवरण	पृष्ठ सं.
1.	प्रस्तावना	1
2.	विगत वित्तीय वर्षों के दौरान सीएसआर निधि का आवंटन और व्यय	3
3.	राज्य–वार और क्षेत्र–वार व्यय	4
4.	क्षेत्र और उप क्षेत्र–वार व्यय	4
5.	स्थान–वार प्रमुख सीएसआर पहलें	6
6.	क्षेत्रीय कार्यालय – जम्मू	6
7.	सलाल पावर स्टेशन	6
8.	दुलहस्ती पावर स्टेशन	9
9.	उरी पावर स्टेशन	11
10.	किशनगंगा पावर स्टेशन	14
11.	चुटक पावर स्टेशन	16
12.	निम्मो–बाजगो पावर स्टेशन	16
13.	सेवा–II पावर स्टेशन	17
14.	बैरा–सिउल पावर स्टेशन	19
15.	चमेरा–I पावर स्टेशन	22
16.	चमेरा–II पावर स्टेशन	24
17.	चमेरा–III पावर स्टेशन	25
18.	पार्वती–II जलविद्युत परियोजना	27
19.	पार्वती–III पावर स्टेशन	33
20.	धौलीगंगा पावर स्टेशन	35
21.	टनकपुर पावर स्टेशन	40
22.	क्षेत्रीय कार्यालय – सिलीगुड़ी	41
23.	रंगित पावर स्टेशन	43
24.	टीएलडी–III पावर स्टेशन	48
25.	टीएलडी–IV पावर स्टेशन	50
26.	तीस्ता–IV जलविद्युत परियोजना	51
27.	लोकटक पावर स्टेशन	53
28.	सुबनसिरी लोअर जलविद्युत परियोजना	54
29.	दिबांग बहुउद्देश्यीय परियोजना	59
30.	बीआरआरपी पटना (बिहार)	60
31.	पवन विद्युत परियोजना, जैसलमेर, राजस्थान	60
32.	सौर विद्युत परियोजना, तमिलनाडु	61
33.	निगम–कार्यालय द्वारा संचालित सीएसआर कार्य	62
34.	विद्युत स्टेशन/परियोजना/यूनिट–वार व्यय	66
35.	क्रियाकलाप–वार व्यय	67

प्रस्तावना

एक ऐसा प्रेरक और समावेशी विजन, जो देश की भलाई के लिए और समग्र अर्थव्यवस्था के लिए, समाज तथा लोगों में निवेश करने के साथ ही साथ उन्हें स्वस्थ, दक्ष और प्रगतिशील जीवनयापन करने की दृष्टि से आगे बढ़ाने तथा विकसित करने में सामान्य प्रयोजन को उन्नत करने के लिए लोगों को एक साथ लाने हेतु आकर्षित करे। सेवाएं प्रदान करके और पहल करके सामाजिक अंतर को पाटने के लिए समुदाय (जनता, सिविल और निजी क्षेत्र) में सभी हितधारकों की भागीदारी सुनिश्चित करना आवश्यक है। विंस्टन चर्चिल ने एक बार कहा था "यदि मानव जाति लम्बी और अनिश्चित अवधि के लिए वास्तविक समृद्धि चाहती है, तो उन्हें एक–दूसरे के साथ शांतिपूर्वक और सहयोगी तरीके से ही व्यवहार करना चाहिए।" इसका उद्देश्य लोगों को बेहतर जीवन जीने के लिए और समाज के कमजोर तबके के लोगों को सक्षन बनाने के लिए मदद करना है।

एनएचपीसी को इसकी तकनीकी विशेषज्ञता के लिए जाना जाता है और यह भारत तथा पड़ोसी देशों में हिमालयी क्षेत्र में अपनी मौजूदगी के साथ एक विशाल जल–विद्युत विकासकर्ता और जल विद्युत उत्पादक कंपनी है, जो स्वास्थ्य सहायता और स्वच्छता कार्यक्रम, शिक्षा, कौशल विकास, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण सहित अनेक पहलों के साथ एक व्यापक सीएसआर कार्यक्रम में सहायता प्रदान करता है, कला और संस्कृति, ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल परियोजनाओं और निगमित संस्थापनाओं तथा देश भर में कुछ अन्य स्थानों के समीप समुदाय विकास कार्यक्रम के तहत समुदायों के लिए परिसंपत्ति सृजित करने को बढ़ावा देता है। एनएचपीसी समुदाय की भलाई और राष्ट्रीय पहचान के एक प्रेरक मॉडल के साथ कार्य कर रहा है।

एनएचपीसी सभी हितधारकों का भरोसा और विश्वास जीतने के लिए सामाजिक रूप से जवाबदेह तरीके से अपना कारोबार चला रहा है।

एनएचपीसी अपने प्रचालनों और क्रियाकलापों से सीधे तौर पर प्रभावित महत्वपूर्ण हितधारकों की सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय चिंताओं का समाधान करके सीएसआर के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है।

एनएचपीसी का दृष्टिकोण

- दक्ष, उत्तरदायी और नवाचारी मूल्यों के माध्यम से स्वच्छ विद्युत के संधारणीय विकास हेतु एक वैश्विक रूप से अग्रणी संगठन बनना।

एनएचपीसी का लक्ष्य

- अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार स्वच्छ विद्युत के विकास में उत्कृष्टता प्राप्त करना।
- पर्यावरण के अनुकूल और सामाजिक–आर्थिक रूप से उत्तरदायी तरीके से कुशल और दक्ष अनुबंध प्रबंधन और नवीन अनुसंधान एवं विकास के माध्यम से परियोजनाओं को निष्पादित और प्रचालित करना।
- मानव पूंजी की पूर्ण संभाव्यता का लाभ लेने के लिए उसे विकसित, पोषित तथा सशक्त बनाना।
- एक सशक्त कारपोरेट पहचान बनाने के लिए कारपोरेट अभिशासन की सर्वश्रेष्ठ पद्धतियों और दक्ष मूल्य आधारित प्रबंधन को अपनाना तथा कर्मचारियों, ग्राहकों, पर्यावरण, तथा समाज के लिए अधिक सरोकार रखना।
- प्रभावी प्रबंधन के माध्यम से नवाचारी अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों को अपनाना और प्राकृतिक संसाधनों का इष्टतम उपयोग करना।

एनएचपीसी का सीएसआर दृष्टिकोण

- लोगों, पृथ्वी और संगठनात्मक लक्ष्योंधविकास को ध्यान में रखते हुए सतत विकास और समावेशी विकास के लिए योगदान करना।

एनएचपीसी का सीएसआर लक्ष्य

- व्यापक रूप से समाज के जीवन स्तर में सुधार लाने के लिए प्रतिबद्ध, सामाजिक रूप से जिम्मेदार निगमित कंपनी बनना।
- जिन समुदायों के साथ हम अनुबंधित हैं, उनके लिए सुविधाएं सृजित एवं विकसित करना।
- सभी हितधारकों के साझा और एकीकृत प्रयासों से आर्थिक, पर्यावरणीय और कल्याणकारी विकास उद्देश्यों को संतुलित करना।

सीएसआर क्रियाकलापों के जोर दिए जाने वाले क्षेत्र

- समाज में मौजूदा असमानताओं को कम करना
- समाज के दूरकिनार किए गए और वंचित तबकों में क्रियाकलापों को केंद्रित करना।

- सर्वसमावेशी समाज विकास मध्यस्थताएं अपनाई गईं।
- ग्रामीण अवसंरचना में मौजूदा कमियों को ठीक करना।
- सतत प्रक्रियाओं का प्रसार करना।
- आधारभूत और उच्चतर शिक्षा पर बल देने के संबंध में संकेंद्रित प्रयास।
- युवाओं को कौशल और लाभकारी प्रशिक्षण देना।
- चिकित्सा सुविधाओं की पहुँच बढ़ाना।
- भारत सरकार के लक्ष्यों को देश के ऐसे स्थानों तक पहुँचाना, जहां पहुँचना संभव नहीं है
- महिला सशक्तिकरण।

सीएसआर क्रियाकलापों का चयन

- अधिनियम की अनुसूची VII के अनुसार क्रियाकलापों का चयन करना।
- स्थानीय क्षेत्र को तरजीह देना – 80% आबंटन।
- जरूरतों के आधार पर और राष्ट्रीय योजनाओं में सरकार के अनुदेशों के आधार पर अन्य स्थान भी चुने जा सकते हैं।
- कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची–VII और साथ ही धनराशि की उपलब्धता के अनुसार, प्राप्त प्रस्तावों को संकलित करके आगे उनकी जांच की जाती है।
- प्रस्तावों का शुरू में एक समिति द्वारा मूल्यांकन किया जाता है और उसके बाद सीएसआर एवं संधारणीयता संबंधी निदेशकों की समिति के विचारार्थ सिफारिश की जाती है।
- प्रस्तावों की मेरिट के आधार पर ही चयन किया जाता है।

सीएसआर क्रियाकलापों की मॉनीटरिंग और मूल्यांकन

- निगम के सीएसआर एवं संधारणीयता क्रियाकलापों के कार्यान्वयन, मॉनीटरिंग और मूल्यांकन के लिए संस्थागत व्यवस्था मौजूद है।
- एनएचपीसी में सीएसआर योजनाओंधक्रियाकलापों की प्रगति के कार्यान्वयन, मॉनीटरिंग और मूल्यांकन के लिए 03 स्तरीय प्रबंधन संरचना निम्नानुसार है::

  i) एक स्वतंत्र निदेशक की अध्यक्षता में सीएसआर संबंधी बोर्ड स्तरीय समिति

  ii) कार्यकारी निदेशक के स्तर का नोडल अधिकारी, जिसकी सहायता के लिए उनकी टीम होगी।

  iii) कार्यान्वयन और मॉनीटरिंग के लिए क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशकध्परियोजना प्रमुख/यूनिट प्रमुख और उनकी टीम।

- प्रत्येक स्थान पर कार्यान्वयनाधीन सीएसआर एवं संधारणीयता योजनाओं की प्रगति की सूचना यूनिट प्रमुख द्वारा मासिक आधार पर निगमित कार्यालय में नोडल अधिकारी को दी जा रही है।
- कार्यों की प्रगति को दर्शाने के लिए फोटोध्वीडियो के साथ रिकॉर्ड का रखरखाव किया जा रहा है।
- सीएसआर एवं संधारणीयता क्रियाकलापों के कार्यान्वयन की प्रगति के संबंध में तिमाही रिपोर्टों की सीएसआर समिति और एनएचपीसी बोर्ड द्वारा समीक्षा की जाती है।

विगत वित्तीय वर्षों के दौरान सीएसआर निधि का आवंटन और व्यय

(राशि करोड़ रुपये में)

क्रम सं.	वित्तीय वर्ष	अनिवार्य निधि आवंटन	आवंटित कुल निधि	वास्तविक व्यय
1	2014-15	47.64	52.24	52.24
2	2015-16	43.28	72.68	72.68
3	2016-17	44.23	75.82	75.82
4	2017-18	59.52	59.52	38.55
5	2018-19	60.03	81.0	17.58
6	2019-20	59.74	126.43	126.43
7	2020-21	59.43	79.63	79.63

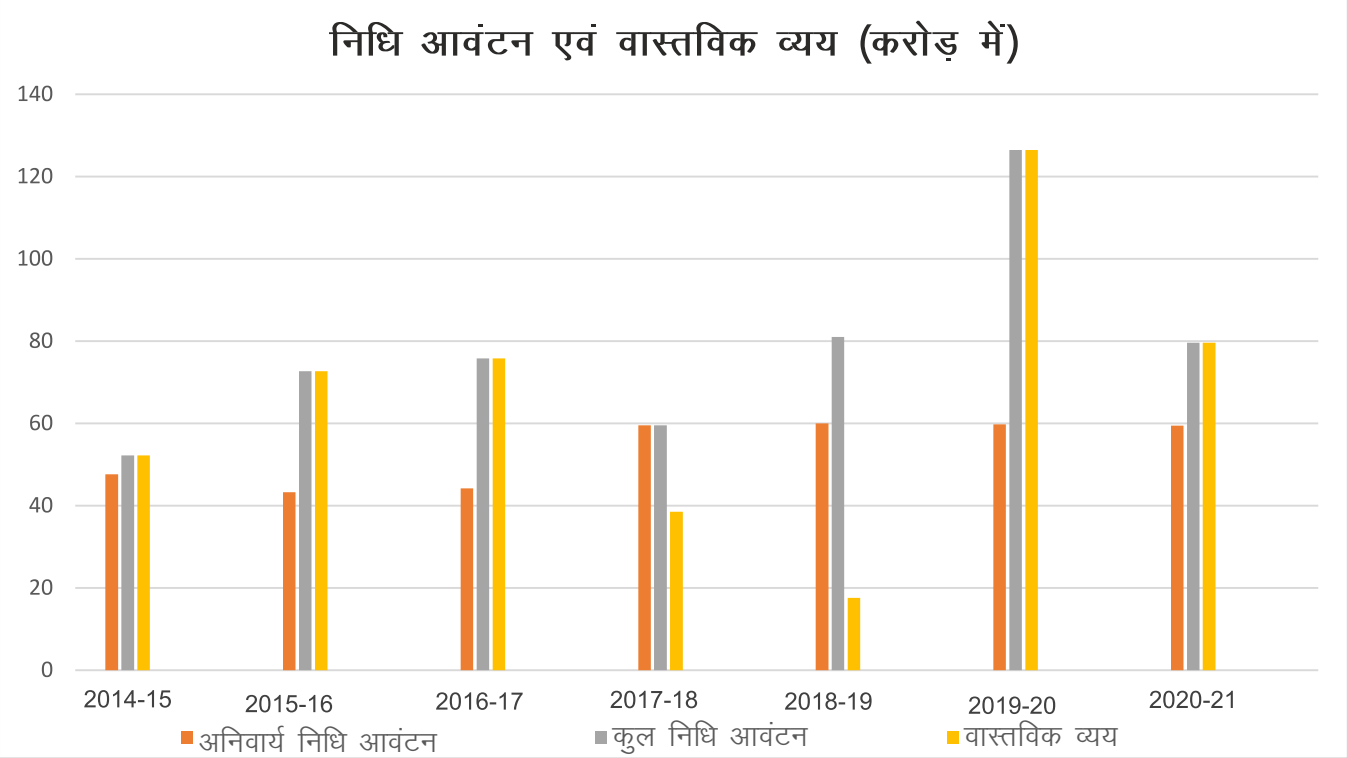

वित्तीय वर्ष 2020–21 के दौरान सीएसआर एवं संधारणीयता पर राज्य–वार और क्षेत्र–वार व्यय

(राशि लाख में)

क्रम सं.	राज्य	शिक्षा एवं कौशल विकास			स्वास्थ्य देखभाल एवं सफाई		ग्रामीण विकास	महिला सशक्तिकरण	पर्यावरण	क्षमता निर्माण	कला एवं संस्कृति	खेल	एसबीए+एसवीए		आपदा प्रबंधन	कुल
		शिक्षा	कौशल विकास	बाहरी व्यक्तियों के लिए केवी/अन्य स्कूलों पर व्यय	स्वास्थ्य देखभाल एवं सफाई	बाहरी व्यक्तियों के लिए अस्पताल/औषधालयों पर व्यय							स्वच्छ विद्यालय अभियान	अन्य		
1.	जम्मू और कश्मीर	69.30	129.12	800.57	724.71	45.39	118.59	0.00	8.74	0.00	0.00	2.15	0.00	166.43	10.70	**2075.70**
2.	लद्दाख	0.00	0.00	0.00	0.00	28.06	1.13	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	1.95	**31.13**
3.	हिमाचल प्रदेश	36.86	0.00	625.56	88.63	133.14	48.18	0.00	5.63	0.00	9.50	0.00	0.00	141.86	24.50	**1113.85**
4.	उत्तराखंड	3.57	0.00	498.03	8.46	4.62	8.80	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	7.26	5.54	**536.29**
5.	पश्चिम बंगाल	202.86	0.00	139.54	0.00	12.10	31.79	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	10.59	**396.89**
6.	सिक्किम	80.95	0.00	529.41	1.00	92.82	19.28	1.29	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	8.58	6.23	**739.56**
7.	मणिपुर	0.00	0.00	277.71	0.00	82.43	10.89	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	1.49	**372.53**
8.	असम	0.00	0.00	167.22	18.83	88.66	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	50.10	15.98	**340.79**
9.	अरुणाचल प्रदेश	0.00	100.99	0.00	8.26	11.09	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.20	**120.53**
10.	हरियाणा	4.25	0.00	0.00	1.00	0.00	0.00	7.49	47.96	372.52	0.00	0.00	0.00	0.00	2.00	**435.22**
11.	दिल्ली	9.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	1500.00	**1509.00**
12.	राजस्थान	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.94	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.99	**1.93**
13.	तमिलनाडु	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.96	**0.96**
14.	केरल	133.01	0.00	0.00	9.85	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	1.00	**143.86**
15.	उत्तर प्रदेश	0.000	0.00	0.00	11.05	0.00	67.44	0.00	29.54	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	**108.04**
16.	बिहार	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	32.03	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	4.27	**36.31**
	कुल जोड़	**539.81**	**230.11**	**3038.04**	**871.79**	**498.31**	**338.14**	**8.79**	**92.82**	**372.52**	**9.50**	**2.15**	**0.00**	**374.22**	**1586.40**	**7962.60**

वित्तीय वर्ष 2020–21 के दौरान सीएसआर एवं संधारणीयता पर क्षेत्र–वार व्यय

(राशि लाख में)

क्रम सं.	मुख्य क्षेत्र	उप क्षेत्र/मुख्य क्षेत्र	उप–क्षेत्र वार आवंटन	क्षेत्र–वार आवंटन	उप–क्षेत्र वार व्यय	क्षेत्र–वार व्यय
1	**स्वास्थ्य देखभाल एवं सफाई**	स्वास्थ्य देखभाल और सफाई	1366.02	2257.23	871.79	1744.33
		स्वास्थ्य देखभाल और सफाई – बाहरी व्यक्तियों के लिए अस्पताल/औषधालयों पर व्यय	509.72		498.31	
		स्वच्छ विद्यालय अभियान	5.86		0.00	
		स्वच्छ भारत अभियान	375.62		374.22	
2	**शिक्षा एवं कौशल विकास**	शिक्षा एवं कौशल विकास–शिक्षा	582.25	3876.44	539.81	3807.95
		शिक्षा एवं कौशल विकास–कौशल विकास	253.25		230.11	
		शिक्षा एवं कौशल विकास– बाहरी व्यक्तियों के लिए केंद्रीय विद्यालय /अन्य स्कूलों पर व्यय	3040.20		3038.04	
3	**महिला सशक्तिकरण/वरिष्ठ नागरिक**	महिला सशक्तिकरण/वरिष्ठ नागरिक	11.18	11.18	8.79	8.79
4	**पर्यावरण**	पर्यावरण	259.46	259.46	92.82	92.82
5	**कला एवं संस्कृति**	कला एवं संस्कृति	14.74	14.74	9.50	9.50
6	**खेल**	खेल	2.54	2.54	2.15	2.15
7	**ग्रामीण विकास**	ग्रामीण विकास	570.07	570.07	338.14	338.14
8	**क्षमता निर्माण**	क्षमता निर्माण	381.50	381.50	372.52	372.52
		सीएसआर कर्मचारियों के वेतन पर व्यय (क्षमता निर्माण सहित)				
9	**आपदा प्रबंधन**	आपदा प्रबंधन	1638.09	1638.09	1586.40	1586.40
10	**आरक्षित निधि**	आरक्षित निधि	466.08	466.08	0.00	0.00
		कुल	**9477.324**	**9477.324**	**7962.60**	**7962.60**

वित्तीय वर्ष 2020–21 के दौरान सीएसआर व्यय (लाख में) का सचित्र दृश्य

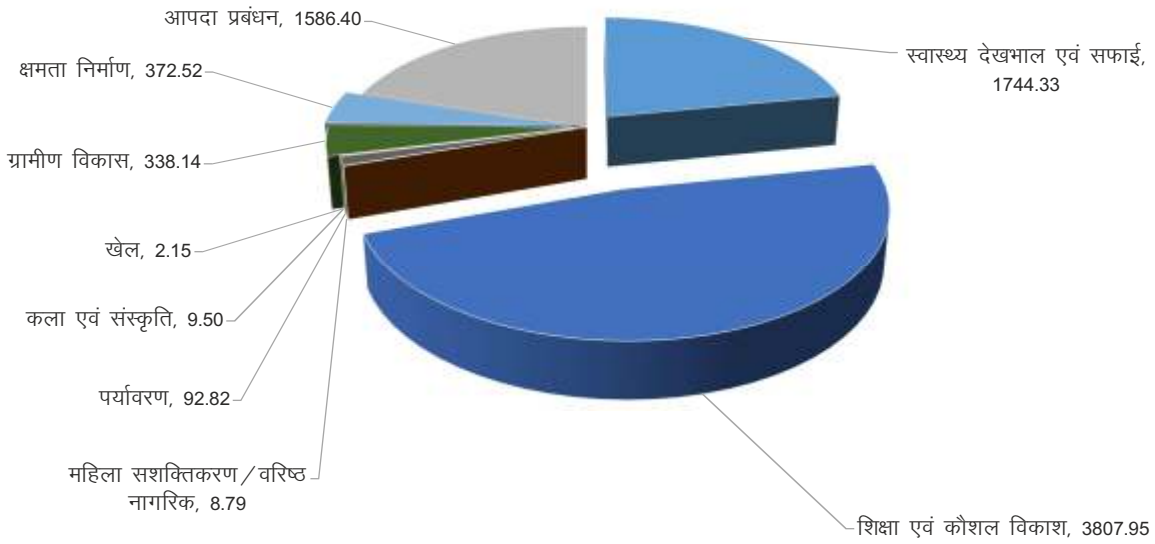

वित्तीय वर्ष 2020–21 के दौरान राज्य–वार सीएसआर व्यय (लाख में) का सचित्र दृश्य

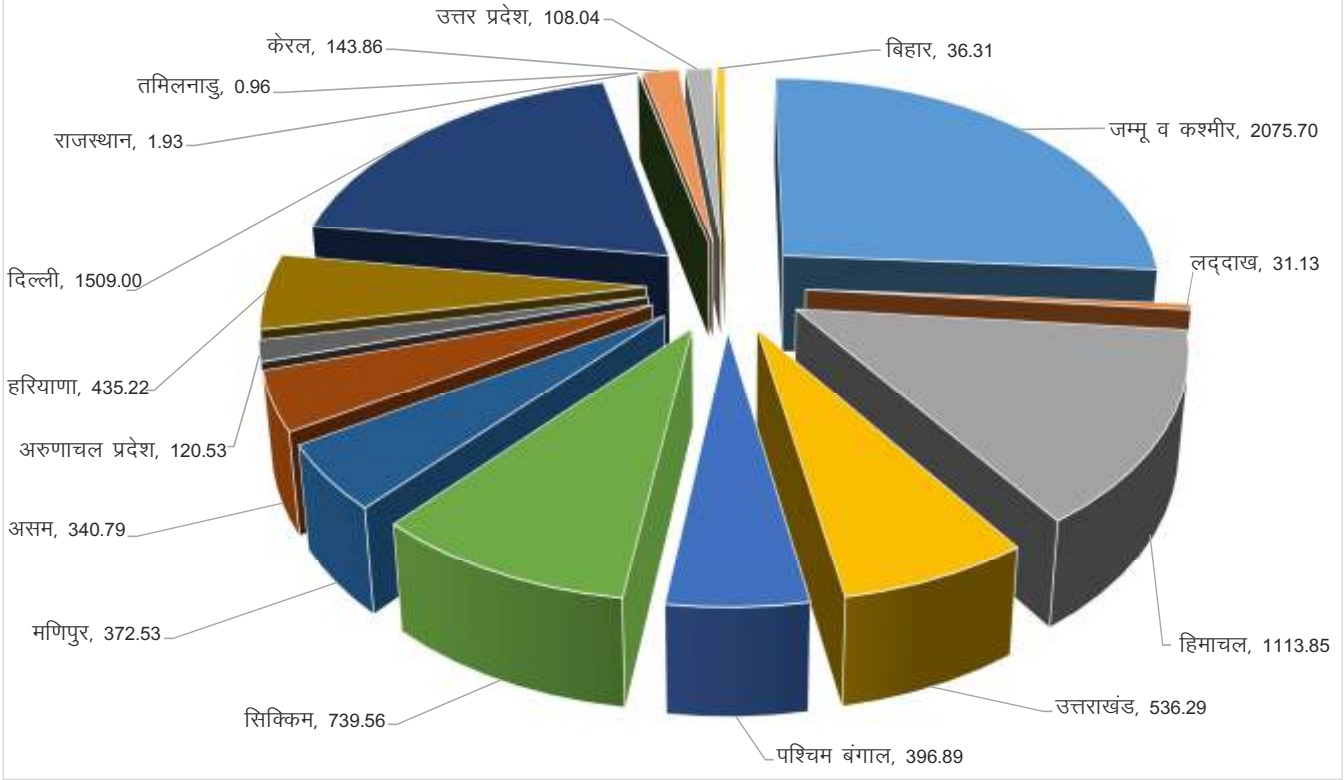

1. क्षेत्रीय कार्यालय – जम्मू :

स्वास्थ्य एवं सफाई :

कोविड–19 टीकाकरण के लिए कोल्ड चेन उपकरण की खरीद

कोविड–19 महामारी के दौरान जम्मू व कश्मीर (केन्द्र शासित प्रदेश) स्वास्थ्य अवसंरचना में सहायता करने और उसे सुदृढ़ बनाने के लिए, एनएचपीसी ने टीकाकरण कार्यक्रम में सरकारी योजना को बढ़ाने के लिए पहल की। एनएचपीसी ने 176 नग कोल्ड चेन उपकरण जैसे वॉक–इन फ्रीजर–01 नग, आइस लाइन रेफ्रिजरेटर–112 नग, डीप फ्रीजर–64 नग, की खरीद की जिनकी कीमत 1.60 करोड़ रुपये है। ये चिकित्सा उपकरण परिवार कल्याण विभाग, एमसीएच एवं टीकाकरण, जम्मू–कश्मीर (केन्द्र शासित प्रदेश) सरकार को मार्च–21 और अप्रैल–21 में चरणबद्ध तरीके से प्रदान किए गए।

एनएचपीसी क्षेत्रीय कार्यालय, जम्मू ने निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत वॉक इन फ्रीजर (01नग), आईएलआर (छोटे–83 नग, बड़े – 29 नग), डीप फ्रीजर (छोटे – 62 नग, बड़े – 01 नग) की खरीद के लिए 1.60 करोड़ रुपये का व्यय किया है।

कोविड–19 टीकाकरण कार्यक्रम के लिए जम्मू–कश्मीर (केन्द्र शासित प्रदेश) सरकार को क्षेत्रीय कार्यालय–जम्मू द्वारा कोल्ड चेन उपकरण सौंपे गए

2. सलाल पावर स्टेशन

शिक्षा एवं कौशल विकासः

- **चार स्कूलों का जीर्णोद्धार और अन्य आधारभूत निर्माण कार्यों का निष्पादनः**

स्थानीय प्रशासन एवं शिक्षा विभाग के अनुरोध पर सलाल पावर स्टेशन द्वारा वित वर्ष 2020–21 में सीएसआर एवं एसडी योजना के तहत अपने परियोजना क्षेत्र में आने वाले सरकारी विद्यालयों में रु 36.41 लाख की लागत से जीर्णोद्धार और अन्य आधारभूत कार्य जैसे कि प्ले/एसेम्बली ग्राउण्ड, बाउन्ड्री, वाल, रसोई घर, क्लास रूम, सीढ़ियाँ और टॉयलेट आदि का निर्माण तथा कुछ मरम्मत कार्य करवाये गए। सलाल पावर स्टेशन की इस सीएसआर गतिविधि से लाभान्वित होने वाले सरकारी विद्यालयों में गवर्नमेंट मिडिल स्कूल, बक्कल ,गवर्नमेंट हाई स्कूल,खैरल, गवर्नमेंट हाई स्कूल, कुंडरा और गर्वनमेंट प्राईमरी स्कूल त्रिंथा शामिल हैं। इस गतिविधि से प्रतिवर्ष लगभग कुल 500 से ज्यादा विद्यार्धियों को लाभ मिल रहा है।

गवर्नमेंट मिडिल स्कूल, बक्कल

गवर्नमेंट हाई स्कूल,खैरल

गवर्नमेंट हाई स्कूल, कुंडरा

गर्वनमेंट प्राईमरी स्कूल त्रिंथा

लाभार्थियों का विवरण

सामान्य (सामा.)	अनु.जाति (एससी)	अनु. जन जाति (एसटी)	अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी)	कुल	महिला लाभार्थी	पुरुष लाभार्थी
178	169	128	18	493	265	228

- **एनएचपीसी द्वारा संचालित "केंद्रीय विद्यालय, ज्योतिपुरम" मे वाह्य बच्चों को अध्ययन लाभः**

सलाल पावर स्टेशन के आवासीय कालोनी ज्योतिपुरम में स्थित "केंद्रीय विद्यालय" इस दूर–दराज के क्षेत्र में रहने वाले बच्चों के लिए एक वरदान के रूप में अपनी पहचान बना चुका है। इस विद्यालय से स्थानीय बच्चे लगातार अच्छी शिक्षा प्राप्त कर अपने उज्जवल भविष्य की ओर अग्रसर हैं। विगत वर्ष की भांति ही वित्त वर्ष 2020–21 में भी कुल 941 छात्रों को इसका लाभ प्राप्त हुआ। वित्त वर्ष 2020–21 में इस विद्यालय के संचालन में पावर स्टेशन ने कुल 259.19 लाख का खर्च किया है।

केंद्रीय विद्यालय, ज्योतिपुरम

लाभार्थी छात्रों का विवरणः

सामान्य (सामा.)	अनु.जाति (एससी)	अनु. जन जाति (एसटी)	अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी)	कुल	महिला लाभार्थी	पुरुष लाभार्थी
637	198	70	36	941	452	489

ग्रामीण विकासः

- **बिड्डा गांव में आरसीसी पानी की टंकी का निर्माण**

परियोजना परिक्षेत्र के बिडड़ा गांव को स्थानीय पंचायत और निवासियों द्वारा "आदर्श ग्राम" बनाने की गुजारिश की गई थी, जिसके फलस्वरूप सलाल पावर स्टेशन ने इस गाँव को गोद लिया है। सलाल पावर स्टेशन द्वारा गाँव को सुचारू जल आपूर्ति के लिए रु. 10.97 लाख की लागत से 1.25 लाख लीटर की क्षमता वाली आरसीसी पानी का टैंक बनवाया। इससे पहले इस क्षेत्र में मात्र 25000 लीटर की क्षमता वाली टैंक से जल–आपूर्ति किया जाता था, जोकि वहां के स्थानीय जन के लिए अपर्याप्त था। इस पानी के टैंक बनाने से लगभग 1250 लोगों को लाभ मिल रहा है।

बिडड़ा गांव में 1.25 लाख लीटर की क्षमता के आरसीसी वाटर टैंक का निर्माण

लाभार्थियों का विवरणः

सामान्य (सामा.)	अनु. जाति (एससी)	अनु. जन जाति (एसटी)	अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी)	कुल	महिला लाभार्थी	पुरुष लाभार्थी
573	67	524	86	1250	583	667

- **बिड्डा गांव में प्रोटेक्शन वर्क और कच्चे सड़क की ब्लैक टॉपिंग का कार्यः**

बिडड़ा गांव को "आदर्श ग्राम" बनाने की प्रक्रिया में सलाल पावर स्टेशन द्वारा कुछ प्रोटेक्शन वर्क और कच्चे रोड की ब्लैक टॉपिंग का कार्य करवाया जा रहा है और कार्य प्रगतिशील है। वित्त वर्ष 2020–21 सी एस आर एवं एस डी के अंतर्गत इस कार्य में कुल 16.89 लाख खर्च किया गया है। प्रोटेक्शन वर्क और कच्चे सड़क की ब्लैक टॉपिंग के कार्य से लगभग 1250 स्थानीय तथा अन्य आगंतुकों को लाभ मिलेगा।

बिडड़ा गांव में निर्माणाधीन सड़क के ब्लैक टॉपिंग का कार्य

लाभार्थियों का विवरण :

सामान्य (सामा.)	अनु. जाति (एससी)	अनु. जन जाति (एसटी)	अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी)	कुल	महिला लाभार्थी	पुरुष लाभार्थी
573	67	524	86	1250	583	667

- **रियासी जिले के कोटला और थेरु गांव में जल–आपूर्ति परियोजनाः**

परियोजना परिक्षेत्र के कोटला और थेरु गांव में ग्राम पंचायत और स्थानीय लोगों के अनुरोध पर जल–आपूर्ति परियोजना का कार्य सलाल पावर स्टेशन द्वारा सीएसआर एवं एसडी योजना के अंतर्गत करवाया जा रहा है। यह कार्य स्थानीय प्रशासन "डिप्टी डेवेलेपमेंट कमिश्नर" के साथ एमओयू के तहत "डिपॉजिट बेसिस" पर करवाया जा रहा है। परियोजना की कुल लागत रु.123.00 लाख है और अभी तक कुल रु 39.5 लाख खर्च किया जा चुका है। जिसमें से वित्त वर्ष 2020–21 में कुल रु 16.5 लाख का भुगतान किया गया है। इस गतिविधि से कुल 601 लोग लाभावित्त होंगे।

लाभार्थियों का विवरण :

सामान्य (सामा)	अनु. जाति (एससी)	अनु. जन जाति (एसटी)	अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी)	कुल	महिला लाभार्थी	पुरुष लाभार्थी
272	77	104	148	601	289	312

स्वास्थ्य एवं सफाईः

- **चिकित्सा शिविर :**

स्थानीय लोगों के स्वास्थ के प्रति अपनी संवेदना दिखाते हुये सलाल पावर स्टेशन द्वारा परियोजना परिक्षेत्र के दुर्गम इलाकों में पावर स्टेशन के चिकित्सा विभाग ने वित्त वर्ष 2020–21 में कुल 3 चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया। जिसमें से एक शिविर कोविड–19 महामारी से बचाव और स्थानीय लोगों के स्वास्थ्य चेक–अप के उद्देश्य से लगाया गया। इन चिकित्सा शिविरों में निःशुल्क जांच और आवश्यकता अनुसार निःशुल्क दवाईयां भी वितरित की गयी। इन शिविरों के आयोजन में रु. 2.79 लाख खर्च किये गए। इसके साथ ही परियोजना चिकित्सालय में वाह्य मरीजों के ईलाज़ तथा दवाईओं के वितरण में भी वित्त वर्ष 2020–21 में कुल रु 7.99 लाख का खर्च सी एस आर के तहत किया गया। इन दोनों गतिविधियों से लगभग कुल 13853 लोग लाभावित्त हुये।

चिकित्सा शिविरों का आयोजन

लाभार्थियों का विवरण :

सामान्य (सामा.)	अनु. जाति (एससी)	अनु. जन जाति (एसटी)	अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी)	कुल	महिला लाभार्थी	पुरुष लाभार्थी	टिप्पणी
10350	1170	550	430	12500	1750	10750	चिकित्सा कैंप
990	285	56	52	1383	970	413	परियोजना चिकित्सालय

आपदा प्रबंधन कोविड–19 :

- **कोविड–19 से बचाव हेतु आवश्यक सामग्री और अन्य सहायता:**

वित्त वर्ष 2020–21 के दौरान "कोविड–19" महामारी से जूझ रहे जिले रियासी के दूर–दराज इलाकों में सलाल पावर स्टेशन द्वारा रु 1.00 लाख की लागत का मास्क, सेनेटाईजर व दवाईयों का वितरण और जरूरतमंदों को राशन वितरण किया गया। इस गतिविधि से कुल 281 लोग प्रत्यक्ष तथा कुछ अन्य लोग अप्रत्क्ष रूप से लाभान्वित हुए।

जरूरतमंदों को "राशन" सामग्री वितरण

कोविड–19 से बचाव हेतु आवश्यक सामग्री का वितरण

लाभार्थियों का विवरण:

सामान्य (सामा.)	अनु. जाति (एससी)	अनु. जन जाति (एसटी)	अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी)	कुल	महिला लाभार्थी	पुरुष लाभार्थी
-	-	-	-	281	-	-

3. दुलहस्ती पावर स्टेशन

स्वास्थ्य एवं सफाई :

- **जिला अस्पताल किश्तवाड़ को चिकित्सा उपकरणों – सी–आर्म कम्पेटिबल हाइड्रोलिक ओटी टेबल एवं अन्य वस्तुएं प्रदान करना**

जिला अस्पताल किश्तवाड़ की चिकित्सा अवस्थापना सुविधाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए दुलहस्ती पावर स्टेशन ने 6.88 लाख रुपये मूल्य के कुछ चिकित्सा उपकरण जैसे सी–आर्म कम्पेटिबल हाइड्रोलिक ओटी टेबल, इमरजेंसी ट्रॉली, सक्शन मशीन एवं अन्य वस्तुएं खरीदकर जिला अस्पताल किश्तवाड़ को सौंपी। 50000 से अधिक व्यक्तियों ने इन चिकित्सा उपकरणों की सुविधा का लाभ उठाया है।

जिला अस्पताल किश्तवाड़ को चिकित्सा उपकरणों को सौंपते हुए

लाभार्थियों का विवरण

सामान्य (सामा.)	अनु. जाति (एससी)	अनु. जन जाति (एसटी)	अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी)	कुल	महिला लाभार्थी	पुरुष लाभार्थी
42106	5934	3280	–	51320	24726	26594

<u>**प्रेस क्लिपिंग**</u>

अमर उजाला, ऊधमपुर, 22.01.2021

अस्पताल को दिए चिकित्सा उपकरण

किश्तवाड़। दुलहस्ती पावर स्टेशन की तरफ से जिला अस्पताल किश्तवाड़ को चिकित्सा उपकरण प्रदान किए गए। इस दौरान दुलहस्ती पावर स्टेशन के फील्ड हॉस्टल स्थित प्रशिक्षण कक्ष में समारोह का आयोजन किया गया। निर्मल सिंह महाप्रबंधक (प्रभारी) दुलहस्ती पावर स्टेशन ने कहा कि दुलहस्ती पावर स्टेशन ने सीएसआर एवं एसडी योजना के अंतर्गत जिला प्रशासन के सहयोग से आसपास के क्षेत्रों में विभिन्न विकास के कार्य कराए हैं। इसी क्रम में वीरवार को जिला अस्पताल किश्तवाड़ को 6.88 लाख की लागत के 10 इमरजेंसी ट्राली, 13 सक्शन मशीन तथा 1 सी-आर्म आर्थोपेडिक ऑपरेशन टेबल प्रदान किए। इससे स्थानीय लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। इसके अतिरिक्त, परवेज इकबाल वानी, मेडिकल सुपरिंटेंडेंट, जिला अस्पताल किश्तवाड़ ने कहा कि दुलहस्ती पावर स्टेशन हमेशा से जिला अस्पताल प्रशासन के अनुरोध पर आवश्यक चिकित्सा उपकरण प्रदान करता रहा है जिससे किश्तवाड़ जिले के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने में मदद मिलती है। संवाद

पंजाब केसरी, जम्मू, 22.01.2021

दुल हस्ती पावर स्टेशन ने जिला अस्पताल को चिकित्सा उपकरण किए भेंट

डोडा/किश्तवाड़, 21 जनवरी (अजय): दुल हस्ती पावर स्टेशन किश्तवाड़ द्वारा एन.एच.पी.सी. के कार्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व एवं सतत विकास (सी.एस.आर. एंड एस.डी.) अंतर्गत जिला अस्पताल किश्तवाड़ को चिकित्सा उपकरण प्रदान किए।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम दौरान जिला विकास आयुक्त किश्तवाड़ अशोक कुमार शर्मा, महाप्रबंधक (प्रभारी) दुल हस्ती पावर स्टेशन निर्मल सिंह, जिला मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डा. रविन्द्र सिंह मन्हास, मैडीकल सुपरिंटैंडैंट डा. परवेज वानी और दुल हस्ती पावर स्टेशन के अन्य अधिकारी विशेष तौर पर मौजूद रहे।

दुल हस्ती पावर स्टेशन द्वारा दिए गए उपकरणों के साथ अधिकारी। (सुनील)

शिक्षा:

- **सरकारी माध्यमिक विद्यालय, बगवां मोहल्ला, किश्तवाड़ की चारदीवारी और फर्श की मरम्मत:**

पावर स्टेशन ने स्कूल के भवन की स्थिति में सुधार लाने के लिए सरकारी माध्यमिक विद्यालय, बगवां की चारदीवारी और फर्श की मरम्मत का कार्य किया है। जिला प्रशासन के साथ समझौता ज्ञापन करके 6.0 लाख रुपये राशि का मरम्मत कार्य किया गया है।

सरकारी माध्यमिक विद्यालय, बगवां मोहल्ला, किश्तवाड़ का नवीकृत फर्श

- **राजकीय बालिका उच्चतर विद्यालय संग्रामभाटा,**

किश्तवाड़ के भवन का रख–रखाव/मरम्मत/नवीकरण :

जिला प्रशासन के साथ दिनांक 28.02.2020 को समझौता ज्ञापन करके सरकारी कन्या उच्चतर विद्यालय, संग्रामभाटा, किश्तवाड़ की मरम्मत/नवीकरण का कार्य किया गया है। परियोजना की कुल लागत 7.40 लाख रुपये है और यह कार्य प्रगतिशील है।

राजकीय बालिका उच्चतर विद्यालय का नवीकृत विद्यालय भवन

4. उरी पावर स्टेशन

स्वास्थ्य एवं सफाई:

- **जिला–बारामूला (जम्मू–कश्मीर) में जिला और उप जिला अस्पतालों के विभिन्न स्वास्थ्य देखभाल केंद्रों में मशीनरी उपस्कर यथा यूएसजी कलर डॉपलर, एक्स–रे मशीन, यूरिन एनालाइजर, कार्डिएक मॉनिटर, ऑक्सीजन कंसंट्रेशन, जनरेटर सेट, सीआर सिस्टम, डेंटल चेन प्रदान करना**

जम्मू कश्मीर के बारामूला जिले को 2019 में "ऐस्पिरेस्नल डिस्ट्रिक्ट" घोषित किया गया था जिसके तहत सीएसआर एवं एसडी स्कीम में जिले के सर्वांगीण विकास तथा स्थानीय लोगों को लाभान्वित करने हेतु विभिन्न सेक्टरों ख़ास कर स्वास्थ्य एवं सफाई और ग्रामीण विकास के अंतर्गत विभिन्न कार्यों के लिए उरी पावर स्टेशन तथा बारामूला प्रशासन के मध्य एमओयू के अंतर्गत करार हुए। इस एमओयू में स्वास्थ्य एवं सफाई सेक्टर के अंतर्गत रु 803.20 लाख के कार्य किये जाने प्रस्तावित थे। इस कार्य में अभी तक कुल रु 555.58 लाख' का भुगतान अधिकृत स्थानीय एजेंसी को किया गया है।

स्वास्थ्य देखभाल केंद्रों को चिकित्सा उपस्कर

- **सोपोर, जिला– बारामूला (जम्मू–कश्मीर) के स्वास्थ्य देखभाल केंद्रों के लिए सिविल कार्य और मशीनरी उपकरण**

सीएसआर एवं एसडी गतिविधियों के तहत बारामूला जिला प्रशासन के साथ हुए एमओयू के अंतर्गत सोपोर में अस्पताल भवन का निर्माण तथा चिकित्सीय उपकरण प्रदान करने हेतु रु 228.00 लाख का कार्य किया जाना प्रस्तावित है द्य यह कार्य 28.02.2020 को प्रारम्भ हुआ तथा जिसकी समाप्ति तिथि 31.01.2022 प्रस्तावित है। यह कार्य अभी प्रगतिशील है। इस कार्य में अभी तक कुल रु 100.05 लाख' का भुगतान अधिकृत स्थानीय प्राधिकारी को किया जा चुका है। प्रस्तावित कार्य लाभ पूर्णतः स्थानीय नागरिकों को होगा।

स्वास्थ्य देखभाल केंद्र, सोपोर, जिला बारामूला में सिविल कार्य

- **बाहरी व्यक्तियों के लिए एनएचपीसी के अस्पताल /औषधालयों पर चिकित्सा व्ययः**

प्रत्येक वर्ष उरी पावर स्टेशन के चिकत्सालय में सीएसआर गतिविधियों के अंतर्गत काफी संख्या में वाह्य/स्थानीय रोगियों का इलाज किया जाता है। वाह्य रोगियों पर आने वाला खर्च सीएसआर के मद में बुक किया जाता है। स्थानीय लोग इस गतिविधि से बहुत ही लाभान्वित होते हैं। वित्त वर्ष 2020–21 में इस गतिविधि के लिए लगभग रु 1. 92 लाख का भुगतान किया गया।

शिक्षाः

- **वर्ष 2005 में भूकंप से क्षतिग्रस्त जिंगल में स्कूल भवन की अवसंरचना का उन्नयनः**

वर्ष 2005 में आए भूकंप में उरी जिले के जिंगल में स्थित सरकारी स्कूल पूर्णतः क्षतिग्रस्त हो गया था जिसके फलस्वरूप विद्यालय प्रबंधन एवं स्थानीय प्रशासन द्वारा उस स्थान पर नया विद्यालय बनाने की निरंतर मांग की जाती रही है। अतः पावर स्टेशन ने सीएसआर गतिविधि के तहत दो चरणों में विद्यालय बनाने के कार्य के प्रस्ताव को स्वीकृत किया है।

भूकंप से क्षतिग्रस्त स्कूल भवन की अवसंरचना का उन्नयन

प्रथम चरण के कार्य के लिए सीएसआर एवं एसडी स्कीम के तहत लगभग रु 14.93 लाख व्यय हुआ। इस विधालय के पुनः बन' जाने से स्थानीय विद्यार्थियों को शिक्षा प्राप्त करने में आ रही मुश्किलें काफी हद तक कम हो जाएंगी। विद्यालय के पुनर्निर्माण से लाभान्वित छात्रों का विवरण निम्नवत है

- **जीएचएस जिंगल में आंशिक रूप से निर्मित स्कूल भवन का शेष कार्य**

विद्यालय प्रबंधन तथा स्थानीय प्रशासन के अनुरोध पर जीएचएस जिंगल के बचे हुए आतंरिक कार्यों जैसे कि फर्श, रंगरोधन आदि उरी पावर स्टेशन से सीएसआर गतिविधियों के अंतर्गत कराने के लिए सहमती दी गयी।

जीएचएस, जिंगल के स्कूल भवन का शेष कार्य

लाभार्थियों का विवरणः

कैटेगरी का विवरण					महिला लाभार्थी
आरबीए	एस.सी.	एस.टी.	ओ.बी.सी.	कुल	
450	0	0	0	450	230

- **धनी स्येदन उरी (जम्मू–कश्मीर) में आंशिक रूप से निर्मित स्कूल भवन का शेष कार्य।**

धनी स्येदन स्थित स्कूल के बचे हुए कार्यों को पावर स्टेशन द्वारा सीएसआर गतिविधियों के अंतर्गत करवाया गयाद्य यह कार्य 24.07.2019 को प्रारम्भ हुआ तथा 25.05.2020 को समाप्त हुआ। इस कार्य के लिए सीएसआर एवं एसडी स्कीम के तहत लगभग रु 15.25 लाख व्यय हुआ।

स्कूल भवन, धनी स्येदन, उरी का शेष कार्य

इस विधालय के उन्नयन कार्य हो जाने से लाभान्वित विधायार्थियों' का विवरण निम्वत है ।

लाभार्थियों का विवरणः

कैटेगरी का विवरण					महिला लाभार्थी
आरबीए	एस.सी.	एस.टी.	ओ.बी.सी.	कुल	
250	0	14	0	264	143

- **बाहरी व्यक्तियों के लिए केन्द्रीय विद्यालयों/अन्य स्कूलों पर व्यय–**

प्रत्येक वर्ष उरी पावर स्टेशन के केन्द्रीय विद्यालय में अध्ययनरत वाह्य विद्यार्थियों की पढ़ाई के ख़र्च का भुगतान सीएसआर एवं एसडी स्कीम के अंतर्गत आवंटित धन द्वारा किया जाता है। वित्त वर्ष 2020–21 में पावर स्टेशन द्वारा केन्द्रीय विद्यालय में अध्ययनरत वाह्य विद्यार्थियों पर लगभग रु 116.69 लाख खर्च किये गए। पावर स्टेशन के केन्द्रीय विद्यालय से लाभान्वित वाह्य विद्यार्थियों का विवरण निम्नवत है –

लाभार्थियों का विवरणः

कैटेगरी का विवरण					महिला लाभार्थी
आरबीए	एस.सी.	एस.टी.	ओ.बी.सी.	कुल	
255	4	9	12	280	110

ग्रामीण विकासः

- **ख्वाजा बाग, बारामूला और बाग–1, सुंदरी, सोपोर में बागवानी नर्सरियों का आधुनिकीकरणः**

जम्मू कश्मीर के बारामूला जिले को 2019 में' ऐस्पिरेस्नल डिस्ट्रिक्ट घोषित किया गया था। जम्मू कश्मीर प्रशासन एवं उरी–I पावर स्टेशन के बीच हुए समझोते के अनुसार ग्रामीण विकास सेक्टर के अंतर्गत रु 172.00 लाख का कार्य किया जाना प्रस्तावित हुआ था। इसी के अंतर्गत नर्सरियों के विकास में विभिन्न कार्य किये जा रहे हैं।

बागवानी नर्सरी, ख्वाजा बाग, बारामूला का आधुनिकीकरण

उपर्युक्त एमओयू के तहत कार्य 01.02.2020 को प्रारम्भ हुआ तथा अभी प्रगतिशील है। इस कार्य के लिए अभी तक कुल रु 43.00 लाख' का भुगतान अधिकृत स्थानीय प्राधिकरण को किया जा चुका है। एमओयू के तहत किया गया कार्य बारामुल्ला, सोपोर जिला तथा इन जिलों के आस–पास की सामान्य जनता के लिए अत्यधिक प्रभावी व लाभप्रद सिद्ध होगा। इसके अतिरिक्त फ्रूट प्रॉडक्शन तथा जिले में सामुदायिक खेती को भी बढ़ावा मिलेगा।

आपदा प्रबंधन

- **कोविड–19 एवं अन्य के लिए आकस्मिक क्रिया–कलापः**

उरी पावर स्टेशन द्वारा कोविड महामारी से सुरक्षा के मद्देनजर परियोजना क्षेत्र के आस–पास के जरूरत मंदों को जून 2020 तक लगभग रु 1.61 लाख का सूखा राशन वितरित किया गया। पावर स्टेशन की इस गतिविधि ने लगभग 1010 लोगों (बच्चों सहित) को लाभान्वित किया।

कोविड महामारी के दौरान जरूरत मंदों को सूखा राशन वितरण

5. किशनगंगा पावर स्टेशन

आपदा प्रबंधनः

- **गुरेज क्षेत्र के आग से पीड़ितों को राहत सामग्री उपलब्ध कराना:**

अक्तूबर, 2020 माह में सर्दियों के दौरान, गुरेज, जिला बांदीपोरा में आग लगने की घटना घटित हुई, जिससे कुछ रिहायशी मकानों को भी क्षति पहुँची। एक जिम्मेदार निगमित नागरिक के रूप में, किशनगंगा पावर स्टेशन ने तत्काल पहुँचकर मानवता के नाते स्थानीय नागरिकों की मदद की। पावर स्टेशन ने अपनी सीएसआर पहल के अंतर्गत 2.22 लाख रुपये राशि के कंबल और सीजीआई शीट जैसी राहत सामग्रियां प्रदान करके आग से प्रभावित परिवारों की पूरी मदद की। इस सीएसआर पहल के लाभार्थियों का ब्यौरा इस प्रकार है:

लाभार्थियों का विवरणः

सामान्य	एससी	एसटी	ओबीसी	कुल	महिला
-	-	55	-	55	20

आग से प्रभावित पीड़ितों को राहत सामग्री का वितरण

- **महामारी से लड़ने के लिए जिला रेड क्रॉस सोसाइटी बांदीपोरा को वित्तीय सहायता:**

वित्तीय वर्ष 2020–21 के दौरान, किशनगंगा पावर स्टेशन ने जरूरतमंद लोगों को खाना, दवाईयों आदि की व्यवस्था के लिए व्यय की पूर्ति हेतु जिला रेड क्रॉस सोसाइटी बांदीपोरा को 3.00 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की। लाभार्थियों का ब्यौरा इस प्रकार है:

लाभार्थियों का विवरणः

सामान्य	एससी	एसटी	ओबीसी	कुल	महिला
900	-	-	-	900	360

शिक्षाः

- **बांदीपोरा जिले के हाई स्कूल, गुरेज क्षेत्र में कंप्यूटर लैब सहित डिजिटल स्मार्ट क्लास रूम की स्थापनाः**

स्कूलों में शिक्षा अवसंरचना को उन्नत करने की अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिए, पावर स्टेशन ने जिला प्रशासन बांदीपोरा के सहयोग से बांदीपोरा जिला के गुरेज क्षेत्र में हाई स्कूल जुर्नियाल, गुरेज में सहायक उपकरण सहित कंप्यूटर लैब के साथ डिजिटल स्मार्ट क्लास रूम की स्थापना की परियोजना शुरू की है। इस परियोजना की कुल लागत 13.86 लाख रुपये है और इस कार्य के लिए वित्तीय वर्ष 2020–21 के दौरान 4.16 लाख रुपये का व्यय किया जा चुका है।

सरकार के प्रमुख सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, जम्मू–कश्मीर सरकार का हाई स्कूल जुर्नियाल, गुरेज के स्मार्ट क्लास रूम का दौरा

लाभार्थियों का विवरणः

सामान्य	एससी	एसटी	ओबीसी	कुल	महिला
86	-	-	-	86	40

स्वास्थ्यः

- **जिला अस्पताल बांदीपोरा और उप–जिला अस्पताल गुरेज को चिकित्सा उपकरण उपलब्ध कराना**

क्षेत्र में चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करने के लिए, पावर स्टेशन ने सीएसआर पहल के एक भाग के रूप में जिला

अस्पताल बांदीपोरा के लिए 10.59 लाख रुपये की लागत के कुछ चिकित्सा उपकरणों जैसे हॉरिजेंटल इलेक्ट्रिक आटोक्लेव रेक्टेंगुलर, इलेक्ट्रिक कॉट्री, मल्टीचौनल कार्डिएक मॉनिटर व ईटी कार्बनडाई ऑक्साइड मॉनिटरिंग (हाई ऐंड), ड्रेसिंग ड्रम मीडियम साइज, कैटेरेक्ट सेट पूरा, फ्लूइड वार्मर, प्रोसील एलएमए आकार 3,4,5, वेंटिलेटिंग बोगी आदि की खरीद की है।

लाभार्थियों का विवरणः

सामान्य	एससी	एसटी	ओबीसी	कुल	महिला
2500	-	-	-	2500	1000

स्वच्छ भारत अभियानः

- **बांदीपोरा में गुलशन चौक का विकासः**

गुलशन चौक, बांदीपोरा के विकास से जुड़े सभी सौंदर्य संबंधी कार्य पूरे हो चुके हैं। कुल परियोजना लागत 101.78 लाख रुपये है, जिसमें से 86.06 लाख रुपये जिला प्रशासन, बांदीपोरा को जारी किए गए हैं। सृजित सुविधा बांदीपोरा जिले की समूची आबादी के लाभ के लिए है।

गुलशन चौक का विकास कार्य

- **बांदीपोरा निशात गार्डन का विकासः**

सीएसआर पहल के अंतर्गत, बांदीपोरा निशात गार्डन के विकास से जुड़े सभी कार्य 203.00 लाख रुपये की कुल परियोजना लागत से पूरे हो चुके हैं। तथापि, अब तक, 171.80 लाख रुपये जिला प्रशासन, बांदीपोरा को जारी किए गए हैं। सृजित सुविधा बांदीपोरा जिले की समूची आबादी के लाभ के लिए है।

निशात गार्डन का विकास कार्य

ग्रामीण विकासः

- **गुरेज में हाई मास्ट सोलर लाइटों की संस्थापना**

बांदीपोरा जिले के गुरेज क्षेत्र में हाई मास्ट सोलर लाइटों की संस्थापना के कार्य जिला प्रशासन बांदीपोरा के सहयोग से पूरे चुके हैं। इस परियोजना लागत की कुल लागत 14.40 लाख रुपये थी और वित्तीय वर्ष 2020–21 के दौरान, इस सीएसआर पहल के अंतर्गत जिला प्रशासन, बांदीपोरा को 4.32 लाख रुपये की राशि जारी की गई है।

लाभार्थियों का विवरणः

सामान्य	एससी	एसटी	ओबीसी	कुल	महिला
700	-	-	-	455	245

- **समीपवर्ती गांव में कुलों की मरम्मत और रख–रखाव:**

सीएसआर पहल के अंतर्गत पावर स्टेशन द्वारा बेड ट्रीटमेंट के साथ साइड लाइनिंग वॉल के निर्माण के साथ–साथ करालपुरा कुल का मरम्मत कार्य किया गया।

लाभार्थियों का विवरण:

सामान्य	एससी	एसटी	ओबीसी	कुल	महिला
350	-	-	-	350	140

6. चूटक पावर स्टेशन

आपदा प्रबंधन:

- **कोविड संबंधी सामान का वितरण**

चूटक पावर स्टेशन के समीप रह रहे लोगों को दूरस्थ स्थान होने के कारण स्वास्थ्य और चिकित्सा देखभाल सुविधाओं की सीमित उपलब्धता है। अतः, कोविड महामारी से लड़ने के लिए जिला प्रशासन को तैयार करने हेतु, पावर स्टेशन ने जिला चिकित्सा प्राधिकारियों को रुपये 97,000/– मूल्य की कोविड संबंधी वस्तुएं जैसे मास्क, सेनेटाइजर, दस्ताने, शू कवर, डिस्पोजेबल गाउन, सैनिटाइजर मशीन इत्यादि प्रदान किए ।

कोविड से संबंधित वस्तुओं का वितरण

स्वास्थ्य एवं सफाई:

- **पानी के टैंकर के जरिए डोर–टू–डोर पेयजल आपूर्ति:**

भौगोलिक रूप से कारगिल जिला बहुत ही चुनौतीपूर्ण क्षेत्र है, जहां पर स्थानीय लोगों के लिए पेयजल की उपलब्धता एक बड़ी समस्या है। पेयजल की जरूरत को पूरा करने के लिए, स्थानीय निवासी सतही जल स्रोतों और झरनों पर ही निर्भर हैं। वित्तीय वर्ष 2020–21 के दौरान, चूटक पावर स्टेशन ने आसपास के गांवों में रह रहे स्थानीय निवासियों के लिए पानी के टैंकर के जरिए डोर–टू–डोर पेयजल आपूर्ति प्रदान करने की योजना शुरू की और इस पहल से लगभग 5 से 6 गांव सीधे तौर पर लाभान्वित हैं।

पानी के टैंकर के जरिए डोर–टू–डोर पेयजल आपूर्ति

7. निम्मो–बाजगो पावर स्टेशन

स्वास्थ्य एवं सफाई:

- **बाहरी व्यक्तियों के लिए एनएचपीसी के अस्पताल और औषधालय पर चिकित्सा व्यय**

पावर स्टेशन एक प्रमुख प्रयोजन क्षेत्र के रूप में स्वास्थ्य सेवा लाभ के साथ समीपवर्ती अथवा दूरस्थ स्थानों में रह रहे लोगों के लिए विभिन्न क्षेत्रों में अनेक सीएसआर क्रियाकलाप कर रहा है। कोविड–19 महामारी के दौरान, जहां पर कि इस वायरस को रोकने के लिए एक आपातकाल की स्थिति उत्पन्न हो गई है, पावर स्टेशन के औषधालय ने महामारी को रोकने के लिए और श्रमिकों व सुरक्षा कर्मियों सहित परियोजना के समीपवर्ती गांवों के स्वास्थ्य स्तर को बनाए रखने के लिए कोविड की दवाईयां वितरित की हैं।

कोविड की दवाईयों की वितरण

आपदा प्रबंधनः

- **कोविड–19 के लिए आकस्मिक और अन्य क्रियाकलाप**

कोविड–19 के खिलाफ लड़ाई के लिए, सैनिटाइजर, हैंड वाश, ग्लव्स और मास्क, ड्राई राशन का वितरण प्रवासी कामगारों दिहाड़ी मजदूरों, वृद्धों, दिव्यांगों को किया गया और पावर स्टेशन एवं उसके आसपास रह रहे जरूरतमंद लोगों को सूखा राशन प्रदान किया गया। पावर स्टेशन के समीप लगभग 565 लाभार्थियों को शामिल किया गया था।

लाभार्थियों का विवरण

कुल	एससी	एसटी	ओबीसी	सामान्य	पुरुष	महिला
1864	20	1374	0	470	955	909

भवन का नियमित सैनिटाइजेशन

8. सेवा–II पावर स्टेशन

ग्रामीण विकासः

- **वर्षा आश्रय व यात्री शेड का निर्माण**

पावर स्टेशन ने तहसील बनी स्थित ग्राम चंदिया तथा तहसील–बसोहली, जिला कठुआ में स्थित सरोगा वार्ड में दो वर्षा आश्रय व यात्री शेड निर्मित किए हैं। लगभग 550 ग्रामीण इस सुविधा से लाभान्वित हुए हैं।

वर्षा आश्रय व यात्री शेड सौंपते हुए

सरोगा में वर्षा आश्रय/यात्री शेड

- **नए सामुदायिक केंद्र परिसर का निर्माण**

विवाह समारोह तथा अन्य सामाजिक समारोह आयोजित करने के लिए कोई सुविधा/स्थान न होने पर, पावर स्टेशन ने खड्डी गांव में शौचालय सुविधाओं सहित एक सामुदायिक केंद्र परिसर के निर्माण के लिए पहल की। स्थानीय लोगों ने सेवा–II पावर स्टेशन की उनकी मांग को पूरा करने के लिए ऐसी सहायता की सराहना की है।

खड्डी गांव में समुदाय हॉल का निर्माण

खड्डी में शौचालय का निर्माण

आपदा प्रबंधनः

- **हैंड सैनिटाइजर एवं मास्क का वितरण**

पावर स्टेशन ने हट्ट और द्रमन ग्रामों/पंचायत में स्थानीय लोगों को कोविड–19 महामारी से लड़ने के लिए हैंड सैनिटाइजर और मास्क का वितरण किया है। ग्राम स्तरीय समिति और स्थानीय प्रशासन द्वारा पावर स्टेशन के कोविड के नियंत्रण के लिए किए गए प्रयासों की सराहना की गई है। इस कार्य से 700 से अधिक स्थानीय लोग लाभान्वित हुए हैं।

सरपंच, हट्ट ग्राम को कोविड की किट प्रदान करते हुए

सरपंच, द्रमन ग्राम को कोविड की किट प्रदान करते हुए

पर्यावरणः

- **पेयजल और घरेलू जरूरतों के लिए स्टोरेज वाटर टैंक का नवीकरण**

माशका ग्रामवासियों के लिए, सीएसआर पहल के अंतर्गत पेयजल और घरेलू जरूरतों के लिए समीपवर्ती स्टोरेज वाटर टैंक की मरम्मत और सेवा–II पावर हाउस के समीप के लघु जलाशय की सफाई की गई और इस कार्य से 150 से अधिक ग्रामीण लाभान्वित हुए। सड़क किनारे होने पर, लोग इस जलाशय का प्रयोग अपने प्रयोजनों के लिए करते थे। स्थानीय ग्रामवासियों और पंचायत ने एनएचपीसी के इस कार्य की सराहना की।

स्टोरेज वाटर टैंक का नवीकरण

- **मंजीरी पार्क का पुनर्निर्माण और मरम्मत कार्य**

बनी में बाढ़ से तबाह हुए मंजीरी पार्क के पुनर्निर्माण और मरम्मत का कार्य वित्तीय वर्ष 2020–21 के दौरान सेवा–II पावर स्टेशन द्वारा किया गया था। यह पार्क बनी के लोगों के लिए पारिस्थिति की उन्नयन और मनोरंजन सुविधाओं के लिए समय–समय पर पावर स्टेशन द्वारा विकसित किया गया ।

मंजीरी पार्क के मरम्मत एवं विकास के कार्य

9. बैरासिउल पावर स्टेशनः

शिक्षाः

- **जिला चम्बा में 12 स्कूलों के लिए खेल क्रियाकलापों के सुधार के लिए आदर्श खेल विद्यालय हेतु वित्तीय सहायता प्रदान करना**

आदर्श खेल विद्यालय योजना आकांक्षी बच्चों में खेल भावना बढ़ाने के लिए एक योजना है। जिला प्रशासन ने बैरासिउल पावर स्टेशन, सुरंगानी के समीप स्थित 12 स्कूलों में खेल सुविधाएं प्रदान करने के लिए अनुरोध किया था। तदनुसार, स्कूल में लड़कों के लिए कबड्डी मैट, वॉलीबॉल, बैडमिंटन, एडजस्टेबल बेंच इत्यादि और लड़कियों के लिए कैरमबोर्ड, चेसबोर्ड, स्किपिंग रोप इत्यादि जैसी विभिन्न खेल सामग्री प्रदान की गईं। वर्तमान में अनुमानित 225 छात्र लाभान्वित हुए हैं। उपर्युक्त सीएसआर कार्य पर कुल 2.43 लाख रुपये का व्यय किया गया।

आदर्श खेल विद्यालय योजना के तहत खेल सामग्री का वितरण

स्वास्थ्य एवं सफाई :

- **स्थानीय निवासियों को एनएचपीसी अस्पताल/औषधालय के माध्यम से चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करना:**

पावर स्टेशन के समीप उचित चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध न होने के कारण, स्थानीय निवासी और आसपास के क्षेत्र के ग्रामीण नियमित रूप से बैरासिउल परियोजना अस्पताल में चिकित्सा उपचार और चेक–अप के लिए आते रहते हैं। गंभीर हालत वाले मरीजों को भी अस्पताल के वार्ड में भर्ती किया जाता है और उनका इलाज किया जाता है। वित्तीय वर्ष 2020–21 के दौरान लगभग 3620 लोगों ने इन सुविधाओं का लाभ उठाया और इस कार्य के अंतर्गत 39.86 लाख रुपये का व्यय हुआ।

स्थानीय निवासियों की स्वास्थ्य जांच और चिकित्सा उपचार

स्वच्छ विद्यालय अभियान:

- **सरकारी प्राथमिक विद्यालय सारोवा, लेसुई, तहसील –चुराह, चंबा में शौचालय का निर्माण:**

सरकारी प्राथमिक विद्यालय, सारोवा पावर स्टेशन के बांध के नजदीक स्थित है। ग्राम और स्कूल प्राधिकारियों ने छात्राओं के लिए शौचालय सुविधाएं प्रदान करने का अनुरोध किया है क्योंकि उनके लिए वहां पर कोई उचित शौचालय सुविधा नहीं थी। पावर स्टेशन ने स्वच्छ विद्यालय अभियान के अंतर्गत स्कूल में शौचालयों का निर्माण किया, इस कार्य को करने के लिए 2.86 लाख रुपये का व्यय किया गया। इस सीएसआर कार्य के माध्यम से लगभग 28 छात्र लाभान्वित हुए और इस कार्य के तहत 2.86 लाख रुपये का व्यय किया गया था।

सरकारी प्राथमिक विद्यालय सारोवा में शौचालयों का निर्माण

ग्रामीण विकास

- **सरकारी प्राथमिक विद्यालय, भंडार में क्लासरूम का नवीकरण:**

सरकारी प्राथमिक विद्यालय, भंडार का मौजूदा क्लास रूम खराब हालत में था और यह छात्रों तथा शिक्षकों के लिए खतरनाक था। इस खराब स्थिति के कारण, पावर स्टेशन को इसके नवीकरण के लिए अनुरोध प्राप्त हुआ। तदनुसार, पावर स्टेशन द्वारा क्लासरूम का नवीकरण किया गया और इसे अच्छी हालत में स्कूल को सौंपा गया। विद्यालय प्रबंधन समिति ने इसकी काफी सराहना की और सीएसआर पहल के अंतर्गत पावर स्टेशन द्वारा किए गए सहायता कार्य के लिए धन्यवाद किया। इस कार्य से लगभग 58 छात्र लाभान्वित हुए हैं। इस सीएसआर कार्य पर 2.66 लाख रुपये का व्यय किया गया।

सरकारी प्राथमिक विद्यालय, भंडार में क्लासरूम का नवीकरण

- **सुरंगानी बस स्टैंड का पुनर्निर्माणः**

सुरंगानी बस स्टैंड काफी पुराना और जीर्ण–शीर्ण हालत में था, जो कि यात्रियों के लिए असुरक्षित और खतरनाक था। लगभग 1500 व्यक्ति अन्यत्र जाने के लिए इस बस स्टैंड का उपयोग करते रहते हैं। सुरंगानी में अत्यंत खराब मौसम रहता है और अधिकतर समय बरसात होती रहती है, जिसके कारण बस का इंतजार करने वाले स्थानीय ग्रामीणों को काफी समस्या होती थी। पंचायत प्रधान, बयाना और अन्य ग्रामीणों ने पावर स्टेशन से बस स्टैंड का पुनर्निर्माण करने का अनुरोध किया ताकि यह स्थानीय लोगों की जरूरत को पूरा कर सके। पावर स्टेशन ने पंचायत और ग्रामीणों के अनुरोध पर, 9.06 लाख रुपये की लागत से बस स्टैंड का पुनर्निर्माण किया।

सुरंगानी में बस स्टैंड का पुनर्निर्माण

आपदा प्रबंधनः

- **कोविड–19 और अन्य प्रयोजनों के लिए आपात–कालीन गतिविधियाँः**

कोविड–19 की शुरुआत के बाद, स्थानीय लोगों के बीच व्यापक घबराहट और असुरक्षा की भावना रही। अतः पावर स्टेशन ने ग्रामीणों के बीच फेस मास्क, सैनिटाइजर, डिटॉल साबुन, सफाई सामग्री, हैंड वॉश इत्यादि का वितरण किया और इससे लोगों को कोविड के खिलाफ लड़ाई में सावधानी बरतने में मदद मिली। इससे लगभग 1030 ग्रामीणों को लाभ हुआ। इसके अतिरिक्त, जिला प्रशासन के निदेशानुसार पावर स्टेशन में एक क्वारंटीन सेंटर भी स्थापित किया गया और इस सेंटर में कई मरीजों का इलाज किया गया। क्वारंटीन अवधि के दौरान, मरीजों को खाना और अन्य सुविधाएं भी निःशुल्क प्रदान की गईं। इस कार्य के लिए 1.00 लाख रुपये का व्यय किया गया।

कोविड बचाव चिकित्सा सामानों का वितरण

10. चमेरा पावर स्टेशन–I :

स्वास्थ्य एवं सफाई:

- **कोविड–19 से लड़ाई:**

महामारी का रूप ले चुके कोरोना वायरस और इससे लड़ने में लोगो को मदद देने हेतु चमेरा–I पावर स्टेशन ने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व एवं सतत विकास योजना (सीएसआर एवं एसडी) के अंतर्गत देशव्यापी लॉकडाउन के दौरान पावर स्टेशन के आसपास रहने वाले गरीब, असहाय, मजदूर एवं जरूरतमन्द लोगों में खाद्य सामग्री का वितरण किया। इसी क्रम में पावर स्टेशन के आस–पास के गावों की गर्भवती व स्तनपान कराने वाली महिलाओं को पौष्टिक आहार व जरूरी दवाइयों का भी वितरण किया गया। पावर स्टेशन के इस कदम से लॉकडाउन के कारण उत्पन्न हुई परिस्थितियों के कारण परेशान मजदूरों को अत्यंत राहत प्राप्त हुई। इस कार्य में कुल रु. 4.97 लाख खर्च हुए।

चमेरा पावर स्टेशन–I द्वारा जरूरतमन्द स्थानीय निवासी को खाद्य सामग्री का वितरण

चंबा जिले में कोरोना वायरस के रोकथाम एवं बचाव के लिए चमेरा–I पावर स्टेशन द्वारा जिला प्रशासन, चंबा को 2,50,000/–रुपये (ढ़ाई लाख रुपये) की वित्तीय सहायता प्रदान की गयी।

कोरोना वायरस से लड़ने में सहयोग हेतु चमेरा पावर स्टेशन–I द्वारा अतिरिक्त उपायुक्त चम्बा को वित्तीय सहायता प्रदान करते हुए।

यह राशि जिला प्रशासन द्वारा जिले में कोरोना वायरस के रोकथाम एवं बचाव के उपकरणों व सामग्री पर खर्च की गई।

इसके अतिरिक्त चमेरा पावर–I स्टेशन द्वारा स्थानीय स्तर भी कोरोना वायरस (कोविड–19) से बचाव हेतु पावर स्टेशन के निकट के क्षेत्रों का नियमित सैनिटाइजेशन किया गया एवं पावर स्टेशन के आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले जरूरतमंदों के बीच हैंड सैनेटाइज़र एवं फ़ेस मास्क का वितरण भी किया गया।

लाभार्थियों का विवरण:

सामान्य	एस.सी.	एस.टी.	ओ.बी.सी.	कुल	पुरुष	महिला
3000	800	400	1800	6000	3000	3000

- **बाहरी व्यक्तियों के लिए एनएचपीसी अस्पताल/औषधालय पर चिकित्सा व्यय**

चमेरा पावर स्टेशन–I, खैरी द्वारा कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व व सतत विकास योजना (सीएसआर–एसडी) के अंतर्गत स्थानीय लोगों के निःशुल्क इलाज के अतिरिक्त मुफ्त दवाइयां भी प्रदान की जाती है। यहां सभी मुख्य प्रकार के जांच की सुविधा उपलब्ध है। पावर स्टेशन की चिकित्सा सुविधा का स्थानीय निवासी बड़ी संख्या में लाभ उठाते हैं। इस चिकित्सा सुविधा पर पावर स्टेशन द्वारा कुल रु. 26.06 लाख खर्च किये गए।

लाभार्थियों का विवरण:

सामान्य	एस.सी.	एस.टी.	ओ.बी.सी.	कुल	पुरुष	महिला
3000	100	100	717	3917	2500	1417

पर्यावरण :

- **समीपवर्ती गांवों में सोलर स्ट्रीट लाइटें प्रदान करना:**

चमेरा पावर स्टेशन–I के आस–पास के ग्राम पंचायत में स्ट्रीट लाइट की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी एवं इसके लिए पंचायत के प्रधानों द्वारा पावर स्टेशन से निवेदन किया गया था। तत्पश्चात चमेरा पावर स्टेशन–I, खैरी द्वारा आस–पास के पंचायतों यथा रूपणी, राजनगर, भनौता, सिमणी व मेल गाँव में सोलर स्ट्रीट लाइट का संस्थापन करके संबंधित ग्राम प्रधान को

हस्तांतरण किया गया। स्ट्रीट लाइट की स्थापना के पश्चयात पंचायत के पदाधिकारियों ने एनएचपीसी को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए भविष्य में भी क्षेत्र के विकास हेतु सहयोग बनाए रखने की उम्मीद की एवं एनएचपीसी को व पावर स्टेशन के महाप्रबंधक (प्रभारी) को शुभ कामनाएँ प्रेषित की। इस कार्य की कुल लागत रु. 5.63 लाख थी ।

सिमणी ग्राम प्रधान को स्ट्रीट लाइट हस्तांतरण

मेल ग्राम उप–प्रधान को स्ट्रीट लाइट हस्तांतरण

लाभार्थियों का विवरणः

सामान्य	एस.सी.	एस.टी.	ओ.बी.सी.	कुल	पुरुष	महिला
4000	300	100	400	4800	2000	2800

स्वच्छ भारत अभियानः

- **सरकारी प्राथमिक विद्यालय, सिमणी, जिला चंबा में शौचालय का नवीकरणः**

सिमणी गांव में राजकीय प्राथमिक पाठशाला में चमेरा पावर स्टेशन–I द्वारा सीएसआर योजना के अंतर्गत शौचालय को रू. 1.29 लाख की लागत से जीर्णोंधार करके बच्चो के उपयोग के लिए पाठशाला को सौपा गया। चमेरा पावर स्टेशन–I अनवरत विद्युत उत्पादन के साथ–साथ अपनी सामाजिक जिम्मेदारी को समझते हुए समय–समय पर सीएसआर के अंतर्गत सामान्य जनहित हेतु विभिन्न कार्य करता रहता है जिससे पावर स्टेशन के आस–पास के क्षेत्रों का सर्वांगीण विकास होता रहे।

चमेरा पावर स्टेशन–I द्वारा सिमणी गांव में राजकीय प्राथमिक पाठशाला के शौचालय का जीर्णोंधार

लाभार्थियों का विवरणः

सामान्य	एस.सी.	एस.टी.	ओ.बी.सी.	कुल	पुरुष	महिला
35	0	0	0	35	17	18

शिक्षाः

- **बाहरी व्यक्तियों के लिए केंद्रीय विद्यालयों/अन्य स्कूलों पर व्यय**

चमेरा पावर स्टेशन–I द्वारा पावर स्टेशन स्थित केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) से संबद्ध केंद्रीय विद्यालय द्वारा एनएचपीसी कार्मिकों के बच्चों के साथ–साथ स्थानीय निवासियों के बच्चों को भी 12वी तक की शिक्षा प्रदान की जाती है। कक्षा 12वीं तक की शिक्षा प्रदान करने वाला क्षेत्र का यह प्रतिष्ठित स्कूल है। इस स्कूल से क्षेत्र में रहने वाले स्थानीय लोगों के बच्चों को अत्यंत लाभ हुआ है। परिणामस्वरूप अब तक हजारों बच्चे पावर स्टेशन द्वारा दी गई शिक्षा सुविधा का लाभ उठा चुके हैं। वित्त वर्ष 2020–21 के दौरान पावर स्टेशन ने स्थानीय बच्चों की केंद्रीय विद्यालय में पढाई के किये कुल रू. 136.58 लाख खर्च किये।

चमेरा पावर स्टेशन–I स्थित केंदीय विद्यालय का दृश्य

लाभार्थियों का विवरणः

सामान्य	एस.सी.	एस.टी.	ओ.बी.सी.	कुल	पुरुष	महिला
231	34	24	09	298	113	185

आपदा प्रबंधन

- **कोविड–19 और अन्य प्रयोजनों के लिए आपात–कालीन गतिविधियांः**

कोरोना वायरस के बढ़ते प्रकोप से बचाव हेतु एनएचपीसी के खैरी स्थित चमेरा पावर स्टेशन–I द्वारा जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, चंबा को कोरोना बचाव सामग्री प्रदान की गई। इस सामग्री को जिला प्रशासन, चंबा द्वारा आमजन में वितरित किया गया, जिससे लोगो को कोविड–19 महामारी से बचाया जा सके। चमेरा पावर स्टेशन–I द्वारा रु. 0.98 लाख के बचाव सामग्री के अंतर्गत 500 मिलीलीटर व 100 मिलीलीटर के कुल 300 हैंड सैनेटाइजर, कुल 2400 थ्री प्लाई व एन 95 मास्क, 150 पीपीई किट, 05 सैनेटाइजर स्टैंड एवं 02 औटोमैटिक सैनेटाइजर डिस्पेंसर प्रदान किए गए। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, चंबा द्वारा चमेरा पावर स्टेशन–I द्वारा प्रदान किए गए इस सहयोग की सराहना की गई है।

जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, चंबा को कोरोना बचाव सामग्री सौपते हुए

लाभार्थियों का विवरणः

सामान्य	एस.सी.	एस.टी.	ओ.बी.सी.	कुल	पुरुष	महिला
800	50	50	100	1000	500	500

11. चमेरा पावर स्टेशन–II

कला एवं संस्कृति

- **ऐतिहासिक चौगान के सौंदर्यीकरण एवं जीर्णोद्धार कार्य**

जिला चम्बा के जोनल अस्पताल के समीप स्थित ऐतिहासिक चौगान के सौंदर्यीकरण एवं जीर्णोद्धार का कार्य चमेरा–II पावर स्टेशन दवारा वर्ष 2020–21 के दौरान रू. 12.02 लाख की लागत से किया गया। इस दौरान चौगान में फुटपाथ का निर्माण, प्लेटफार्म का सौंदर्यीकरण, चौगान के प्रवेश द्वार का जीर्णोद्धार, चौगान की चार दिवारी की रंगाई एवं पुताई तथा चौगान में चम्बा वासियों के लिए गार्डन बैंच की स्थापना की गई।

स्वास्थ्य एवं सफाईः

- **बाहरी लोगों के लिए एनएचपीसी अस्पताल/औषधालय के माध्यम से चिकित्सा व्ययः**

वर्ष 2020–21 के दौरान चमेरा–II पावर स्टेशन द्वारा सीएसआर एवं एसडी के अंतर्गत पावर स्टेशन में स्थित अस्पताल/औषधालय में बाहरी लोगों के चिकित्सीय उपचार में रू. 23.59 लाख खर्च किये गए। इसके अतिरिक्त वित्त वर्ष 2020–21 के दौरान पावर स्टेशन द्वारा केन्द्रीय विद्यालय करियां, राजकीय वरि० माध्यमिक विद्यालय करियां, राजकीय आर्दश प्राथमिक विद्यालय करियां, राजकीय हाई स्कूल गुराड़, वाल आश्रम मैहला के विद्यार्थियों एवं ग्राम पंचायत करियां, ग्राम पंचायत गुराड़, ग्राम पंचायत मैहला, ग्राम पंचायत रजेरा तथा प्रेस क्लब, चम्बा को 4000 एन–95 मास्क, 08 – इंफ्रा रेड –थर्मोमीटर, 08– टच फ्री सैनिटाइजर डिस्पेंसर तथा 800 लीटर – हैंड सैनिटाइजर का वितरण किया गया। इस दौरान विद्यालय के विद्यार्थियों एवं विभिन्न पंचायतों में निवास करने वाले बीपीएल कार्डधारकों ने चमेरा–II पावर स्टेशन को धन्यवाद दिया ।

चमेरा–II व III पावर स्टेशन द्वारा, ग्राम पंचायत करियां के बीपीएल कार्डधारकों व राजकीय वरि० माध्यमिक विद्यालय को कोविड सुरक्षा सामग्री वितरण

चमेरा–II पावर स्टेशन द्वारा विभिन्न विद्यालयों एवं ग्राम पंचायतों के मध्य कोविड–19 सुरक्षा सामग्री वितरण

चमेरा–II व III पावर स्टेशन द्वारा, केन्द्रीय विद्यालय करियां को कोविड–19 सुरक्षा सामग्री वितरण

शिक्षा:

- **बाहरी व्यक्तियों के लिए केंद्रीय विद्यालयों / अन्य स्कूलों में पढ़ाई का खर्च:**

वर्ष 2020–21 के दौरान चमेरा पावर स्टेशन–II द्वारा सीएसआर एवं एसडी के अंतर्गत प्रशासनिक परिसर में स्थित केन्द्रीय विद्यालय पर कुल रू. 2.08 करोड़ की धनराशि कर्मचारियों के बच्चों के अतिरिक्त बाहरी/स्थानीय नागरिकों के बच्चों की शिक्षा के सशक्तिकरण पर खर्च किए गए। इस दौरान उपरोक्त धनराशि से विद्यालय के बुनियादी सुविधाओं को मजबूती प्रदान करते हुए शिक्षा के बेहतर प्रसार के लिए कार्य किया गया।

आपदा प्रबंधन:

- **कोविड –19 के लिए आकस्मिक गतिविधियाँ:**

वर्ष 2020–21 के दौरान चमेरा पावर स्टेशन–II द्वारा ग्राम पंचायत करियां के 40 गरीब व असाहय परिवारों के मध्य राशन वितरण किया गया इस कार्य में रूपये 19540/– का खर्च आया। इसके अतिरिक्त वर्ष 2020–21 के दौरान ही प्राप्त दिशानिर्देशों के अनुसार जिला चम्बा के विभिन्न जनसामुदायिक स्थलों पर कोविड जागरूकता बैनरों का प्रदर्शन तथा पावर स्टेशन परिक्षेत्र में आने वाली विभिन्न पंचायतों में कोविड–19 जागरूकता संबंधी बैनरों/पोस्टरों का प्रर्दशन किया गया जिसके क्रियान्वयन में रू. 70,157/– का खर्च आया।

चमेरा–II पावर स्टेशन दवारा ग्राम पंचायत करियां के गरीब व असहाय परिवारों के मध्य राशन वितरण

चमेरा–II पावर स्टेशन दवारा जिला चम्बा के विभिन्न जनसामुदायिक स्थलों पर कोविड–19 जागरूकता संबंधी बैनरों का प्रर्दशन

12. चमेरा पावर स्टेशन–III :

शिक्षा:

- **राज्य जनजातीय छात्रा हॉस्टल, भरमौर में किचन और डाइनिंग हॉल का नवीकरण:**

चमेरा–III पावर स्टेशन ने पावर स्टेशन के समीप सरकारी स्कूलों/हॉस्टलों के लिए उनकी अवसंरचना सुविधाओं में

सुधार लाने के लिए विभिन्न विकास गतिविधियां कीं। भरमौर में चौरासी मंदिर के समीप स्थित राज्य जनजातीय छात्रा हॉस्टल में कमरों, स्टोर और बेसमेंट में डाइनिंग हॉल तथा किचन में प्राकृतिक रोशनी का अभाव होने के कारण दीवारों में सीलन के चलते काफी खराब हालत हो गई थी और फर्श क्षतिग्रस्त हो गया था। इस जगह की हालत काफी अस्वास्थ्यकर और खराब थी तथा वहां रह रहे लोगों/काम करने वालों के स्वास्थ्य पर अप्रत्यक्ष प्रभाव पड़ रहा था।

अतः अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, भरमौर ने एक प्रस्ताव के साथ पावर स्टेशन से राज्य जनजातीय छात्रा हॉस्टल, भरमौर में किचन एवं डाइनिंग हॉल के नवीकरण के लिए अनुरोध किया।

छात्रा हॉस्टल की इस जगह को रहने योग्य और स्वास्थ्य की दृष्टि से उपयुक्त बनाने के लिए, हॉस्टल में किचन और डाइनिंग हॉल के नवीकरण का कार्य पावर स्टेशन द्वारा सीएसआर पहल के अंतर्गत किया गया। रुपए 5.0 लाख की लागत से टाइल और पेंटिंग कार्य तथा किचन क्षेत्र की मरम्मत आदि कार्य किए गए।

राज्य जनजातीय छात्रा हॉस्टल, भरमौर में किचन और डाइनिंग हॉल का नवीकरण

लाभार्थियों का विवरणः

सामान्य	एससी	एसटी	आबीसी	कुल	महिला
0	0	100	0	100	100

ग्रामीण विकासः

- **छत्राड़ी गांव में स्ट्रीट लाइटों की स्थापनाः**

चमेरा–III पावर स्टेशन हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में स्थित है। समय–समय पर पावर स्टेशन के नजदीकी गांवों में सतत विकास के लिए सीएसआर और एसडी क्रियाकलाप किए गए हैं। ग्राम प्रधान, छत्राड़ी के अनुरोध पर ग्राम छत्राड़ी में सौर स्ट्रीट लाइटें लगाने के लिए, पावर स्टेशन ने ग्राम छत्राड़ी की हर गली में 17 सौर स्ट्रीट लाइट खरीदकर लगाईं ताकि रात के समय अंधेरे और रोशनी उपलब्ध न होने के चलते किसी दुर्घटना से बचा जा सके। इस संस्थापना कार्य से 900 से अधिक स्थानीय निवासी लाभान्वित हुए थे। इस कार्य के लिए 4.34 लाख रुपये का व्यय किया गया।

ग्राम छत्राड़ी में सौर स्ट्रीट लाइट

लाभार्थियों का विवरणः

सामान्य	एससी	एसटी	आबीसी	कुल	महिला
937	39	7	0	983	515

स्वास्थ्य एवं सफाई

- **बाहरी व्यक्तियों के लिए एनएचपीसी अस्पताल/औषधालय पर चिकित्सा व्ययः**

सीएसआर एवं एसडी पहल के अंतर्गत, चमेरा–III पावर स्टेशन, करियाँ परिसर में स्थित अपने औषधालय में नियमित रूप से बाहरी लोगों को निःशुल्क चिकित्सा

परामर्श, दवाइयां और लैब सुविधाएं प्रदान करता है। आस–पास के क्षेत्रों से 2164 से अधिक व्यक्तियों ने निःशुल्क चिकित्सा परामर्श और अन्य सुविधाओं का लाभ लिया है तथा 10.28 लाख रुपये की राशि वित्तीय वर्ष 2020–21 के दौरान इस कार्य के लिए खर्च की गई है।

बाहरी व्यक्तियों को दवाईयों का वितरण

लाभार्थियों का विवरणः

सामान्य	एससी	एसटी	ओबीसी	कुल	महिला
1675	239	146	104	2164	1006

आपदा प्रबंधनः

- **कोविड–19 महामारी के दौरान आकस्मिक क्रियाकलापः**

कोविड–19 महामारी के प्रकोप के बाद, चमेरा–III पावर स्टेशन को अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, भरमौर से एक अनुरोध प्राप्त हुआ, जिसमें भरमौर उप–मंडल के विभिन्न सरकारी कार्यालयों में आने वाले आम लोगों के प्रयोग के लिए सैनिटाइजर के साथ पेडस्टल हैंड सैनिटाइजर डिस्पेंसर प्रदान करने का अनुरोध किया गया था। कोविड महामारी का मुकाबला करने के लिए जिला प्रशासन के अनुरोध और समर्थन के लिए, पावर स्टेशन ने 20 पेडस्टल हैंड सैनिटाइजर डिस्पेंसर और 500 मि.ली. के 20 हैंड सैनिटाइजर प्रदान किए थे। इसके अतिरिक्त, आसपास के क्षेत्र को सैनिटाइज करने के लिए ठेका श्रमिकोंध्स्थानीय लोगों को हैंड सैनिटाइजर और सोडियम हाइपोक्लोराइट भी वितरित किया गया। इस कार्य के लिए कुल 0.97 लाख रुपये की धनराशि खर्च हुई।

जिला प्रशासन को सैनिटाइजर के साथ पेडस्टल हैंड सैनिटाइजर डिस्पेंसर प्रदान करते हुए

लाभार्थियों का विवरणः

सामान्य	एससी	एसटी	ओबीसी	कुल	महिला
177	28	20	29	254	114

पार्बती जलविद्युत परियोजना, चरण–IIः

आपदा प्रबंधनः

- **कोविड महामारी का मुकाबला करने में आंचलिक अस्पताल कुल्लू को वित्तीय सहायताः**

कोविड–19 महामारी का मुकाबला करने के लिए पार्बती जलविद्युत परियोजना, चरण–II, ने माननीय श्री राम स्वरूप शर्मा, संसद सदस्य (मंडी क्षेत्र) की गरिमामयी उपस्थिति में क्षेत्रीय अस्पताल, कुल्लू को सीएसआर एवं एसडी योजना के तहत 10 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की। सीएमओ, कुल्लू के साथ माननीय सांसद ने एनएचपीसी के इस कार्य की सराहना की। सीएमओ, कुल्लू ने बताया कि एनएचपीसी की वित्तीय सहायता का उपयोग कोविड–19 का मुकाबला करने के लिए पीपीई किट, एन–95 मास्क आदि जैसी सभी आवश्यक वस्तुओं की खरीद करने में किया जाएगा।

कोविड–19 का मुकाबला करने के लिए सीएमओ, कुल्लू को 10 लाख रुपये का चेक सौंपते हुए

- **कोविड–19 से निपटने के लिए आकस्मिक गतिविधियां:**

पार्बती जलविद्युत परियोजना चरण–II द्वारा वर्ष 2020–21 मे समय–समय पर कोविड–19 से निपटने के लिए विभिन्न आकस्मिक गतिविधियां की गई जिस पर कुल रुपए 4.89 लाख खर्च हुये। इन गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है–

- **लॉक डाउन/ जनता कर्फ्यू के दौरान गरीबों व जरूरतमन्द लोगों को राशन सामग्री का वितरण एवं क्वारेंटीन सेंटर की स्थापना:**

कोविड–19 संक्रमण एवं विस्तार के कारण सरकार द्वारा अप्रैल 2020 मे लॉक डाउन/जनता कर्फ्यू लगा दिया गया था। इस कर्फ्यू के दौरान एनएचपीसी द्वारा सीएसआर एवं एसडी के तहत स्थानीय निवासियों एवं गरीब व जरूरतमन्द लोगों को मदद के रूप मे परियोजना द्वारा खाद्य सामग्री के पैकेट्स बांटे गए तथा इसके अतिरिक्त परियोजना मे बाहर से आने वाले लोगों के लिए केन्द्रीय विद्यालय, सेंज मे 43 बेड के क्वारंटीन सेंटर की स्थापना की गई एवं स्थानीय लोगों मे मास्क, सैनीटाईजर्स, ग्लोव्स इत्यादि बांटे गए । इस कार्य के लिए रु. 2.85 लाख की धनराशि खर्च की गई ।

पार्बती जल विद्युत् परियोजना चरण–II द्वारा कोविड–19 लॉक डाउन के दौरान स्थानीय लोगों मे खाद्य सामग्री का वितरण

कोविड–19 लॉक डाउन के दौरान केन्द्रीय विद्यालय, सेंज मे 43 बेड के क्वारंटीन सेंटर की स्थापना

- **मनिहार गाँव (गडसा घाटी) मे मास्क एवं सैनीटाइज़र का वितरण एवं निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजनः**

पार्बती जलविद्युत परियोजना, चरण–II के द्वारा सीएसआर एवं एसडी गतिविधि के अंतर्गत दिनांक 29.07.2020 को कुल्लू जिला में गडसा घाटी के सुदूर क्षेत्र में स्थित मनिहार गाँव में निः शुल्क चिकित्सा शिविर का सफलता पूर्वक आयोजन किया गया। इस शिविर में ग्रामीणों एवं स्थानीय निवासियों को कोविड–19 से बचाव हेतु मास्क एवं सैनीटाइज़र का वितरण किया गया। इस शिविर में एनएचपीसी के चिकित्सकों द्वारा ग्रामीणों एवं स्थानीय निवासियों की निः शुल्क स्वास्थ जांच की गई एवं उन्हे आवश्यकतानुसार निः शुल्क दवाईयों का वितरण भी किया गया। इस शिविर में परियोजना के कई अधिकारी एवं मनिहार गाँव के उप प्रधान श्री आलम चन्द भी इस अवसर पर उपस्थित थे। परियोजना के डॉ अमरनाथ के साथ डॉ. ए आर वाटेकर, मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सेवानिवृत्त) ने मनिहार गाँव तथा आस पास के क्षेत्रों से आए लोगो के स्वास्थ्य की जांच की एवं उन्हे आवश्यकता अनुसार दवाईयों का वितरण भी किया।

मनिहार गाँव मे मुफ्त चिकित्सा शिविर में ग्रामीणों की स्वास्थ्य की जांच एवं मास्क/सैनीटाइज़र किट व दवाईयों का वितरण

लाभार्थियों का विवरणः

कुल	एससी	एसटी	ओबीसी	सामान्य	महिला
91	26	4	0	61	42

- **शीला गाँव (मणिकरण घाटी) में मास्क एवं सैनीटाइज़र का वितरण एवं निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजनः**

कोविड महामारी के दौरान परियोजना ने सीएसआर एवं एसडी गतिविधि के अंतर्गत दिनांक 08.02.2021 को कुल्लू जिला के सुदूर क्षेत्र में स्थित शीला गाँव (मणिकरण घाटी) में भी निःशुल्क चिकित्सा शिविर का सफलता पूर्वक आयोजन किया गया। इस शिविर में ग्रामीणों एवं स्थानीय निवासियों को कोविड– 19 से बचाव हेतु थर्मल स्कैनिंग की गई एवं मास्क एवं सैनीटाइज़र का वितरण किया गया।

इस शिविर में एनएचपीसी के चिकित्सकों द्वारा ग्रामीणों एवं स्थानीय निवासियों की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच की गई एवं उन्हे आवश्यकतानुसार निःशुल्क दवाईयों का वितरण भी किया गया। शिविर में परियोजना के चिकित्सकों के अलावा शीला गाँव की वार्ड सदस्या श्रीमती शांता देवी भी इस अवसर पर उपस्थित थी। एन एच पी सी के चिकित्सकों द्वारा शीला गाँव से आए लोगो के स्वास्थ्य की जांच की गयी एवं उन्हे आवश्यकता अनुसार दवाईयों का वितरण भी किया गया।

स्थानीय शीला गाँव मे मुफ्त चिकित्सा शिविर में ग्रामीणों की स्वास्थ्य की जांच एवं मास्क/सैनीटाइज़र की किट व दवाईयों का वितरण

लाभार्थियों का विवरणः

कुल	एससी	एसटी	ओबीसी	सामान्य	महिला
102	9	0	0	93	64

- **हिमाचल पुलिस, कुल्लू को हैंड सैनीटाइज़र का वितरणः**

परियोजना की तरफ से पुलिस उपाधीक्षक, जिला कुल्लू को ड्यूटी में तैनात स्थानीय पुलिसकर्मियों को कोविड–19 से बचाव एवं रोकथाम हेतु दिनांक 12.03.2021 को 410 नंबर हैंड सैनीटाइज़र प्रदान किए गीए।

स्थानीय प्रशासन,मंडी को मास्क एवं हैंड सैनीटाइज़र प्रदान करते

ग्रामीण विकासः

- **आदर्श ग्राम योजना के तहत ओल्ड मनाली का विकासः**

पार्बती जलविद्युत परियोजना, चरण–II की सीएसआर पहल के जरिए 'आदर्श ग्राम योजना' (एसएजीवाई) स्कीम के तहत ओल्ड मनाली के विकास के लिए जिला प्रशासन द्वारा अनुरोध किया गया था। ''आदर्श ग्राम योजना'' स्कीम में चार कार्य जैसे कि स्वागत गेट का निर्माण, सामुदायिक केंद्र का निर्माण, पेयजल आपूर्ति और सीवरेज प्रणाली का निर्माण शामिल हैं। ये विकासात्मक कार्य ओल्ड मनाली के स्थानीय समुदाय/लोगों के कल्याण से सीधे जुड़े थे। इन क्रियाकलापों के लिए एचपीपीडब्ल्यूडी, ग्रामीण विकास विभाग (आरडीडी) और आई एंड पीएच जैसी सरकारी एजेंसियों के साथ समझौता ज्ञापन के जरिए 42.0 लाख रुपये की धनराशि अनुमोदित की गई है। लागत और कार्य का ब्यौरा इस प्रकार हैः

क्रम सं.	कार्य का नाम	लागत (लाख में)	एजेंसी
1.	स्वागत गेट, ओल्ड मनाली	10.42	एचपीपीडब्ल्यूडी
2.	समुदाय हॉल, जोगता, ओल्ड मनाली	2.35	आरडीडी

3.	गांव बरेथा, ओल्ड मनाली में पेयजल आपूर्ति	9.35	आईएंडपीएच
4.	गांव ढुंगरी, ओल्ड मनाली में सीवरेज की सुविधा	18.78	आईएंडपीएच

यह कार्य वित्तीय वर्ष 2019–20 में शुरू किया गया था और वित्तीय वर्ष 2020–21 में पूरा किया गया। वित्तीय वर्ष 2020–21 के दौरान, शेष कार्यों पर 27.60 लाख रुपये का व्यय किया गया था, ओल्ड मनाली के बड़ी संख्या में निवासियों को इस पहल के जरिए काफी लाभ हुआ है।

सामुदायिक हॉल, जोगता, ओल्ड मनाली का निर्माण

छोले नाला स्रोत से पेयजल पाइप लाइन

ग्राम पंचायत मनाली में ग्राम ढुंगरी को सीवरेज सुविधा प्रदान करना

स्वागत गेट, ओल्ड मनाली का निर्माण

स्वास्थ्य एवं सफाई:

- **कोविड–19 के लिए कोल्ड चेन उपकरण (सीसीई) अवसंचना आदि का संवर्धन.**

कोल्ड चेन उपकरण (सीसीई) अवसंरचना के संवर्धन के जरिए कोविड–19 टीकाकरण कार्यक्रम के वित्तपोषण के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की सहायता जुटाने के लिए भारत सरकार की पहलों के अनुसरण में, कुछ कोल्ड चेन उपकरण (सीसीई) की खरीद पार्बती जलविद्युत परियोजना स्टेज–II द्वारा की गई और हिमाचल प्रदेश सरकार को सौंपे गए। कोल्ड चेन उपकरण का वितरण संबंधित सीएमओ को राज्य कोल्ड चेन अधिकारी, एससीसीओ, हिमाचल प्रदेश सरकार और परियोजना नोडल अधिकारी के समग्र पर्यवेक्षण में किया गया था।

क्रम सं	कंसाइनी का नाम	आईएलआर (छोटे)	आईएलआर (बड़े)	डीएफ (छोटे)	डीएफ (बड़े)	वॉक इन फ्रीजर	वॉक इन कूलर
1	सीएमओ चंबा	8	2	5	2		
2	सीएमओ कांगड़ा/धर्मशाला	5	7	4	5	1	1
3	सीएमओ शिमला	4	0	0	10		
4	सीएमओ सोलन	4	0	1	0		
5	सीएमओ ऊना	2	3	0	3		
	कुल	**23**	**12**	**10**	**20**	**1**	**1**

सीएसआर एवं एसडी योजना के तहत पार्बती जलविद्युत परियोजना चरण–II द्वारा 82.28 लाख रुपये की राशि के उपर्युक्त 67 उपकरण विभिन्न स्थानों को सफलतापूर्वक प्रदान किए गए हैं। स्थानीय लोगों को इसका बहुत लाभ मिला है क्योंकि कोविड–19 टीकाकरण कार्यक्रम को इन उपकरणों का उपयोग करके आयोजित किया जाता है।

- **छोटे और बड़े आइस लाइन रेफ्रिजरेटर (आई एलआर) का वितरणः –**

आईएलआर (छोटे), चंबा

आईएलआर (बड़े), आरएच ऊना

- **छोटे और बड़े डीप फ्रीजर का वितरणः**

छोटे डीप फ्रीजर, सोलन

बड़े डीप फ्रीजर, शिमला

- **वॉक–इन–फ्रीजर का वितरणः**

वॉक–इन–फ्रीजर, शिमला

- **कुल्लू के प्रतिष्ठित लक्ष्मी आई सेंटर मे आंखों की निःशुल्क शल्य चिकित्सा शिविर का आयोजनः**

पार्वती जल विद्युत परियोजना, चरण–II के कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व एवं सतत विकास (सीएसआर – एसडी) कार्यक्रम के अंतर्गत कुल्लू जिले के प्रतिष्ठित लक्ष्मी आई सेंटर के सहयोग से शल्य चिकित्सा कैंप का आयोजन दिनांक 30/03/2021 को किया गया। परियोजना ने इस सीएसआर गतिविधि के लिए रु. 0.54 लाख खर्च किए। इस कार्यक्रम मे परियोजना प्रभावित क्षेत्र के शीला गाँव (मणिकरण घाटी) के 15 मरीज़ के आंखो का निशुल्क जांच की गयी जिसमे से पाँच मरीज़ मोतियाबिंद से पीड़ित पाये गए जिनकी आंखों की फेको शल्य चिकित्सा प्रसिद्ध स्थानीय नेत्र चिकित्सक डॉ रवि एन मतानी (सर्जन), लक्ष्मी आई सेंटर कुल्लू द्वारा कराई गयी। इन मरीजो को 8 फरवरी 2021 मे शीला गाँव मे आयोजित निःशुल्क चिकित्सा शिविर मे चिन्हित किया गया था।

परियोजना प्रभावित स्थानीय निवासियों की आँखों की निः शुल्क शल्य चिकित्सा शिविर

लाभार्थियों का विवरणः

कुल	एससी	एसटी	ओबीसी	सामान्य	महिला
5	0	0	0	5	3

14. पार्बती III पावर स्टेशन

पावर स्टेशन द्वारा वर्ष 2020–21 के दौरान सीएसआर एंड एसडी योजना के अंतर्गत अनुमोदित गतिविधियों के लिए उपलब्ध बजट के अनुसार 15.29 लाख रूपये के विभिन्न कार्य किये गए हैं। जिसमे सैन्ज क्षेत्र के बच्चों को उनकी उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृति प्रदान करना, आसपास के स्कूलों में शौचालय का निर्माण व रिपेयर, बच्चों के खेल के मैदान के संरक्षण के लिए रेलिंग, आस–पास की पंचायतों को कोविड 19 से बचाव हेतु छिड़काव दवाई, मास्क, ग्लव्स, हैन्डसफ्री सेनेटाईजर, अन्य चिकित्सा सेवाएं प्रदान करना इत्यादि शामिल हैं। इनमें से निम्नानुसार कुछ गतिविधियों का प्रचार प्रसार कार्यक्रम आयोजित कर के भी किया गया।

शिक्षा एवं कौशल विकासः

- **सैनेटरी पैड नैपकिन वेंडिंग मशीन और सैनेटरी पैड नैपकिन इन्सिनेर्टर प्रदानः**

पार्बती–III पावर स्टेशन ने सीएसआर एवं एसडी योजना के तहत नयी शुरुआत करते हुये राजकीय महाविद्यालय, सैन्ज और सीनियर सेकेन्डरी स्कूल, सैन्ज में पढ़ने वाली लगभग 550 छात्राओं के लिए उनके स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुये एक सैनेटरी पैड नैपकिन वेंडिंग मशीन और सैनेटरी पैड नैपकिन इन्सिनेर्टर प्रदान किया गया । वेंडिंग मशीन से बहुत ही कम दर मात्र रु 2 से रु 5 तक के निर्धारित मूल्य पर एक सेनेटरी पैड नैपकिन प्राप्त किया जाता है तथा प्रयोग के बाद इसके उचित निस्तारण हेतु एक इन्सिनेरेटर मशीन भी है जिससे स्वच्छता रखने में बहुत सहायता मिलती है। इस गतिविधि से ना सिर्फ छात्राओं को अपने "हेल्थ व हाईजन" को अच्छा रखने में सहयोग मिलता है बल्कि इस संदेश के माध्यम से समाज में भी इसके प्रति जागरूकता आती है। पावर स्टेशन की इस पहल से बहुत सी छात्राएं लाभान्वित हुई हैं।

लाभार्थियों का विवरणः–

कुल	एससी	एसटी	ओबीसी	सामान्य	महिला
413	158	94	212	36	550

सैनेटरी पैड नैपकिन वेंडिंग मशीन और सैनेटरी पैड नैपकिन इन्सिनेर्टर

- **प्राथमिक पाठशाला, कड़ाहिल के छात्रों के लिए एलईडी स्मार्ट स्क्रीनः**

पावर स्टेशन ने अपनी सामाजिक प्रतिबद्धता को निभाते हुए बच्चों की शिक्षा में गुणात्मक परिवर्तन लाने के उदेश्य से राजकीय प्राथमिक पाठशाला, कड़ाहिल, तहसील बंजार की मुख्य अध्यापिका श्रीमती चंद्रकला ठाकुर को 32 इंच की स्मार्ट स्क्रीन प्रदान की। तकनीक और इलेक्ट्रॉनिकी के इस दौर में सीएसआर योजना के तहत पावर स्टेशन द्वारा यह छोटा सा प्रयास निश्चय ही पाठशाला के बच्चों की शिक्षा में मील का पत्थर साबित होगा। श्रीमती चंद्रकला ठाकुर ने पावर स्टेशन के इस प्रयास के लिए एनएचपीसी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए विश्वास जताया कि एलईडी के माध्यम से विद्यालय के छात्र अवश्य ही लाभान्वित होंगे।

प्राथमिक पाठशाला, कड़ाहिल को एलईडी स्मार्ट स्क्रीन प्रदान करते हुए

- **पार्बती–III पावर स्टेशन द्वारा छात्रों को छात्रवृति वितरणः**

पार्बती–III पावर स्टेशन ने एनएचपीसी स्कॉलरशिप अवार्ड स्कीम के अंतर्गत सैंज क्षेत्र के 22 छात्रों को उच्च शिक्षा तथा उनके उज्जवल भविष्य के लिए 5,28,000 रुपये की छात्रवृत्ति वितरित की। इसके साथ ही पावर स्टेशन द्वारा लगभग रु. 4.56 लाख की लागत से विभिन्न स्कूलों में शौचालयों की मरम्मत, नए शौचालयों का निर्माण व प्रोटेक्शन रेलिंग कार्यों से भी शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास हुआ है। इससे लगभग प्रत्येक वर्ष 1500 छात्रों को लाभ मिला तथा उक्त स्कूलो के वार्षिक परिणाम में भी काफी सुधार हुआ है।

लाभार्थियों का विवरणः–

कुल	एससी	एसटी	ओबीसी	सामान्य	महिला
22	15	07	00	00	17

छात्रवृत्ति वितरण समारोह

आपदा प्रबंधन

- **एसडीएम तथा डीएसपी कार्यालय, बंजार में कोविड–19 से बचाव हेतु दवाई छिड़काव कार्यः**

कोविड महामारी के दौरान पावर स्टेशन प्रबंधन सदैव स्थानीय प्रशासन और आम जनता के साथ खड़ा रहा और मुश्किल से मुश्किल समय में भी स्थानीय प्रशासन को हर सुविधा मुहैया करवाई। इसी उद्देश्य के तहत कार्य करते हुए तथा सामाजिक उत्तरदायित्व को निभाते हुये एसडीएम कार्यालय, बंजार तथा इसके आस–पास के क्षेत्रों में "कोविड–19" से बचाव हेतु स्प्रे मशीनें, छिड़काव दवाई, मास्क, ग्लव्स, सेनेटाईजर, हैन्ड्सफ्री सेनेटाइजर स्टैंड, पीपीई किट आदि का वितरण किया। इसके अतिरिक्त पावर स्टेशन ने डीएसपी कार्यालय, बंजार को तथा इसके आस–पास के क्षेत्रों में भी "कोविड–19" से बचाव हेतु स्प्रे मशीनें, छिड़काव दवाई, मास्क, ग्लव्स, सेनेटाईजर, हैन्ड्सफ्री सेनेटाइजर स्टैंड, पीपीई किट आदि का वितरण किया।

डीएसपी कार्यालय, बंजार को "कोविड–19" से बचाव हेतु सुरक्षा सामग्री प्रदान करते हुए

- **बनोगी और रैला पंचायत एवं कोरोना वॉरियर मीडिया कर्मियों को कोविड–19 से बचाव हेतु सुरक्षा सामग्री वितरणः**

पार्बती–III पावर स्टेशन ने अपने सामाजिक उत्तरदायित्व को निभाते हुये रैला, बनोगी पंचायत एवं कोरोना वारियर्स व् मीडिया कर्मियों को "कोविड" से बचाव हेतु स्प्रे मशीन से दवाई का छिड़काव, मास्क, ग्लव्स, सेनेटाईजर, हैन्डसफ्री सेनेटाइजर स्टैंड, पीपीई किट आदि का वितरण किया।

कोविड से बचाव हेतु सुरक्षा सामग्री वितरण

15. धौलीगंगा पावर स्टेशन

शिक्षाः

- **बाँध के निकट राजकीय इंटर कॉलेज में ओडिटोरियम का निर्माण :**

धौलीगंगा पावर स्टेशन के बांध स्थल, छिरकीला के समीपवर्ती ग्राम खेला में प्रदेश सरकार द्वारा एक इंटर कालेज स्थापित है। पावर स्टेशन के सम्पूर्ण जलग्रह (catchment) क्षेत्र व दारमा घाटी में स्थापित यह एक मात्र इंटर कॉलेज है। वर्तमान में इस कॉलेज में पूरी घाटी के दुर्गम क्षेत्र में स्थित गाँवों के निर्धन/ मध्यमवर्गीय परिवारों के कुल 154 छात्र/ छात्राएं अध्ययनरत है। विगत वर्ष 2013 में उत्तराखंड में आई प्राकृतिक आपदा में इस कॉलेज की तीन इमारतें क्षतिग्रस्त हो गई थी। कक्षाओं के लिए कमरों की कमी होने से पठन–पाठन के कार्य में असुविधा होने लगी जिससे इन ग्रामों से पलायन कर लोग आस–पास के कस्बों में जाने को बाध्य हो गए। आपदाग्रस्त इस कॉलेज में स्थान की भी कमी होने के कारण कॉलेज प्रशासन द्वारा एनएचपीसी से एक ओडिटोरियम निर्माण का अनुरोध किया गया ताकि बच्चों को सामूहिक रूप से भी पढ़ाया जा सके। कार्य के महत्व व आवश्यकता को देखते हुए एनएचपीसी द्वारा ऑडिटोरियम निर्माण का कार्य किया जा रहा है। इस कार्य से जहां इस वर्ष के 154 बच्चों को लाभ होगा वहीं कार्य के जीवन पर्यन्त तक 7700 से अधिक बच्चे लाभान्वित होंगे साथ ही ग्रामों से पलायन भी रुक पाएगा। यह कार्य संबंधित क्षेत्र के सामाजिक एवं आर्थिक विकास में भी लाभकारी सिद्ध होगा। अभी तक इस कार्य में कुल 6.09 लाख रुपये की लागत आई है। कार्य अभी प्रगतिशील है और वित्त वर्ष 2020–21 में पूर्ण न होने के कारण, इसे वर्ष 2021–22 में पूरा किया जाना सुनिश्चित किया गया है । इस कार्य के लाभार्थियों का विवरण निम्न सारणी में दर्शाया गया है:–

लाभार्थियों का विवरणः

कुल	एससी	एसटी	ओबीसी	सामान्य	महिला
154	44	4	77	29	78

ग्राम खेला के राजकीय इंटर कॉलेज में ओडिटोरियम निर्माण

- **केंद्रीय विद्यालय में बाहरी व्यक्तियों के लिए अन्य स्कूलों पर व्ययः**

धौलीगंगा पावर स्टेशन द्वारा अपने सामाजिक उत्तरदायित्व के निर्वहन तथा सामाजिक उत्थान हेतु वर्ष 1998 में पावर स्टेशन के निगालपानी परिसर में केंद्रीय विद्यालय की स्थापना की गयी। विद्यालय में बाहरी/स्थानीय बच्चों की पढाई पर होने वाला खर्च सीएसआर के अंतर्गत बुक किया जाता है। वर्ष 2020–21 के दौरान रु. 205.57 लाख की धनराशि स्थानीय बच्चों की शिक्षा में खर्च किया गया । उक्त खर्च धारचूला क्षेत्र के लोगों के सामाजिक एवं आर्थिक विकास में लाभकारी सिद्ध होगा। इस कार्य से लाभान्वित हुए विद्यार्थियों का विवरण निम्न सारणी में दर्शाया गया है:–

लाभार्थियों का विवरण

कुल	एससी	एसटी	ओबीसी	सामान्य	महिला
535	138	127	127	143	149

स्वास्थ्य एवं सफाईः

- **धौलीगंगा पावर स्टेशन द्वारा भारत–तिब्बत–चीन सीमांत क्षेत्र के गांवों में चिकित्सा शिविरों का आयोजनः**

तहसील धारचूला के सीमांत क्षेत्र व्यास घाटी के अत्यंत दुर्गम एवं सुदूरवर्ती ग्रामों के ग्रामीणों की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को देखते हुए धौलीगंगा पावर स्टेशन की टीम द्वारा व्यास घाटी के सीमांत ग्रामों नाबी, रोंगकोंग, गर्ब्यांग एवं कुट्टी आदि के निवासियों के स्वास्थ्य लाभ हेतु चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया गया। ये गांव भारत–तिब्बत/चीन सीमा पर व्यास घाटी में बसे भारतवर्ष के सबसे अंतिम गांव हैं और इसके आगे कोई आबादी नहीं है एवं इन गाँवों के आस–पास कोई भी चिकित्सालय या औषधि केंद्र नहीं है। कैलाश–मानसरोवर यात्रा मार्ग पर व्यास घाटी में स्थित इस अत्यंत दुर्गम एवं सीमांत क्षेत्र में निशुल्क चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया जाना स्वयं में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है एवं अपने सामाजिक दायित्वों के निर्वहन के प्रति एनएचपीसी लिमिटेड की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

कोविड–19 के कारण उत्पन्न विषम परिस्थितियों को देखते हुए धारचूला तहसील के सुदूरवर्ती ग्रामों के ग्रामीण अपने स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के लिए धारचूला स्थित राजकीय चिकित्सालय तक नहीं पहुंच पा रहे हैं क्योंकि इन सुदूर ग्रामों के दुर्गम मार्गों पर वाहनों का आवागमन बर्फबारी, खराब मौसम तथा सड़कों की स्थिति ठीक नहीं होने के कारण अधिकांशतः बंद ही रहता है। इन क्षेत्रों में नेटवर्क/टेलीफोन की कोई सुविधा नहीं है एवं इन क्षेत्रों के ग्रामीण अभी भी मूलभूत आवश्यकताओं की कमी से जूझ रहे हैं।

धौलीगंगा पावर स्टेशन के चिकित्सकों द्वारा दिनांक 07 सितंबर, 2020 को भारत–तिब्बत–चीन सीमा पर भारतवर्ष के अंतिम गाँव "कुट्टी" में 128 ग्रामीणों को चिकित्सा जाँच कर दवाईयाँ वितरित की गईं। कुट्टी गांव से 16 किमी आगे आदि कैलाश के पास आईटीबीपी कैंप, जोंगलिंगकोंग तक के ग्रामीणों को एनएचपीसी चिकित्सकों द्वारा दवाइयाँ वितरित की गईं। दिनांक 08 सितंबर को "नाबी" गाँव में 70 ग्रामीणों को तथा "रोंगकोंग" गांव में 106 ग्रामीणों को चिकित्सा जाँच के उपरांत दवाईयाँ वितरित की गईं। दिनांक 09 सितंबर को "गर्ब्यांग" गांव में 74 ग्रामीणों को चिकित्सीय परीक्षण के उपरांत निशुल्क दवाईयाँ वितरित की गईं। एनएचपीसी के चिकित्सकों द्वारा वृद्ध एवं चलने–फिरने में अक्षम लोगों के घरों में जाकर भी चिकित्सा जाँच कर दवाईयाँ वितरित की गईं। पावर स्टेशन के चिकित्सकों द्वारा "बोंगलिंग" में 170 तथा "सेला गांव" में 65 ग्रामीणों को चिकित्सीय जाँच के उपरांत निशुल्क दवाईयाँ वितरित की गईं। उपरोक्त कार्य के क्रियान्वयन में रु. 3.47 लाख का खर्च वहन किया गया।

इस कार्य से लाभान्वित हुए व्यक्तियों का विवरण निम्न सारणी में दर्शाया गया है: –

लाभार्थियों का विवरण

कुल	एससी	एसटी	ओबीसी	सामान्य	महिला
3000	450	125	570	1855	942

भारत–तिब्बत–चीन सीमांत क्षेत्र के गांवों में चिकित्सा शिविरों का आयोजन

प्राइम न्यूज, 10.09.2020

अमर उजाला, पृष्ठ सं. 05
दिनांक 11.09.2020

एनएचपीसी ने भारत के अंतिम गांव कुटी में लगाया स्वास्थ्य शिविर

हिंदुस्तान, पृष्ठ सं. 06
दिनांक 11.09.2020

एनएचपीसी ने कुटी गांव में लगाया स्वास्थ्य शिविर

- **एनएचपीसी चिकित्सालय में बाहरी मरीजों का उपचार:**

धौलीगंगा पावर स्टेशन द्वारा अपने सामाजिक उत्तरदायित्व के निर्वहन हेतु स्थानीय व्यक्तियों को स्वास्थ्य के क्षेत्र में लाभ पहुंचाने तथा चिकित्सा उपलब्ध करवाने हेतु पावर स्टेशन के निगालपानी परिसर में स्थापित चिकित्सालय में मुफ्त चिकित्सा एवं चिकित्सीय परामर्श उपलब्ध करवाया जाता रहा है। इस पर होने वाले खर्च को सीएसआर के अंतर्गत वहन किया जाता है। वर्ष 2020–21 में उक्त मद में कुल 4.41 लाख खर्च हुआ है । इस कार्य के अंतर्गत वर्ष 2020–21 में लगभग 4500 मरीजों को लाभ मिला। उक्त खर्च धारचूला क्षेत्र के लोगों के सामाजिक एवं आर्थिक विकास में लाभकारी सिद्ध होगा।

ग्रामीण विकास:

- **खेला गांव के तोक चेतकला में अंबेडकर भवन का निर्माण:**

तोक चेतकला, गाँव खेला के अंतर्गत आने वाला एक दलित समुदाय प्रधान गाँव है। इस गाँव में 184 एससी व 26 ओबीसी श्रेणी के ग्रामीण निवास करते है। सड़क मार्ग से दूर स्थित होने के कारण इस गाँव के ग्रामीणों को समय–समय पर होने वाले विभिन्न आयोजन जैसे ग्राम विकास तथा समस्याओं पर चर्चा एवं मिलन समारोह इत्यादि के लिए खुले स्थानों में व्यवस्था करनी होती थी। अतः गाँव में अंबेडकर भवन के निर्माण की आवश्यकता महसूस करते हुए ग्रामीणों ने अपनी भूमि ग्राम सभा को दान में दे दी व प्रशासन के माध्यम से एनएचपीसी से अंबेडकर भवन के निर्माण के लिए अनुरोध किया । इन आर्थिक रूप से कमजोर दलित समुदाय के सामूहिक, सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान के लिए अंबेडकर भवन की आवश्यकता महसूस करते हुए पावर स्टेशन ने अंबेडकर भवन का निर्माण किया है। इस कार्य में कुल 8.80 लाख रुपये की लागत आएगी एवं वर्तमान आबादी के अनुसार 210 ग्रामीण लाभान्वित होंगे।

लाभार्थियों का विवरण

कुल	एससी	एसटी	ओबीसी	सामान्य	महिला
210	184	0	26	0	112

(खेला गांव के तोक चेतकला में अंबेडकर भवन का निर्माण कार्य)

ग्राम चल (नया बस्ती), नौलदेव (गलाती) में सामूहिक शौचालयों का निर्माण

स्वच्छ भारत अभियानः

- **ग्राम चल (नया बस्ती), नौलदेव (गलाती), दुग्तु, स्यांकुरी, इशू (जुम्मा), रांथी एवं कालिका में सामूहिक शौचालयों का निर्माणः**

ग्राम पंचायतों के अनुरोध एवं स्थानीय प्रशासन की अनुशंसा पर आवश्यकता के आधार पर उपरोक्त ग्रामों सुलभ स्थल अथवा ग्राम पंचायत भवन की भूमि पर पावर स्टेशन द्वारा सामूहिक शौचालयों का निर्माण किया गया। शौचालयों की स्वच्छता को बनाए रखने के लिए पावर स्टेशन द्वारा पानी की भी समुचित व्यवस्था सुनिष्चित की गई। इन शौचालयों के निर्माण से स्थानीय लोगों के सामाजिक उत्थान में लाभ हुआ है और वर्तमान में उपरोक्त ग्रामों के 1041 ग्रामीण लाभान्वित हो रहे हैं । इस कार्य में कुल 3.27 लाख रुपये की लागत आई है। इस कार्य से लाभान्वित होने वाले लोगों का विवरण निम्नवत है:–

लाभार्थियों का विवरण

कुल	एससी	एसटी	ओबीसी	सामान्य	महिला
1041	254	356	291	140	465

रांथी एवं कालिका में सामूहिक शौचालयों का निर्माण

आपदा प्रबन्धनः

- **कोविड–19 के लिए आकस्मिक गतिविधियाँ – संगरोध केंद्र की स्थापना, कोविड–19 से निपटने हेतु संयुक्त चिकित्सा केंद्र धारचूला को मेडिकल किट वितरणः**

कोविड –19 महामारी से निपटने एवं सुरक्षात्मक उपायों को अपनाकर कोरोना वायरस से बचाव के लिए जिला प्रशासन के अनुरोध पर एनएचपीसी लिमिटेड के धौलीगंगा पावर स्टेशन द्वारा अपने सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए संयुक्त चिकित्सा केंद्र, धारचूला को पीपीई किट, हैंड सैनिटाइजर, एन–95 फेस मास्क, 3 प्लाई फेस मास्क, डिस्पोजेबल हैंड ग्लव्ज, डिस्पोजेबल हैड कैप, डिस्पोजेबल शू–कवर आदि प्रदान किया। इसके अतिरिक्त निगालपानी स्थित केंद्रीय विद्यालय में 50 बैड का क्वारन्टाइन सेंटर स्थापित कर कोविड–19 के मरीजों को स्वास्थ्य क्षेत्र में हर तरह की चिकित्सीय सुविधा प्रदान की गई ।

धौलीगंगा पावर स्टेशन द्वारा सीएचसी, धारचूला को कोविड–19 से संबन्धित सामग्री वितरण

16. टनकपुर पावर स्टेशन

आपदा प्रबंधनः

- **कोविड–19 और अन्य प्रयोजनों के लिए आकस्मिक क्रियाकलाप**

टनकपुर पावर स्टेशन ने कोविड–19 महामारी के दौरान आस–पास के गांवों के स्थानीय निवासियों तक पहुंचने के लिए बहुत ही सक्रिय रहा है। पावर स्टेशन ने ग्रामीणों को जागरूक करने के लिए जागरूकता कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया है और कोविड–19 के खिलाफ लड़ाई के लिए आवश्यक चिकित्सा सामग्री वितरित की है। वित्तीय वर्ष 2020–21 के दौरान, पावर स्टेशन द्वारा आवश्यक चिकित्सा सामग्री के वितरण के साथ–साथ जागरूकता कार्यक्रम के आयोजन के लिए 1.50 लाख रुपये का व्यय किया गया था।

जागरूकता शिविर के दौरान आवश्यक वस्तुओं का वितरण

स्वास्थ्य एवं सफाईः

परियोजना चिकित्सा विभाग के कर्मचारियों की मदद से ग्राम थपलियाल खेड़ा (नेपाल और टनकपुर की सीमा पर), फागपुर, केनाल कॉलोनी, आंगनवाड़ी केंद्र और मीना बाजार सहित पावर स्टेशन के दूर–दराज के क्षेत्रों में कुल 05 शिविरों का आयोजन किया गया था। इन शिविरों के दौरान, कोविड–19 महामारी के खिलाफ लड़ाई के लिए फ्रंटलाइन वर्कर और स्वयंसेवकों, स्कूली बच्चों और ग्रामीणों को मास्क, सैनिटाइजर एवं इम्युनिटी बूस्टर प्रदान किए गए। लगभग 850 लाभार्थियों ने इस पहल का लाभ उठाया है।

इसके अतिरिकत, टनकपुर पावर स्टेशन ने दिनांक 19.01.2021, 30.03.2021 और 07.11.2020 को क्रमशः दो निःशुल्क चिकित्सा शिविर और एक रक्तदान शिविर भी आयोजित किया है। सरकारी प्राथमिक विद्यालय, सिनिगोट तथा थपलियाल खेड़ा गांव में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। कुल 45 रक्तदाताओं ने टनकपुर पावर स्टेशन में आयोजित रक्तदान शिविर में भाग लिया था।

शिक्षाः

परियोजना स्थल में और उसके आसपास शिक्षा सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए, टनकपुर पावर स्टेशन के अंतर्गत केन्द्रीय विद्यालय सं. 2, बनबसा ने शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वित्तीय वर्ष 2020–21 के दौरान, 559 बच्चों को पंजीकृत किया गया है, जिनमें 79% छात्र स्थानीय क्षेत्रों से संबंधित थे और 21% छात्र एनएचपीसी के आश्रित थे। पावर स्टेशन ने विशेष रूप से स्थानीय निवासियों के बच्चों को गुणवत्तापरक शिक्षा प्रदान करने के लिए इस स्कूल पर पर्याप्त व्यय किया था।

केंद्रीय विद्यालय के विद्यार्थी

स्वच्छ भारत अभियानः

स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत, टनकपुर पावर स्टेशन ने 5.0 लाख रुपये का व्यय करके राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, चिनीगोठ में 02 शौचालयों और राजकीय महाविद्यालय में 02 महिला शौचालयों का निर्माण किया है।

राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, चिनीघोटा में शौचालयों का निर्माण

17. क्षेत्रीय कार्यालय सिलीगुड़ी

आपदा प्रबंधनः

- **कोविड–19 लॉकडाउन के दौरान खाद्य व व्यक्तिगत सुरक्षा सामानों का वितरणः**

एनएचपीसी क्षेत्रीय कार्यालय, सिलीगुड़ी प्रबंधन ने स्थानीय प्रशासन एवं स्थानीय ग्राम पंचायतों के सहयोग से सिलीगुड़ी में कोविड–19 महामारी को नियंत्रित करने के लिए दिनांक 28 मार्च 2020 से विभिन्न जगहों पर जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान में कोविड –19 से बचने के तौर तरीके से लोगों को अवगत कराया, इस कार्यक्रम में पंचायत कार्यालय में सीमित संख्या में स्थानीय लोगों के साथ–साथ प्रधान एवं मुखिया भी शामिल हुए। इस जागरूकता कार्यक्रम के पश्चात उपस्थित प्रधान व विभिन्न गाँव के मुखिया के बीच व्यक्तिगत सुरक्षा सामानों जैसे मास्क, सैनीटाइजर, हैंड वॉश का वितरण किया गया ।

एनएचपीसी ने 28 मार्च 2020 से 17 मई 2020 तक विभिन्न स्थानों पर जरूरतमंद लोगों को भोजन उपलब्ध कराने के लिए अभियान शुरू किया गया जिसमे एनजेपी स्टेशन, अमाईदिघी प्राथमिक विध्यालय, नूतनपाड़ा चाय बगान, पुट्टिमारी और कालीबाड़ी मंदिर इलाक़ों मे प्रतिदिन 200–250 जरूरतमंद लोगों को भोजन उपलब्ध कराया गया। यह भोजन हमारे सिलीगुड़ी अतिथि गृह के इन–हाउस किचन में उचित स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए बनाया गया। इस कार्य के लिए क्षेत्रीय कार्यालय, सिलीगुड़ी ने रु. 3.29 लाख का खर्च सी एस आर के तहत वहन किया।

एनजेपी रेलवे स्टेशन पर कार्यपालक निदेशक महोदय द्वारा खाद्य वितरण

कोविड कैंप, अमाइदुघी प्राइमरी स्कूल, फुलबाड़ी II में भोजन का वितरण

शिक्षाः

- **डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देने हेतु स्कूलों में डेस्कटॉप कम्प्युटरों का वितरणः**

आज की शिक्षा में कम्प्युटर का महत्व काफी बढ़ चुका है इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए क्षेत्रीय कार्यालय, सिलीगुड़ी द्वारा दिनांक 03.11.2020 को एनएचपीसी की सीएसआर व एसडी गतिविधियों के अंतर्गत जलपाईगुडी जिले के विभिन्न स्कूलों में कुल रु. 3. 37 लाख की लागत से 10 कम्प्युटरों का वितरण किया गया। इन 10 कम्प्युटरों में से बहादुर मुन्ना हैप्पी होम हाई स्कूल को 06, लाल बाजार पाड़ा जूनियर हाई स्कूल को 02 तथा सोवगंज गर्ल्स हाई स्कूल को 02 कम्प्युटर दिए गए है। इन गतिविधियों के माध्यम से डिजिटल साक्षरता में भी बढ़ोत्तरी होगी और डिजिटल इंडिया का सपना भी साकार होगा। इससे न केवल स्कूली शिक्षा में सुधार होगा बल्कि विद्यार्थियों के शैक्षणिक और तकनीकी ज्ञान में भी बढ़ोत्तरी होगी। सीएसआर के अंतर्गत एनएचपीसी क्षेत्रीय कार्यालय , सिलीगुड़ी द्वारा किए गए इस प्रयास को शिक्षा विभाग , विद्यालय प्रबंधन, विद्यार्थियों एवं स्थानीय लोगों द्वारा सराहा गया ।

सामान्य (सामा.)	एससी (एससी)	एसटी (एसटी)	ओबीसी (ओबीसी)	ईडबल्यूएस (ईडब्ल्यूएस)	पीडबल्यूडी (पीडबल्यूडी)	कुल (कुल)	पुरुष लाभार्थियों की संख्या	महिला लाभार्थियों की संख्या
41	712	08	229	949	0	990	468	2027

विद्यालयों को डेस्कटॉप कम्प्युटर वितरण

18. रंगित पावर स्टेशन

शिक्षाः

- **उच्च अध्ययन के लिए एनएचपीसी छात्रवृत्तिः**

एनएचपीसी की छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत, रंगित पावर स्टेशन ने सिक्किम गवर्नमेंट कॉलेज, ग्यालशिंग और सिक्किम गवर्नमेंट कॉलेज, तडोंग में पढ़ रहे दो छात्रों सुश्री चंकुला लेप्चा और श्री दीवान छेत्री को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए क्रमशः 48000 रुपये और 24000 रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की है। ये छात्र सिक्किम के पश्चिमी जिले से संबंधित हैं, जिसे देश के एक ''आकांक्षी जिले'' के रूप में पहचाना गया है।

लाभार्थियों का विवरणः

सामान्य	एससी	एसटी	ओबीसी	कुल	पुरुष	महिला
-	-	1	1	2	1	1

उच्चतर शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति का वितरण

- **आईटीआई, गेजिंग में इलेक्ट्रीशियन टूल और उपकरणों के साथ नए इलेक्ट्रीशियन ट्रेड की शुरूवातः**

रंगित पावर स्टेशन ने इस क्षेत्र में कुशल जनशक्ति की जरूरत को पहचानते हुए, आईटीआई गेजिंग में अपनी सीएसआर एवं एसडी योजना के तहत एक इलेक्ट्रीशियन ट्रेड शुरू करने का निर्णय लिया। तदनुसार, रंगित पावर स्टेशन, जिला कलेक्टर, पश्चिम और प्रधानाचार्य, आईटीआई गेजिंग के बीच, 53.00 लाख रुपये की अनुमानित लागत से टूल और उपस्करों के प्रावधान के साथ आईटीआई में इलेक्ट्रीशियन ट्रेड शुरु करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे। एक नया इलेक्ट्रीशियन ट्रेड इस क्षेत्र के युवाओं को व्यापक अवसर प्रदान करेगा, जो अब विभिन्न संस्थापनाओं में प्रशिक्षु प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं और अपने आप को क्षेत्र में स्थित विभिन्न उद्योगों में कुशल जनशक्ति के रूप में लगा सकते हैं।

आईटीआई, गेजिंग में इलेक्ट्रीशियन ट्रेड के लिए उपस्कर

- **धारगांव प्राथमिक विद्यालय के क्लासरूम एवं खेल के मैदान का उन्नयनः**

रंगित पावर स्टेशन ने सरकारी प्राथमिक विद्यालय, धारगांव में मल्टी यूटिलिटी हॉल के निर्माण करने, स्कूल के खेल के मैदान का नवीकरण करने आदि के साथ क्लासरूम के उन्नयन का कार्य भी किया है। नवीकरण का कार्य 6.60 लाख रुपये के व्यय पर किया गया।

लाभार्थियों का विवरणः

सामान्य	एससी	एसटी	ओबीसी	कुल	पुरुष	महिला
0	4	1	8	13	7	6

रंगित पावर स्टेशन द्वारा स्कूल के प्रथम तल पर निर्मित मल्टी यूटिलिटी हॉल

- **सरकारी जूनियर हाई स्कूल, दलेप क्यूजिंग के बहुउद्देश्यीय हॉल का निर्माण, खेल के मैदान का विस्तार और फेंसिंग**

स्कूल अवसंरचना को सुदृढ़ बनाने के लिए, रंगित पावर स्टेशन ने अपनी वार्षिक सीएसआर एवं एसडी योजना के अंतर्गत 19.87 लाख रुपये के व्यय से सरकारी जूनियर हाई स्कूल, दलेप क्यूजिंग में बहुउद्देश्यीय हॉल का निर्माण, स्कूल के खेल के मैदान का विस्तार और फेंसिंग करने का कार्य किया है।

लाभार्थियों का विवरणः

सामान्य	एससी	एसटी	ओबीसी	कुल	पुरुष	महिला
19	8	2	29	58	26	32

रंगित पावर स्टेशन द्वारा स्कूल के खेल के मैदान का विस्तार और फैसिंग

- **जारोंग सीनियर सेकेंडरी स्कूल, जारोंग में स्कूल गैलरी के लिए शेड का निर्माणः**

जारोंग सीनियर सेकेंडरी स्कूल, जारोंग की आधारभूत सुविधाओं में वृद्धि के लिए, पावर स्टेशन ने अपनी सीएसआर पहल के तहत 9.39 लाख रुपये के व्यय से जारोंग सीनियर सेकेंडरी स्कूल, जारोंग में स्कूल गैलरी के लिए शेड के निर्माण का कार्य शुरू किया है।

लाभार्थियों का विवरणः

सामान्य	एससी	एसटी	ओबीसी	कुल	पुरुष	महिला
2	6	19	105	132	69	63

स्वास्थ्य और सफाई :

- **जिला अस्पताल, पश्चिम सिक्किम को अस्पताल के उन्नयन के लिए चिकित्सा उपकरण उपलब्ध करानाः**

पावर स्टेशन ने स्वास्थ्य क्षेत्र में पश्चिम सिक्किम जिले (एक आकांक्षी जिला) में बेहतर अवसंरचना सुविधाएं सृजित करने के लिए 6.50 लाख रुपये की अनुमानित लागत के साथ अत्याधुनिक चिकित्सा उपस्करों जैसे वेंटिलेटर (वयस्क और बाल चिकित्सा) और इन्फ्यूजन पंप प्रदान करने के लिए जिला कलेक्टर, और सीएमओ, जिला अस्पताल, पश्चिम सिक्किम के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। माननीय मुख्यमंत्री, सिक्किम की उपस्थिति में जिला प्रशासन को इन उपस्करों को सौंपने के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

माननीय मुख्यमंत्री, सिक्किम की उपस्थिति में जिला अस्पताल, पश्चिम सिक्किम को चिकित्सा उपकरण सौंपते हुए

- **बाहरी व्यक्तियों के लिए एसएचपीसी अस्पताल/औषधालय पर चिकित्सा व्ययः**

पावर स्टेशन का परियोजना औषधालय आस–पास रह रहे स्थानीय लोगोंध्ग्रामवासियों के लिए वास्तव में वरदान है। पहले पहाड़ी क्षेत्र और दूरस्थ इलाका होने के कारण, मरीजों को उचित चिकित्सा स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं की समय पर उपलब्धता कठिन थी, लेकिन अब अच्छे परियोजना डॉक्टरों की टीम होने से ये सुविधाएं आसानी से उपलब्ध हैं। स्थानीय निवासी परियोजना औषधालय से काफी हद तक लाभान्वित हुए हैं क्योंकि निःशुल्क उपचार, चिकित्सा जांच और निःशुल्क दवाईयां नियमित रूप से वितरित की जा रही हैं। कोविड महामारी के दौरान, परियोजना औषधालय ने स्थानीय लोगों को चिकित्सा सहायता प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

लाभार्थियों का विवरण

सामान्य	एससी	एसटी	ओबीसी	कुल	पुरुष	महिला
1408	887	661	1331	4287	2847	1440

दवाइयों और अन्य चिकित्सा सामानों का वितरण

ग्रामीण विकासः

- **लेगशिप में बहुउद्देशीय हॉल का निर्माणः–**

रंगित पावर स्टेशन ने अपनी सीएसआर पहल के अंतर्गत, 11.74 लाख रुपये का व्यय करके लेगशिप गांव में एक बहुउद्देशीय हॉल का निर्माण किया है। यह कार्य स्थानीय निवासियों के कल्याण के लिए और विभिन्न सांस्कृतिक, सामाजिक गतिविधियों इत्यादि में लोगों की भागीदारी बढ़ाने के लिए किया गया है। लगभग 10000 लोग पावर स्टेशन द्वारा किए गए इस सीएसआर क्रियाकलाप का लाभ ले रहे हैं।

लाभार्थियों का विवरणः

सामान्य	एससी	एसटी	ओबीसी	कुल	पुरुष	महिला
5100	519	565	3788	9972	5192	4780

लेगशिप गाँव में बहु–उद्देश्यीय हॉल

आपदा प्रबंधन :

- **सामाजिक व्यवहार मानकों के तहत कोविड–19 और अन्य कार्यों के लिए आकस्मिक क्रियाकलापः**

रंगित पावर स्टेशन ने पावर स्टेशन के आसपास कोविड–19 महामारी की स्थिति से निपटने के लिए विभिन्न सीएसआर क्रियाकलाप किए हैं। पावर स्टेशन ने धारगाँव, हिंगदाम और लेगशिप गाँव जैसे समीपवर्ती क्षेत्रों में रह रहे सभी गरीब और जरूरतमंद लोगों को संबंधित जीपीयू के माध्यम से कोविड–19 किट वितरित की है, जिसमें हैंड सैनिटाइजर, दस्ताने, मास्क, हैंड वॉश आदि शामिल हैं। लगभग 600 कोविड–19 किट संबंधी सामान स्थानीय लोगों को वितरित किए।

संबंधित जीपीयू को कोविड–19 किट/वस्तुओं का वितरण

- **असहाय प्रवासी श्रमिकों को खाद्य सामग्री का वितरणः**

कोविड महामारी के दौरान, पावर स्टेशन ने सामाजिक रूप से जिम्मेदार कंपनी के नाते असहाय जरूरतमंद प्रवासी कामगारों को जिला प्रशासन, पश्चिम एवं दक्षिण जिले के सहयोग से खाद्य सामानों जैसे चावल, दाल, तेल, गेहूं का आटा आदि वितरित करने का कार्य किया। इसके साथ ही, रंगित पावर स्टेशन ने ऐसे प्रवासी कामगारों को सब्जियां भी वितरित कीं, जो लॉकडाउन अवधि के दौरान परियोजना स्थल पर ही रुके थे और परियोजना कैंटीन के जरिए उन्हें निःशुल्क भोजन प्रदान किया।

लॉकडाउन के दौरान असहाय श्रमिकों और जरूरतमंद लोगों को सब्जियों का निःशुल्क वितरण

रंगित पावर स्टेशन में और आसपास के क्षेत्रों में असहाय प्रवासी श्रमिकों को निःशुल्क भोजन प्रदान करते हुए

- **कोविड–19 महामारी के दौरान पावर स्टेशन द्वारा संचालित व्यापक सैनिटाइजेशन अभियानः**

क्षेत्र में कोरोना वायरस को फैलने देने से रोकने के लिए, पावर स्टेशन ने आसपास के स्थानों/गांवों जैसे लेगशिप गांव आदि में स्थानीय जीपीयू/स्थानीय निकायों/गैर सरकारी संगठनों के साथ मिलकर व्यापक सैनिटाइजेशन अभियान चलाया।

कोविड महामारी के दौरान पावर स्टेशन द्वारा सैनिटाइजेशन अभियान

- **कोविड–19 सामाजिक व्यवहार मानकः**

पावर स्टेशन द्वारा अपने सीएसआर व्यय के तहत बैनर आदि वितरित करके कोविड–19 से बचाव के अनुकूल सामाजिक व्यवहार मानकों के संबंध में समीपवर्ती स्थानों के लोगों को जागरूक करने के लिए एक जागरूकता अभियान चलाया। पावर स्टेशन की इस कार्रवाई की स्थानीय प्रशासन और आम जनता द्वारा सराहना की गई।

लेगशिप गांव में सामाजिक व्यवहार मानकों के संबंध में बैनरों को प्रदर्शित करना

तीस्ता लो डैम–III पावर स्टेशन

शिक्षाः

- **तकदाह में इंजीनियरिंग कॉलेज के निर्माण के लिए वित्तपोषणः**

पहाड़ी और दूरस्थ क्षेत्रों के छात्रों को परिवहन उपलब्ध न होने, अच्छे कॉलेज न होने आदि के कारण उच्चतर शिक्षा के लिए किसी अन्य स्थान की अपेक्षा कम अवसर प्राप्त होते हैं। इस क्षेत्र के छात्रों को उच्चतर शिक्षा के लिए भरपूर और उचित अवसर प्रदान करने हेतु, टीएलडी–III और टीएलडी–IV पावर स्टेशन, तकदाह, दार्जिलिंग, पश्चिम बंगाल में इंजीनियरिंग कॉलेज स्थापित करने में योगदान दे रहा है। टीएलडी–III और टीएलडी–IV पावर स्टेशन तकदाह में इंजीनियरिंग कॉलेज के निर्माण के लिए गोरखा प्रादेशिक प्रशासन (जीटीए) को वित्तीय सहायता प्रदान कर रहा है। इस कॉलेज की स्थापना के साथ ही, इंजीनियरिंग के क्षेत्र में उच्चतर शिक्षा से अनेक आकांक्षी युवा प्रतिभाओं को अवश्य ही लाभ मिलेगा। यह कॉलेज निर्माणाधीन है और वित्तीय वर्ष 2020–21 के दौरान इंजीनियरिंग कॉलेज के निर्माण कार्य के लिए 2.00 करोड़ रुपये (टीएलडी–III और IV पावर स्टेशन प्रत्येक द्वारा 1.0 करोड़ रुपये की राशि जारी की गई है। लाभार्थियों की संख्या लगभग 800 छात्रों से अधिक होगी।

तकदाह, दार्जिलिंग, पश्चिम बंगाल में निर्माणाधीन इंजीनियरिंग कॉलेज

- **बाहरी लोगों के लिए केन्द्रीय विद्यालय पर व्ययः**

शिक्षा चूंकि एनएचपीसी की सीएसआर पहल का बहुत ही महत्वपूर्ण पहलू है। इसलिए, पावर स्टेशन अपने सीएसआर कार्यक्रमों के तहत, राम्बी, पश्चिम बंगाल में केंद्रीय विद्यालय को पूरा सहयोग प्रदान कर रहा है। यह छात्रों को सुसज्जित अवसंरचना, गुणवत्तापरक शिक्षा, खेल, जीवन कौशल और पावर स्टेशन के समीपवर्ती क्षेत्रों में रह रहे वंचित बच्चों के समग्र विकास के लिए सहायता कर रहा है। पावर स्टेशन का उद्देश्य, शिक्षा के जरिए सामाजिक बदलाव लाना है। वित्तीय वर्ष 2020–21 के दौरान, केन्द्रीय विद्यालय, राम्बी पर 140.00 लाख रुपये की धनराशि खर्च की गई है। लाभार्थियों का ब्यौरा इस प्रकार हैः

लाभार्थियों का विवरणः

श्रेणी	सामान्य	एससी	एसटी	ओबीसी	कुल	पुरुष	महिला
संख्या	81	10	6	18	115	58	57

केंद्रीय विद्यालय, राम्बी

ग्रामीण विकासः

- **74 धुरा, मुंगपू और देवराली, तीस्ता घाटी में किचन और शौचालय के साथ सामुदायिक हॉल का निर्माणः**

74 धुरा और देवराली, तीस्ता घाटी के ग्रामीणों के पास सामुदायिक क्रियाकलापों जैसे बैठकों, विवाह, धार्मिक आयोजनों आदि के आयोजनध्मनाने के लिए उचित स्थान नहीं है। अतः ग्रामीणों के कल्याण के लिए, टीएलडी–III पावर स्टेशन ने 75 धुरा, मुंगपू और देवराली गांव, तीस्ता घाटी में किचन और शौचालय के साथ सामुदायिक हॉल का निर्माण किया है। दोनों सामुदायिक हॉलों का कार्य वित्तीय वर्ष 2019–20 में शुरू कर दिया गया था लेकिन वित्तीय वर्ष 2020–21 में ही पूरा किया जा सका। काफी ग्रामीणों को सामुदायिक हॉल से लाभ हुआ है। वित्तीय वर्ष 2020–21 के दौरान, धुरा एवं देवराली सामुदायिक हॉलों पर क्रमशः 0.59 लाख रुपये एवं 19.40 रुपये की धनराशि खर्च हुई। धुरा, मुंगपू के लाभार्थियों का ब्यौरा इस प्रकार हैः

लाभार्थियों का विवरणः

श्रेणी	सामान्य	एससी	एसटी	ओबीसी	कुल	पुरुष	महिला
संख्या	0	28	131	175	334	181	153

74 धुरा, मुंगपू में किचन और शौचालय के साथ सामुदायिक हॉल

देवराली गांव के लाभार्थियों का ब्यौरा इस प्रकार हैः

लाभार्थियों का विवरणः

श्रेणी	सामान्य	एससी	एसटी	ओबीसी	कुल	पुरुष	महिला
संख्या	04	03	69	132	208	102	106

देवराली, तीस्ता घाटी में शौचालय और किचन के साथ सामुदायिक हॉल

स्वास्थ्य एवं सफाईः

- **बाहरी लोगों के लिए एनएचपीसी अस्पताल/औषधालय पर चिकित्सा व्यय**

पावर स्टेशन, राम्बी, पश्चिम बंगाल अपने औषधालय के माध्यम से समीपवर्ती गांवों के निवासियों को सभी प्रकार की चिकित्सा सहायता प्रदान करता है। स्थानीय लोगों को एनएचपीसी के डॉक्टरों द्वारा निःशुल्क परामर्श और दवाइयां प्रदान की जाती हैं तथा समय–समय पर दवाइयां भी निःशुल्क वितरित की जाती हैं।

वर्ष 2020–21 के दौरान स्थानीय निवासियों की स्वास्थ्य देखभाल पर 12.10 लाख रुपये की राशि खर्च हुई । लाभार्थियों का ब्यौरा इस प्रकार हैः

लाभार्थियों का विवरणः

श्रेणी	सामान्य	एससी	एसटी	ओबीसी	कुल	पुरुष	महिला
संख्या	455	314	156	450	1375	783	592

परियोजना औषधालय, राम्बी

आपदा प्रबंधनः

- **कोविड–19 और अन्य प्रयोजनों के लिए आकस्मिक क्रियाकलापः**

कोविड–19 महामारी से लड़ाई के लिए, टीएलडी–ppp पावर स्टेशन, राम्बी ने कई तरीकों से स्थानीय आबादी की समस्या के निवारण में प्रमुख भूमिका निभाई है। दिनांक 01 अप्रैल 2020 से, टीएलडी–III पावर स्टेशन द्वारा राम्बी और मुंगपू (पश्चिम बंगाल) के जरूरतमंद लोगों तथा असहाय श्रमिकों के बीच फेस मास्क, दस्ताने और सूखा राशन

वितरित करने के क्रियाकलाप किए गए। पावर स्टेशन की अनिवार्य सेवाओं के लिए तैनात ठेका श्रमिकों और इसके समीपवर्ती क्षेत्रों में काम करने वाले निर्माण मजदूरों के बीच भी नियमित रूप से खाद्य सामग्री का वितरण किया गया। पावर स्टेशन के समीपवर्ती क्षेत्रों का नियमित सैनिटाइजेशन तथा पेस्ट कंट्रोल ट्रीटमेंट किए जाने से कोविड महामारी से बेहतर तरीके से मुकाबला करने में मदद मिली। इसके साथ ही, राम्बी व मुंगपू में गर्भवतीध्स्तनपान कराने वाली माताओंध्बुजुर्गों के लिए न्यूट्रिएंट सप्लीमेंट का वितरण किया गया । वित्तीय वर्ष 2020–21 के दौरान, कोविड–19 का मुकाबला करने में पावर स्टेशन द्वारा 4.35 लाख रुपये की राशि खर्च की जा चुकी है। इस क्रियाकलाप के तहत लाभार्थियों का ब्यौरा इस प्रकार हैः

लाभार्थियों का विवरणः

श्रेणी	सामान्य	एससी	एसटी	ओबीसी	कुल	पुरुष	महिला
संख्या	542	392	782	936	2653	1069	1584

न्यूट्रिएंट सप्लीमेंट वितरण

सूखा राशन का वितरण

फेस मास्क, इत्यादि वितरण

समीपवर्ती क्षेत्रों में स्वच्छता अभियान

20. तीस्ता लो डैम–IV पावर स्टेशन

ग्रामीण विकासः

- **शेपखोला में समुदाय भवन निर्माण –**

समुदाय और समाज के व्यापक विकास में अवसंरचना की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। वित्तीय वर्ष 2020–21 के दौरान, टीएलडी–IV पावर स्टेशन ने अपनी सीएसआर पहल के तहत, समीपवर्ती गांवों के स्थानीय समुदायों के सामाजिक विकास को बढ़ावा देने और उन्नति के लिए सामुदायिक हॉल का निर्माण किया है। इस सामुदायिक हॉल से शेपखोला के स्थानीय ग्रामीणों को अपने नियमित सामुदायिक आयोजनों और सामाजिक दायित्वों/ त्योहारों/ विवाह समारोहों आदि के आयोजन में सुविधा मिली है। वित्तीय वर्ष 2020–21 के दौरान, पावर स्टेशन ने इस क्रियाकलाप के तहत 12.41 लाख रुपये का व्यय किया है। इस क्रियाकलाप के लाभार्थियों का ब्यौरा इस प्रकार है –

लाभार्थियों का विवरण :

श्रेणी	सामान्य	एससी	एसटी	ओबीसी	कुल	पुरुष	महिला
संख्या	15	60	70	55	200	130	70

शेपखोला में सामुदायिक हॉल का निर्माण

आपदा प्रबंधनः

- **कोविड–19 और अन्य के लिए आकस्मिक गतिविधिः**

कोविड महामारी की लॉकडाउन अवधि के दौरान, पावर स्टेशन ने कालीझोरा, झोली, लंकू, लथपंचर और खांडुंग के नजदीकी परियोजना क्षेत्र के जरूरतमंद लोगों को फूड पैकेट, मास्क, हैंड सैनिटाइजर का वितरण करके सीएसआर दायित्वों को पूरा किया है। पावर स्टेशन ने कोविड महामारी और आवश्यक सुरक्षा उपायों के बारे में शिक्षित करने के लिए जागरूकता अभियान भी चलाया है। इस अभियान के दौरान 160 परिवारों को कुल 160 राशन किट के साथ कोविड –19 मेडिकल किट वितरित की गई। इसके अलावा, सिलीगुड़ी में वृद्धाश्रम (अपना घर) को भी चिकित्सा किट ६ दवाएं वितरित की गईं, जिससे 22 वृद्ध लाभार्थी लाभान्वित हुएहै।इस सीएसआर गतिविधि को करने के लिए, पावर स्टेशन ने 1.0 लाख रुपये का व्यय किया है ।

21. तीस्ता–IV जलविद्युत परियोजना

आपदा प्रबंधनः

- **हैंड सैनिटाइजर, मास्क और दस्तानों का वितरण**

कोविड महामारी के दौरान, तीस्ता–IV परियोजना ने अपने आस–पास की ग्राम पंचायत यूनिट के जरूरतमंद और गरीब लोगों को सभी चिकित्सा सहायता प्रदान की है। इसके अलावा कोविड की चिंताओं को ध्यान में रखते हुए, स्थानीय गाँव और अन्य लोगों को हैंड सैनिटाइजर, मास्क, दस्ताने और कोविडकिट भी प्रदान किए गए। इस सीएसआर गतिविधि से 535 ग्रामीणों और स्थानीय लोगों को सीधा लाभ हुआ है।

अपना घर वृद्धाश्रम में दवा और सैनीटाईजेसन सामग्री का वितरण

झोली गाँव में खाद्य सामग्री का वितरण

कालीझोड़ा गाँव में खाद्य सामाग्री का वितरण

खांडूंग गाँव में खाद्य सामग्री और पीपीई किट वितरण

कोरोना से जंग: एनएचपीसी ने लंकू गांव व आसपास के इलाके में बांटी खाद्य सामग्री

प्रतिनिधि ▷ सिलीगुड़ी

स्वास्थ्य एवं सैनिटाइजजेशन किट वितरण

स्थानीय ग्रामीणों को स्वास्थ्य एवं सैनिटाइजजेशन सामग्री वितरण

ग्राम पंचायत को स्वास्थ्य एवं सैनिटाइजजेशन सामग्री वितरण

22. लोकतक पावर स्टेशन, मणिपुर

ग्रामीण विकासः

- **निंगथौखोंग में स्वच्छ भारत अभियान के तहत ठोस कचरा प्रबंधन प्रणाली में सुधारः**

पावर स्टेशन ने अपनी सीएसआर पहल के तहत बिष्णुपुर जिले के निंगथौखोंग में स्थापित ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली में सुधार संबंधी कार्य किया है। इस सुविधा में निंगथौखोंग और आसपास के क्षेत्रों के ठोस कचरे को अलग किया जाएगा, इसे संसाधित करके ठीक से निपटाया जाएगा। इसका संचालन और रखरखाव निंगथौखोंग नगर परिषद द्वारा किया जाएगा। पावर स्टेशन ने इस कार्य के लिए 10.66 लाख रुपये व्यय किए हैं और इससे आसपास के क्षेत्र के लगभग 13000 व्यक्ति लाभान्वित होंगे।

निंगथौखोंग में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली में सुधार कार्य

पुलिस बल को कोविड संबंधित आवश्यक चिकित्सा सामग्री का वितरण

आपदा प्रबंधन :

- **कोविड –19 और अन्य के लिए आकस्मिक गतिविधियाँ:**

कोविड महामारी से बचाने के लिए, लोकटक पावर स्टेशन के आस–पास के क्षेत्रों में स्थानीय आबादी और पुलिस बल के बीच फेस मास्क, हैंड सैनिटाइजर, लिक्विड हैंड वॉश और साबुन जैसी आवश्यक वस्तुओं का वितरण किया गया।

स्थानीय लोगों को कोविड से संबंधित आवश्यक चिकित्सा वस्तुओं का वितरण

स्वास्थ्य और सफाई :

- **बाहरी व्यक्तियों के लिए एन एच पी सी अस्पताल/औषधालय पर व्यय:**

इस सीएसआर गतिविधि के तहत, लोकतक पावर स्टेशन अपने आसपास के क्षेत्रों के स्थानीय लोगों को चिकित्सा सुविधा प्रदान करने के लिए अपने औषधालय में मुफ्त स्वास्थ्य जांच शिविर, दवा वितरण शिविर और अन्य गतिविधियों की व्यवस्था करता रहता है। वित्त वर्ष 2020–21 के दौरान बाहरी मरीजों पर 82.43 लाख की राशि व्यय की गई और लगभग 1795 जरूरतमंदों ने इस सुविधा का लाभ उठाया।

शिक्षा:

- **बाहरी बच्चों के लिए केन्द्रीय विद्यालय/अन्य विद्यालयों पर व्यय**

क्षेत्र में उत्तम शिक्षा प्रदान करने और शिक्षा के स्तर को उन्नत करने के लिए, पावर स्टेशन अपने परिसर में स्थित स्कूल पर पर्याप्त व्यय करता है।आसपास के क्षेत्र में अच्छे स्कूल न होने के कारण बड़ी संख्या में इस स्कूल में स्थानीय छात्रों का नामांकन है। वित्त वर्ष 2020–21 के दौरान 2.77 करोड़ रुपए व्यय किए गए और इससे लगभग 434 स्थानीय बच्चे सीधे लाभान्वित हुए है।

23. सुबानसिरी लोअर जलविद्युत परियोजना:

सुबानसिरी लोअर जलविद्युत परियोजना ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा, स्वच्छ विद्यालय अभियान आदि के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर समाज के कल्याण के लिए सीएसआर संबंधी गतिविधियां कर रही है। वित्तीय वर्ष

2020–21 के दौरान विभिन्न क्षेत्रों के तहत परियोजना द्वारा की गई गतिविधियां निम्नलिखित हैं:

शिक्षा:

- **बाहरी बच्चों के लिए केन्द्रीय विद्यालय/अन्य विद्यालयों पर व्यय:**

अपने केन्द्रीय विद्यालय में सभी आधुनिक बुनियादी सुविधाओं के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध, इस पावर स्टेशन ने वित्त वर्ष 2020–21 के दौरान अपने आसपास के परियोजना क्षेत्रों में रहने वाले स्थानीय ग्रामीणों के बच्चों के लिए 167.22 लाख रुपये का व्यय किया है।

लाभार्थियों का विवरण:

सामान्य	एससी	एसटी	ओबीसी	कुल	पुरुष	महिला
72	26	93	78	268	129	139

स्वास्थ्य और सफाई :

- **स्वास्थ्य देखभाल सुविधा के उन्नयन के लिए स्थानीय सरकारी अस्पताल में चिकित्सा उपकरण उपलब्ध कराना:**

बेहतर स्वास्थ्य देखभाल सुविधा समय की जरूरत है और बुनियादी ढांचागत स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं को बढ़ाने के लिए असम में धेमाजी और लखीमपुर जिलों और अरुणाचल प्रदेश के कामले जिले के पीएचसी/सीएचसी में चिकित्सा उपकरण जैसे डिफिब्रिलेटर, ईसीजी मशीन, स्फिग्मोमैनोमीटर, लेबर टेबल, इग्जैमनेशन टेबल, सक्शन मशीन आदि जिला प्रशासन को प्रदान की गई है। इसके अलावा, असम में धेमाजी और लखीमपुर जिलों और अरुणाचल प्रदेश में कामले जिले के पीएचसी/सीएचसी में स्वास्थ्य देखभाल सुविधा के उन्नयन, सामान्य और सिजेरियन डिलीवरी के लिए उपकरण सेट, ऑक्सीजन सिलेंडर, मास्क, माइक्रोस्कोप, 25 केवीए डीजल जेनरेटर सेट और स्टील रैक, स्टील अलमारी आदि जैसे फर्नीचर भी उपलब्ध कराए गए हैं। वित्त वर्ष 2020–21 के दौरान उक्त स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं के उन्नयन में 18.83 लाख रुपये व्यय किए गए है ।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, दोलुंगमुख, कमले, अरुणाचल प्रदेश को 25 केवीए के डीजी सेट सौंपते हुए

- **बाहरी व्यक्तियों के लिए एनएचपीसी अस्पताल/औषधालय पर चिकित्सा व्यय:**

परियोजना के समर्पित डॉक्टरों की टीम के माध्यम से परियोजना औषधालय के आस–पास और दूर–दराज के क्षेत्रों के ग्रामीणों को लगातार सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करती रही है। वित्तीय वर्ष 2020–21 के दौरान, परियोजना में और उसके आसपास इस सीएसआर

गतिविधि के लिए एनएचपीसी अस्पताल/औषधालय द्वारा 88.66 लाख रुपये का व्यय किया गया है। परियोजना की इस सीएसआर पहल का बहुत से लाभार्थी सीधे लाभ उठा रहे हैं । लाभार्थियों का विवरण इस प्रकार है

लाभार्थियों का विवरणः

सामान्य	एससी	एसटी	ओबीसी	कुल	पुरुष	महिला
867	408	2959	867	5101	2040	3061

स्वच्छ भारत अभियानः

- **सार्वजनिक क्षेत्रों, सामुदायिक केंद्रों आदि में बोरवेल, फिल्ट्रेशन सहित स्वच्छ पेयजल सुविधाएंः**

स्वच्छ पेयजल प्रत्येक व्यक्ति की सबसे बड़ी जरूरत है। असम के धेमाजी, लखीमपुर, माजुली और नारायणपुर जिले की बड़ी संख्या में लोगों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध न होने के कारण, परियोजना ने इन जिलों में बोरवेल और फिल्ट्रेशन सहित पेयजल सुविधाओं के निर्माण की परियोजना शुरू की है। वर्ष 2015–16 से 2017–18 की अवधि के दौरान लगभग 1861 ऐसी सुविधाओं का निर्माण कार्य हाथ में लिया गया था। इनमें से 1222 स्वच्छ पेयजल सुविधाओं को पूरा कर लिया गया और इसे दिनांक 31.03.2020 तक चालू कर दिया गया। वित्त वर्ष 2020–21 के दौरान, परियोजना ने 162 स्वच्छ पेयजल सुविधाओं को पूरा करके चालू किया और वित्त वर्ष 2020–21 के दौरान इस गतिविधि पर 24.89 लाख रुपये की राशि व्यय की गई है। इस सुविधा से 3.5 लाख से अधिक आम जनता सीधे तौर पर लाभान्वित हो रही है। इस सीएसआर पहल के लाभार्थियों का विवरण इस प्रकार है –

स्वच्छ पेयजल सुविधा की स्थापना

लाभार्थियों का विवरणः

सामान्य	एससी	एसटी	ओबीसी	कुल	पुरुष	महिला
187374	29392	88176	62458	367400	183700	183700

- **10 आरओ–सह–स्वच्छता परिसर की स्थापनाः**

असम और अरुणाचल प्रदेश के विभिन्न जिलों में जल निकासी और स्वच्छता सुविधा की उपलब्धता को और मजबूत करने के लिए, परियोजना ने 10 आरओ सह स्वच्छता परिसर की स्थापना करने की परियोजना शुरू की। इस सीएसआर पहल के तहत, परियोजना ने 10 स्थानों (असम में 09 और अरुणाचल प्रदेश में 01) पर आरओ–सह–स्वच्छता परिसरों का निर्माण शुरू किया था। इनमें से गेरुकामुख और नारायणपुर में स्थित 2 आरओ–सह–स्वच्छता परिसरों और असम के पोदुमनी, धेमाजी, गोहपुर और बिलमुख में स्थित 04 अन्य आरओ–सह–स्वच्छता परिसरों को क्रमशः वित्त वर्ष 2018–19 और वित्त वर्ष 2019–20 में पूरा किया गया और चालू किया गया। वित्त वर्ष 2020–21 के दौरान, परियोजना ने असम में गोगामुख और लखीमपुर में 02 अन्य आरओ–सह–स्वच्छता परिसरों को पूरा किया और चालू किया। इस गतिविधि से लगभग 2.50 लाख लोग लाभान्वित हो रहे हैं। वित्त वर्ष 2020–21 के दौरान इस गतिविधि में कुल 24.76 लाख रुपये का उपयोग किया गया था। लाभार्थियों का विवरण निम्नवत है –

आरओ सह स्वच्छता परिसर की स्थापना

लाभार्थियों का विवरण:

सामान्य	एससी	एसटी	ओबीसी	कुल	पुरुष	महिला
127500	20000	60000	42500	250000	125000	125000

आपदा प्रबंधन:

- **कोविड–19 के लिए आकस्मिक गतिविधियाँ:**

कोविड महामारी के दौरान, परियोजना ने सभी आवश्यक उपाय किए हैं और कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए विभिन्न गतिविधियों को अंजाम दिया है। परियोजना की आकस्मिक गतिविधियों के तहत 16.0 लाख रुपए की राशि खर्च की गई थी। परियोजना ने निम्नलिखित तरीके से निधि का उपयोग किया है:

(i) राशन का वितरण:

परियोजना ने आसपास के जिलों के गरीब और जरूरतमंद लोगों के लिए राशन की व्यवस्था की है जिसे बाद में संबंधित जिला प्रशासन के माध्यम से वितरित किया गया था। असम के धीमाजी और लखीमपुर जिलों और अरुणाचल प्रदेश के कामले जिले में कुल मिलाकर राशन के 1881 पैकेट, जिसमें 05 किलो चावल, 01 किलो दाल / दाल, 1ध्2 लीटर सरसों का तेल, 01 किलो नमक और 01 साबुन के पैकेट वितरित किए गए। राशन के 1881 पैकेट वितरण पर कुल रु.6.58 लाख का व्यय हुआ तथा राशन वितरण इस प्रकार है–

क्रम सं	जिला	वितरित किए गए राशन पैकेटों की संख्या
1	धीमाजी (असम)	1349
2	लखीमपुर (असम)	500
3	कामले (अरुणाचलप्रदेश)	32
	कुल	**1881**

धीमाजी, असम के जिला प्रशासन को राशन के पैकेट सौंपते हुए

असम के लखीमपुर, और अरुणाचल प्रदेश के कामले जिला प्रशासन को राशन के पैकेट सौंपते हुए

(ii) पीपीई किट व एन 95 मास्क वितरणः

सुबनसिरी परियोजना ने संबंधित जिला प्रशासन के माध्यम से असम में धीमाजी और लखीमपुर जिलों और अरुणाचल प्रदेश के कामले जिले में पीपीई किट के 800 सेट और एन95 मास्क के 1770 सेट वितरित किए हैं तथा जिसमें कुल 8.26 लाख रुपये खर्च हुआ।पीपीई किट और मास्क का विस्तृत वितरण निम्नानुसार है –

क्रम सं.	जिला	वितरित मात्रा	
		पीपीईकिट	एन 95 मास्क
1	धीमाजी (असम)	350	700
2	लखीमपुर (असम)	300	640
3	कामले (अरुणाचलप्रदेश)	50	200
	कुल	**700**	**1540**

असम के धीमाजी व अरुणाचल प्रदेश के कामले के जिला प्रशासन को पीपीई किट सौंपते हुए

लखीमपुर, असम के उपायुक्त को पीपीई किट सौंपतें हुए

(iii) कोविड–19 संबंधित चिकित्सा उपकरणों का वितरणः

बढ़ते कोरोना वायरस को नियंत्रित करने के लिए तथा आम जनता की सलामती और सुरक्षा में चौबीसों घंटे पुलिस बल तैनात किए गए। सम्पूर्ण कोविड काल के दौरान पूरी पुलिस बल आराम किए बिना समाज के सर्वोत्तम हित में काम कर रही थी। इसलिए, कोरोना वायरस के खिलाफ पुलिसकर्मियों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए, परियोजना द्वारा पुलिस अधीक्षक, धीमाजी को पूरे धीमाजी जिले के पुलिस कर्मियों के उपयोग के लिए चिकित्सा उपकरण जैसे पल्स ऑक्सीमीटर, थर्मल स्कैनर आदि सौंपें गए। वित्त वर्ष 2020–21 के दौरान चिकित्सा उपकरणों के वितरण में किया गया कुल व्यय 1.13 लाख रुपए था। सुबानसिरी परियोजना की इस सीएसआर पहल से लगभग 15000 पुलिस कर्मियों को लाभ हुआ है और विवरण इस प्रकार है–

लाभार्थियों का विवरण

सामान्य	एससी	एसटी	ओबीसी	कुल	पुरुष	महिला
7650	1200	3600	2550	15000	7500	7500

24.दिबांग बहुउद्देश्यीय परियोजना

स्वास्थ्य और सफाई :

- **कोविड–19 के लिए कोल्ड चेन इक्विपमेंट इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार–**

कोविड महामारी के खिलाफ टीकाकरण कार्यक्रम को बढ़ाने के लिए, भारत सरकार ने कोल्ड चेन उपकरणों की खरीद और निधि के लिए सार्वजनिक उपक्रमों और निजी संगठनों के समर्थन का लाभ उठाने के लिए एक अंतर–मंत्रालयी समिति का गठन किया।तदनुसार, दिबांग परियोजना ने टीकों के संरक्षण के लिए 13 नग डीप फ्रीजर (छोटे) और 25 नग आइस लाइन्ड रेफ्रिजरेटर खरीदें। खरीदे गए कोल्ड चेन उपकरण राज्य सरकार के अधिकारियों को सौंप दिए गए। डीप फ्रीजर (छोटे) की खरीद पर 8.20 लाख रुपए की राशि खर्च की गई।

जिला प्राधिकारी को डीप फ्रीजर (छोटे) सौंपते हुए

25. बिहार ग्रामीण सड़क परियोजना

ग्रामीण विकासः

- **शाहपुर ब्लॉक, आरा (भोजपुर) के विभिन्न गांवों में पीसीसी सड़क, सामुदायिक केंद्र, छत घाट, चबूतरें का निर्माण–**

बिहार ग्रामीण सड़क परियोजना (बीआरआरपी), पटना बिहार में भोजपुर जिले (आरा) के शाहपुर ब्लॉक में सीएसआर और एसडी योजना के तहत विभिन्न गतिविधियों को अंजाम दे रही है। भोजपुर जिले के शाहपुर प्रखंड में सामुदायिक केन्द्र सह विवाह हाल का निर्माण, शौचालय सहित 02 नये कमरों का निर्माण, छठ घाट, अतिरिक्त का निर्माण किया गया। वित्त वर्ष 2020–21 के दौरान सीएसआर व एसडी गतिविधियों पर किया गया कुल व्यय 36.31 लाख रुपए था। इन गतिविधियों से शाहपुर प्रखंड के लगभग 2,44,552 ग्रामीण लाभान्वित हुए हैं।

शासकीय माध्यमिक विद्यालय खरगहां, शाहपुर, जिला भोजपुर, बिहार में शौचालय युक्त कमरों का निर्माण

ग्राम बेनवालिया, प्रखंड–शाहपुर, भोजपुर, बिहार में सामुदायिक केन्द्र सह विवाह भवन का निर्माण

- **जिला मजिस्ट्रेट, आरा (भोजपुर जिला) के माध्यम से सदर अस्पताल, आरा, बिहार को चिकित्सा उपकरणों का वितरण–**

आरा में स्वास्थ्य देखभाल के बुनियादी ढांचे को समर्थन और बढ़ाने के लिए, सीएसआर पहल के तहत विभिन्न चिकित्सा उपकरण सदर अस्पताल, आरा को सौंपे गए। चिकित्सा उपकरणों में ऑटो एनालाइजर, डी–डिमर/आईएल6/सीआरपी मशीन, पोर्टेबल एक्स–रे, पोर्टेबल ईसीजी, कार्डिएक मॉनिटर, कार्डिएक बेड, इन्फ्यूजन पंप, सक्शन मशीन, रैपिड एंटीजन टेस्ट किट अतिरिक्त शामिल हैं। उपरोक्त उपकरण 06 सार्वजनिक उपक्रमों अर्थात एनएचपीसी, एनटीपीसी, आरईसी, पीएफसी, पीजीसीआईएल और एसजेवीएनएल द्वारा 25.63 लाख रुपये की राशि में उपलब्ध कराए गए थे, इस प्रकार एनएचपीसी का हिस्सा 4.27 लाख रुपए था।

सदर अस्पताल, आरा को चिकित्सा उपकरण सौंपते हुए

या निर्देश, स्वास्थ्य विभाग हुआ चौकस

केन्द्रीय मंत्री की पहल पर एनएचपीसी ने जिला प्रशासन को सौंपे नए उपकरण

सिटी रिपोर्टर | आरा

26. पवन ऊर्जा परियोजना, जैसलमेर, राजस्थानः

आपदा प्रबंधन कोविड–19:

- **कोविड–19 से बचाव सामग्री और अन्य सहायता**

पवन ऊर्जा परियोजना, जैसलमेर में परियोजना क्षेत्र के नजदीक स्थित राजकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, देवीकोट, के आग्रह पर परियोजना द्वारा कोविड–19 महामारी से निपटने के लिए इस स्वास्थ्य केंद्र को निम्न दो चिकित्सा

उपकरण भेंट किए गए हैं

1. ईसीजी मशीन (12 चौनल)– 1 नग

2. मल्टीपैरा मॉनिटर (5 पैरा)–1 नग

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, देवीकोट को ये दोनों उपकरण स्वास्थ्य केंद्र के अधिकारियों व कर्मचारियों की उपस्थिति में दिनांक 25.03.2021 को भेंट किए गए। इन चिकित्सा उपकरणों को वित वर्ष 2020–21 में परियोजना के सीएसआर–बजट के अंतर्गत खरीदा गया है।

इस गतिविधि की अन्य जानकारी निम्न प्रकार है –

1. गतिविधि के लाभार्थी : समस्त परियोजना क्षेत्र (ग्राम लखमना व डाँगरी) तथा आसपास के सभी गाँव।

2. गति–विधि के लिए खर्च की गई राशि : रूपये एक लाख।

राजकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, देवीकोट, राजस्थान को चिकित्सा उपकरण भेंट

27. सोर ऊर्जा पावर परियोजना, तमिलनाडु:

आपदा प्रबंधन:

- **कोविड–19 के दौरान चिकित्सा सहायता का वितरण:**

कोविड महामारी की रोकथाम के लिए, परियोजना प्रबंधन अधिकारियों द्वारा सरकारी मुख्यालय अस्पताल, पेरियाकुलम, जिला थेनी, तमिलनाडु को हैंड सैनिटाइजर (100 लीटर), मास्क (6000 नग), सर्जन कैप (10000 नग), पल्स ऑक्सीमीटर (5 नग), इंफ्रारेड थर्मामीटर (5 नंबर), हाथ के दस्ताने (3500 नंबर) सौंपे गए। डॉ. के.एस. कुमार, अधीक्षक (प्रभारी) ने अस्पताल के अन्य अधिकारियों के साथ इस पहल के लिए एनएचपीसी लिमिटेड की प्रशंसा की और भविष्य में और अधिक सीएसआर पहल करने का अनुरोध किया, जो जनता के लिए फायदेमंद साबित होगा।

सरकारी अस्पताल, पेरियाकुलम, थेनी, तमिलनाडु कोचिकित्सा सहायता सौंपते हुए

28. निगम मुख्यालय द्वारा की जाने वाली सीएसआर गतिविधियां:

विभिन्न यूनिटों / पावर स्टेशनों / परियोजनाओं के अलावा, एनएचपीसी का निगम मुख्यालय भी देश के विभिन्न स्थानों में सीएसआर एवं एसडी पहल के अंतर्गत कई विकास कार्यों से संबंधित गतिविधियां करता है। वित्तीय वर्ष 2020–21 के दौरान विभिन्न क्षेत्रों के अंतर्गत निगम मुख्यालय द्वारा की गई गतिविधियां निम्नलिखित हैं :

शिक्षा:

- **हाइड्रो इंजीनियरिंग कॉलेज, बंदला, बिलासपुर (हिमाचल प्रदेश) का निर्माण:**

उच्च तकनीकी शिक्षा की आवश्यकता के साथ तालमेल रखने और आकांक्षी इंजीनियरिंग छात्रों के लिए बेहतर बुनियादी ढांचा सुविधा प्रदान करने हेतु अपने सामाजिक दायित्व को पूरा करने के लिए, एनएचपीसी ने बंदला, जिला बिलासपुर (हि.प्र.) में अत्याधुनिक हाइड्रो इंजीनियरिंग कॉलेज को बनाने में वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए हिमाचल प्रदेश राज्य सरकार के तकनीकी शिक्षा विभाग के साथ हाथ मिलाया है। यह कॉलेज अपनी तरह का पहला अप्रतिम कॉलेज है और राज्य का गौरव है। केंद्र सरकार के साथ–साथ हिमाचल प्रदेश सरकार में उच्चतम स्तर पर इस कॉलेज की प्रगति की स्थिति की नियमित रूप से मानीटरिंग की जाती है। उद्योग भागीदारों में से एक भागीदार होने के नाते एनएचपीसी ने वित्त वर्ष 2020–21 में 15.0 करोड़ रूपए के योगदान सहित कुल 52.50 करोड़ रूपए की वित्तीय सहायता प्रदान की है । इस कॉलेज की स्थापना से गृह राज्य के साथ–साथ अन्य राज्यों के कई छात्र प्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित होंगे ।

हाइड्रो इंजीनियरिंग कॉलेज के शैक्षणिक और छात्रावास ब्लॉक

- **'विकास, नवीनीकरण और उन्नयन योजना' के अंतर्गत मुंडेरी सरकारी हायर सेकेंडरी स्कूल, कन्नूर, केरल में 06 कक्षाओं का निर्माण:**

कन्नूर जिले में मुंडेरी ग्राम पंचायत के कन्हीरोड गांव में स्थित मुंडेरी सरकारी हायर सेकेंडरी स्कूल को सीएसआर सहायता प्रदान करने के लिए 'विकास, नवीनीकरण और उन्नयन योजना' के लिए लगभग 2.10 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की गई । स्कूल वर्ष 1981 में स्थापित किया गया था । इसमें कक्षा छह से उच्चतर कक्षाएं चलाई जाती हैं। एनएचपीसी ने आर्थिक और सामाजिक रूप से पिछड़े लोगों सहित समाज के सबसे पात्र वर्गों को मुफ्त और उत्कृष्ट गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए गतिविधि में सहायता प्रदान की है । मुंडेरी हायर सेकेंडरी स्कूल के विकास, नवीनीकरण और शैक्षणिक उन्नयन योजना के अंतर्गत किए गए अन्य कार्य हैं :

i) कक्षाओं का निर्माण
ii) स्मार्ट लर्निंग सुविधाध उपकरण
iii) सुविधानुसार डिजाइन किया गया फर्नीचर
iv) पुस्तकालय भवन और सुविधाएं

v) विज्ञान प्रयोगशाला भवन एवं सुविधाएं

vi) नए प्रशासनिक ब्लॉकध स्टाफ कक्षों के लिए भवन

वित्त वर्ष 2020–21 के दौरान, एनएचपीसी सीएसआर फंड के माध्यम से इस स्कूल में छह क्लास रूम का निर्माण किया गया। अनुमान है कि इस स्कूल के माध्यम से लगभग 1000 छात्रों को सीधा लाभ होगा। परियोजना का निर्माण जिला सचिव पंचायत, कन्नूर की ओर से यूएलसीसीएस (उरालुंगल लेबर कॉन्ट्रैक्ट सोसाइटी) द्वारा निष्पादित किया जा रहा है ।

मुंडेरी सरकारी हायर सेकेंडरी स्कूल, कन्नूर, केरल में कक्षाओं का निर्माण

- **नेशनल एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड, हरियाणा राज्य ब्रांच, फरीदाबाद को आरओ सिस्टम उपलब्ध कराना –**

वित्त वर्ष 2020–21 के दौरान, नेशनल एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड (एनएबी) में 250 एलपीएम क्षमता वाले आरओ वाटर सिस्टम की स्थापना पर 1,25000/– लाख रुपए का व्यय किया गया । यह स्कूल दृष्टिबाधित बच्चों को सहारा और सहायता और प्रदान करने के उद्देश्य से नेत्रहीनों के कल्याण से संबद्धित है। एसोसिएशन दृष्टिबाधित बच्चों को सर्वोत्तम अवसर भी प्रदान करता है ताकि वे समाज के जिम्मेदार और योगदान देने वाले सदस्य बन सकें। इस सीएसआर गतिविधि ने कई बच्चों को प्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित किया है और लाभार्थियों का विवरण निम्नानुसार है:

लाभार्थियों का विवरण:

सामान्य	एससी	एसटी	ओबीसी	कुल	पुरुष	महिला
72	26	93	78	268	129	139

अध्यक्षा एनएचपीसी महिला कल्याण समिति द्वारा आर ओ प्रणाली का शुभारम्भ

- **सरकारी स्कूलों के उत्तीर्ण प्रतिशत में सुधार के लिए ''शिक्षित हरियाणा'' परियोजना को संस्थागत बनाने के लिए एक परियोजना प्रबंधन इकाई (पीएमयू) स्थापित करने के लिए सीएसआर सहायता:**

सीएसआर व एसडी के अंतर्गत "शिक्षित हरियाणा' परियोजना को एनएचपीसी द्वारा रु 12,00,000 की सहायता एवं योगदान को मंजूरी प्रदान की गई। उपरोक्त परियोजना को कार्यान्वयन हेतु एनएचपीसी व जिलाधिकारी, फ़रीदाबाद के बीच दिनांक 24.08.2020 को एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। परियोजना को स्वीकृत राशि का भुगतान किया जा चुका है।

शिक्षित हरियाणा परियोजना को राष्ट्रीय स्तर पर एन.सी.ई.आर.टी द्वारा बेस्ट आई.सी.टी. प्रोग्राम के लिये चुना गया है। इस परियोजना में सरकारी स्कूलों के अध्यापकों ने आई0आई0एम0 अहमदाबाद द्वारा बनाई गई पेडागोजी के तहत वर्ल्ड क्लास ऐजूकेशनल लैक्चर बनाए व 1 लाख से अधिक बच्चों को कोविड के दौरान शिक्षण देने में सहायता दी जोकि अपने आपमें राष्ट्रीय स्तर की एक बड़ी उपलब्धि है व हरियाणा का एकलौता बेस्ट आई.सी.टी. प्रोग्राम है। इस परियोजना को हरियाणा गुड गर्वनेंस अर्वाड, 2020 से सम्मानित भी किया जा चुका है। शिक्षित हरियाणा प्रोजेक्ट से जुड़े सभी एजेंसिओं को एक समारोह मे हरियाणा के माननीय मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर ने इस योगदान के लिए एनएचपीसी को सम्मानित भी किया है।

श्री उदय शंकर साही, कार्यपालक निदेशक, एनएचपीसी सम्मान ग्रहण करते हुए।

- **ड्राइंग और पेंटिंग लैब में सुधार के लिए अनुश्रुति अकादमी फॉर द डीफ (एएडी), आईआईटी रुड़की को वित्तीय सहायताः**

बधिरों के लिए अनुश्रुति अकादमी (एएडी), आईआईटी रुड़की की एक सामाजिक पहल, रुड़की और आसपास के क्षेत्र के बधिर बच्चों को शिक्षित करने के लिए, एक विशेष स्कूल है। बधिरों के लिए रुड़की स्कूल जिसे अब अनुश्रुति अकादमी फॉर द डीफ (एएडी) के रूप में जाना जाता है, 1989 में तत्कालीन रुड़की विश्वविद्यालय (अब आईआईटी रुड़की) के परिसर में स्थापित किया गया था। यह दिव्यांग बच्चों के लिए एकमात्र स्कूल है जो इस हाई–टेक संस्थान के परिसर में मौजूद है। इस स्कूल का मुख्य उद्देश्य बधिर बच्चों को शिक्षित कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। एनएचपीसी ने अपनी सीएसआर पहल के तहत स्कूल की ड्राइंग और पेंटिंग लैब को सहयोग और सुधार के लिए 5.80 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की है।

- **हंसराज कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के लिए बाहरी ग्रामीण क्षेत्रों से दिव्यांग छात्रों की आवाजाही के लिए बस सेवा प्रदान करने के लिए सहयोगात्मक मोड पर सीएसआर सहयोगः**

हंसराज कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय के अंतर्गत मान्यता प्राप्त कॉलेज है। इसने न केवल हमारे देश में बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी विभिन्न क्षेत्रों में सेवा करने वाले कई गणमान्य व्यक्तियों, विद्वानों, बुद्धिजीवियों और खिलाड़ियों को तैयार करके समाज में महत्वपूर्ण और अद्वितीय योगदान दिया है।

परिवहन की जरूरतों को सुविधाजनक बनाने और शारीरिक रूप से दिव्यांग छात्रों को आसान और सुरक्षित यात्रा प्रदान करने के लिए, एनएचपीसी ने अपनी सीएसआर पहल के तहत बाहरी ग्रामीण क्षेत्रों से कॉलेज तक दिव्यांग छात्रों की आवाजाही के लिए हंसराज कॉलेज को सहयोगी मोड पर एक बस प्रदान की है। हंसराज कॉलेज के 5 से 20 कि.मी. के दायरे में रहने वाले शारीरिक दिव्यांग छात्र सीधे लाभान्वित होते हैं और उनकी गतिशीलता में भी सुधार हुआ है।

वित्त वर्ष 2020–21 के दौरान, इस गतिविधि के तहत एक बस खरीदने के लिए 9.0 लाख रुपये खर्च किए गए ।

हंसराज कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय को प्रदानित बस

स्वास्थ्य और स्वच्छता

- **''सरकारी मेडिकल कॉलेज, पेरियाराम, कन्नूर, केरल'' में कोविड–19 मामलों के परीक्षण और उपचार के लिए तत्काल सुविधाओं / उपकरणों की खरीद की व्यवस्था'' के लिए सहयोग**

स्वास्थ्य देखभाल सुविधा के उन्नयन और सरकारी मेडिकल कॉलेज, पेरियाराम, कन्नूर, केरल में कोविड–19 मामलों के परीक्षण और उपचार के लिए, विभिन्न स्वास्थ्य देखभाल चिकित्सा उपकरण जैसे कि आपातकालीन ट्रॉली, एयर प्यूरीफायर, पोर्टेबल यूवीसी स्टरलाइजिंग यूनिट, एयर कंडीशनिंग, मल्टी पैरा मॉनिटर, मोबाइल स्टेटिक प्रेशर रेड्यूसर, आदि एनएचपीसी द्वारा अपनी सीएसआर पहल के तहत प्रदान किए गए हैं। वित्त वर्ष 2020–21के दौरान इस गतिविधि में 9.85 लाख रुपये खर्च किए गए ।

आपातकालीन ट्राली

वातानुकूलन यूनिट

पोर्टेबल यूवीसी स्टरलाइजिंग यूनिट

महिला सशक्तिकरण

- **शिरडी साईं बाबा मंदिर सोसायटी, फरीदाबाद को 10 औद्योगिक सिलाई मशीनें उपलब्ध करवानाः**

शिरडी साईं बाबा मंदिर सोसायटी मुख्य रूप से अपनी विभिन्न सामाजिक कल्याण गतिविधियों के माध्यम से समाज के जरूरतमंद वर्ग के सामाजिक–आर्थिक उत्थान में लगी हुई है। जरूरतमंद लोगों के लिए उनके सामाजिक कार्यों को बढ़ाने के लिए, एनएचपीसी ने साईं बाबा सोसाइटी के साथ हाथ मिलाया है और अपने सीएसआर सहयोग के तहत 2,03,840 / – रुपये का फंड प्रदान किया है। शिरडी साईं बाबा मंदिर सोसायटी, फरीदाबाद को कौशल विकास कार्यक्रम के तहत 10 औद्योगिक सिलाई मशीनों की खरीद के लिए धनराशि प्रदान की गई । ये औद्योगिक सिलाई मशीनें समाज के गरीब वर्गों की लड़कियों को प्रदान की गई हैं, जिन्होंने सामान्यतः स्कूल स्तर पर अपनी पढ़ाई बंद कर दी थी। ये सिलाई मशीनें समाज के व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों को बढ़ावा देंगी जिनमें कम प्रयास और कम शिक्षा की आवश्यकता होती है।

इन सिलाई मशीनों की सहायता से सिलाई, औद्योगिक सिलाई, ड्रेस डिजाइनिंग, सौंदर्य संस्कृति, आतिथ्य आदि जैसे व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान किए जा सकते हैं ताकि उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जा सके। इस प्रकार, लड़कियों के सशक्तिकरण से न केवल उनकी सामाजिक–आर्थिक स्थिति बल्कि उनके परिवारों की भी बेहतरी होगी।

शिरडी साईं बाबा मंदिर सोसायटी, फरीदाबाद को उपलब्ध कराई गई औद्योगिक सिलाई मशीनें

वित्तीय वर्ष 2020–21 के दौरान पावर स्टेशनों/परियोजनाओं/इकाई–वार व्यय

(राशि लाखों में)

क्र.सं.	पावर स्टेशन/परियोजना/यूनिट	व्यय
1	क्षेत्रीय कार्यालय – जम्मू	21.00
2	सलाल पावर स्टेशन	343.61
3	दुलहस्ती पावर स्टेशन	339.49
4	उड़ी–I पावर स्टेशन	836.10
5	उड़ी–II पावर स्टेशन	158.59
6	किशनगंगा पावर स्टेशन	222.32
7	चुटक पावर स्टेशन	14.56
8	निम्मो–बाजगो पावर स्टेशन	16.58
9	क्षेत्रीय कार्यालय बनीखेत	21.93
10	सेवा–II पावर स्टेशन	25.46
11	बैरा–स्यूल पावर स्टेशन	62.39
12	चमेरा–I पावर स्टेशन	175.53
13	चमेरा–II पावर स्टेशन	242.39
14	चमेरा–III पावर स्टेशन	32.37
15	लोकटक पावर स्टेशन	372.53
16	पार्बती–II पावर स्टेशन	406.25
17	पार्बती–III पावर स्टेशन	15.29
18	कोटली भेल जल विद्युत परियोजना	7.56
19	धौलीगंगा पावर स्टेशन	247.87
20	टनकपुर पावर स्टेशन	277.46
21	क्षेत्रीय कार्यालय सिलीगुड़ी	6.16
22	रंगित पावर स्टेशन	392.83
23	तीस्ता–V पावर स्टेशन	346.28
24	टीएलडीपी–III पावर स्टेशन	276.07
25	टीएलडी–IV पावर स्टेशन	114.66
26	तीस्ता–IV जल विद्युत परियोजना	0.45
27	सुबानसिरी लोअर जल विद्युत परियोजना	340.79
28	संपर्क कार्यालय ईंटानगर	100.99
29	दिबांग बहुउद्धेशीय परियोजना	19.54
30	बीआरआरपी पटना (बिहार)	36.31
31	पवन ऊर्जा परियोजना, जसलमेर, राजस्थान	0.99
32	सौर ऊर्जा परियोजना (तमिलनाड़)	0.96
33	सौर व पवन परियोजना केरल	8.01
34	निगम मुख्यालय (निगम मुख्यालय के नियंत्रण के तहत गतिविधियाँ)	2479.28
	कुल	**7962.60**

वित्तीय वर्ष 2020–21 की पावर स्टेशनों/परियोजनाएं/यूनिट–वार और कार्यक्रम–वार व्यय का विवरण

(राशि लाखों में)

क्रम सं.	परियोजना/पावर स्टेशन/इकाई	क्षेत्र	गतिविधियों/कार्यक्रमों का विवरण	व्यय
1	क्षेत्रीय कार्यालय जम्मू	स्वास्थ्य और सफाई	कोविड–19 के लिए सीसीई (कोल्ड चेन इक्विपमेंट) बुनियादी ढांचे आदि का विस्तार	21.00
			कुल (क्षेत्रीय कार्यालय जम्मू):	**21.00**
2	सलाल	शिक्षा और कौशल विकास	मौजूदा भवनों में सुधार और रियासी के शैक्षिक क्षेत्र के त्रिन्था, बक्कल, कुंद्रा, खेरल, चिंखा, पोनी के सरकारी स्कूलों में चारदीवारी, सुरक्षा दीवार एवं अन्य सुविधाएं का निर्माण	36.41
			बाहरी लोगों के लिए केन्द्रीय विद्यालय/अन्य विद्यालयों पर व्यय	259.19
		स्वास्थ्य और सफाई	चिकित्सा शिविरों का आयोजन	2.78
			बाहरी लोगों के लिए एनएचपीसी अस्पताल/औषधालय पर चिकित्सा व्यय	7.99
		ग्रामीण विकास	आरसीसी सतह वाली पानी की टंकी	19.73
			रियासी जिले के गांव कोटला और थेरू (रांसू) में जलापूर्ति का सुधार/विस्तार एवं आपूर्ति प्रदान करना	16.50
		आपदा प्रबंधन	कोविड–19 और अन्य के लिए आकस्मिक गतिविधियाँ	1.00
			कुल (सलाल):	**343.61**
3	दुलहस्ती	शिक्षा और कौशल विकास	सरकारी मिडिल स्कूल, बगवां मोहल्ला, किश्तवाड़ के परिसर की दीवार और फर्श की मरम्मत	0.67
			सरकारी गर्ल्स हाईस्कूल संग्रामभाटा, किश्तवाड़ की इमारत का रखरखाव/मरम्मत/नवीनीकरण	3.14
			बाहरी लोगों के लिए केन्द्रीय विद्यालय/अन्य विद्यालयों पर व्यय	307.52
		स्वास्थ्य और सफाई	जिला अस्पताल किश्तवाड़ को सी–एआरएम कम्पेटिबल हाइड्रोलिक ओ टेबल इमरजेंसी ट्रॉली सक्शन मशीन एवं अन्य सामान उपलब्ध कराना	6.88
			कोविड–19 के दौरान भोजन और स्वास्थ्य सामग्री का वितरण	3.10
			बाहरी लोगों के लिए एनएचपीसी अस्पताल/औषधालय पर चिकित्सा व्यय	17.31
		आपदा प्रबंधन	कोविड–19 और अन्य के लिए आकस्मिक गतिविधियाँ	0.88
			कुल (दुलहस्ती):	**339.49**

क्रम सं.	परियोजना / पावर स्टेशन / इकाई	क्षेत्र	गतिविधियों / कार्यक्रमों का विवरण	व्यय
4	उड़ी–I	स्वास्थ्य और सफाई	जिला–बारामूला(जम्मू–कश्मीर) के विभिन्न स्वास्थ्य देखभाल केंद्रों (पीएचसी / सीएचसी और उप जिला अस्पतालों) में यूएसजी कलर डॉपलर, एक्स–रे मशीन, यूरिन एनालाइजर, कार्डिएक मॉनिटर, ऑक्सीजन कंसंट्रेशन, जेनरेटर सेट, सीआर सिस्टम, डेंटल चेन मशीनरी उपकरण प्रदान करना	555.58
			स्वास्थ्य देखभाल केंद्रों, सोपोर, जिला–बारामूला (जम्मू–कश्मीर) के लिए सिविल वर्क्स और मशीनरी उपकरण	100.05
			बाहरी लोगों के लिए एनएचपीसी अस्पताल / औषधालय पर चिकित्सा व्यय	1.92
		शिक्षा और कौशल विकास	बुनियादी ढांचे का उन्नयन–भूकंप में क्षतिग्रस्त गिंगल हाई स्कूल में स्कूल भवन का निर्माण	8.41
			बुनियादी ढांचे का उन्नयन–सरकारी हाईस्कूल गिगंल में आंशिक रूप से निर्मित भवन का शेष कार्य	0.97
			बुनियादी ढांचे का उन्नयन–सरकारी हाईस्कूल धनी सैयदान में आंशिक रूप से निर्मित भवन का शेष कार्य	7.86
			बाहरी लोगों के लिए केन्द्रीय विद्यालय / अन्य विद्यालयों पर व्यय	116.69
		ग्रामीण विकास	ख्वाजा बाग, बारामूला और बाघी सुंदरी सोपोर में बागवानी नर्सरी का आधुनिकीकरण	43.00
		आपदा प्रबंधन	कोविड–19 और अन्य के लिए आकस्मिक गतिविधियाँ	1.61
			कुल (उड़ी–I):	**836.10**
5	उड़ी–II	स्वास्थ्य और सफाई	उड़ी अस्पताल के लिए डिजिटल एक्स रे प्लांट	17.80
			उड़ी अस्पताल के लिए कलर डॉपलर के साथ अल्ट्रा साउंड	6.92
			बाहरी लोगों के लिए एनएचपीसी अस्पताल / औषधालय पर चिकित्सा व्यय	11.69
		शिक्षा और कौशल विकास	बाहरी लोगों के लिए केन्द्रीय विद्यालय / अन्य विद्यालयों पर व्यय	117.17
		ग्रामीण विकास	पुल के किनारे का सुदृढ़ीकरण और मिडिल स्कूल जाबला के पास फुटपाथ का निर्माण	1.27
			सलामाबाद गांव का ग्रामीण विकास, सरकारी हायर सेकेंड्री, स्कूल, सलामाबाद का उन्नयन और मरम्मत	2.74
		आपदा प्रबंधन	कोविड–19 और अन्य के लिए आकस्मिक गतिविधियां	1.00
			कुल (उड़ी–II):	**158.59**

क्रम सं.	परियोजना / पावर स्टेशन / इकाई	क्षेत्र	गतिविधियों / कार्यक्रमों का विवरण	व्यय
6	किशनगंगा	शिक्षा और कौशल विकास	एचएस वानपोरा, गुरेज में सहायक उपकरण के साथ कंप्यूटर लैब सहित डिजिटल स्मार्ट क्लास रूम की स्थापना	11.84
		स्वास्थ्य और सफाई	जिला अस्पताल बांदीपोरा और उप जिला अस्पताल, गुरेज को चिकित्सा उपकरण उपलब्ध कराना	10.59
		ग्रामीण विकास	गुरेज (4X40 वाट) के लिए पांच (05) साल के रखरखाव के साथ 10 हाई मास्ट सोलर लाइट की स्थापना	12.30
			आसपास के गांवों–करालपोरा, चेक, मंत्रीग्राम, चंदाजी और गुरेज के लिए फुटपाथों, कुल्स, पुलियों की मरम्मत, बहाली और सफाई	1.60
			आस–पास के गांवों में कुलों की मरम्मत और रखरखाव	12.20
		स्वच्छ भारत अभियान	बांदीपोरा में गुलशन चौक का विकास	55.53
			निशात उद्यान बांदीपोरा का विकास	110.90
		खेल	प्रशिक्षण और सामग्री उपलब्ध कराते हुए स्थानीय खेलों, कला और संस्कृति को सुदृढ़ बनाना	2.15
		आपदा प्रबंधन	कोविड–19 और अन्य के लिए आकस्मिक गतिविधियाँ	3.00
			बांदीपोरा जिले के अग्नि प्रभावित परिवारों को सीजीआई शीट और कंबल की खरीद के लिए सीएसआर सहायता	2.22
			कुल (किशनगंगा):	**222.32**
7	चुटक	ग्रामीण विकास	सर्दी में टैंकर के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराना	1.13
		स्वास्थ्य और सफाई	बाहरी लोगों के लिए एनएचपीसी अस्पताल / औषधालय पर चिकित्सा व्यय	12.45
		आपदा प्रबंधन	कोविड–19 और अन्य के लिए आकस्मिक गतिविधियाँ	0.97
			कुल (चुटक):	**14.56**
8	निम्मो बाजगो	स्वास्थ्य और सफाई	बाहरी लोगों के लिए एनएचपीसी अस्पताल / औषधालय पर चिकित्सा व्यय	15.60
		आपदा प्रबंधन	कोविड–19 और अन्य के लिए आकस्मिक गतिविधियाँ	0.97
			कुल (निम्मो बाजगो):	**16.58**

क्रम सं.	परियोजना / पावर स्टेशन / इकाई	क्षेत्र	गतिविधियों / कार्यक्रमों का विवरण	व्यय
9	क्षेत्रीय कार्यालय– बनीखेत	स्वास्थ्य और सफाई	बाहरी लोगों के लिए एनएचपीसी अस्पताल / औषधालय पर चिकित्सा व्यय	16.96
		आपदा प्रबंधन	कोविड–19 और अन्य के लिए आकस्मिक गतिविधियाँ	4.98
			कुल (क्षेत्रीय कार्यालय– बनीखेत)	**21.93**
10	सेवा–II	स्वास्थ्य और सफाई	बाहरी लोगों के लिए एनएचपीसी अस्पताल / औषधालय पर चिकित्सा व्यय	6.48
		ग्रामीण विकास	खादी पंचायत में नए सामुदायिक केंद्र परिसर (शौचालय सहित) का निर्माण	5.10
			बानी एवं सरोगा (वार्ड 2) ड्रामन पंचायत के चंडिया में रेन बसेरा सह बस स्टॉप का निर्माण	4.15
		पर्यावरण	पावर हाउस के पास एक छोटे से जल निकाय की सफाई और ग्रामीणों की पीने और घरेलू जरूरतों के लिए आसपास के पानी भंडारण की टंकी की मरम्मत	1.74
			बनी में बाढ़ प्रभावित मांझीरी पार्क का पुनर्निर्माण एवं मरम्मत	7.00
		आपदा प्रबंधन	कोविड–19और अन्य के लिए आकस्मिक गतिविधियाँ	0.99
			कुल (सेवा–II):	**25.46**
11	बैरास्युल	शिक्षा और कौशल विकास	चंबा जिले के 12 विद्यालयों में खेल गतिविधियों में सुधार के लिए आदर्श खेल विद्यालय के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना	2.44
		स्वास्थ्य और सफाई	बाहरी लोगों के लिए एनएचपीसी अस्पताल / औषधालय पर चिकित्सा व्यय	39.86
		स्वच्छ विद्यालय अभियान	सरकारी प्राथमिक विद्यालय सरोवा, पोस्ट–लेसुई, तहसील–चुराह, जिला–चंबा (हि.प्र.) में शौचालय का निर्माण	2.86
		ग्रामीण विकास	सरकारी प्राथमिक विद्यालय भंडारी में दो कमरों का निर्माण	4.52
			सरकारी प्राथमिक विद्यालय भंडारी में 02 कक्षों का नवीनीकरण	2.66
			सुरंगगनी बस स्टॉप का पुनर्निर्माण	9.06
		आपदा प्रबंधन	कोविड–19 और अन्य के लिए आकस्मिक गतिविधियाँ	1.00
			कुल (बैरास्युल):	**62.39**
12	चमेरा–I	स्वास्थ्य और सफाई	कोविड –19 से बचने के लिए कोष	4.97

क्रम सं.	परियोजना / पावर स्टेशन / इकाई	क्षेत्र	गतिविधियों / कार्यक्रमों का विवरण	व्यय
			बाहरी लोगों के लिए एनएचपीसी अस्पताल / औषधालय पर चिकित्सा व्यय	26.06
		पर्यावरण	ग्राम रूपानी (थड़ी), ग्राम पंचायत रूपानी, जिला–चंबा (हि.प्र.) में सोलर स्ट्रीट लाइट प्रदान करना	5.63
			ग्राम मेल, जिला–चम्बा (हि.प्र.) में सोलर स्ट्रीट लाइट प्रदान करना	
			ग्राम राजनगर, जिला–चम्बा (हि.प्र.) में सोलर स्ट्रीट लाइट प्रदान करना	
			ग्राम सिमनी, जिला–चम्बा (हि.प्र.) में सोलर स्ट्रीट लाइट प्रदान करना	
			ग्राम भनोटा, जिला–चम्बा (हि.प्र.) में सोलर स्ट्रीट लाइट प्रदान करना	
		स्वच्छ विद्यालय अभियान	सरकारी प्राथमिक विद्यालय, सिमनी, जिला–चंबा में शौचालयों का नवीनीकरण	1.29
		शिक्षा और कौशल विकास	बाहरी लोगों के लिए केन्द्रीय विद्यालय / अन्य विद्यालयों पर व्यय	136.58
		आपदा प्रबंधन	कोविड–19 और अन्य के लिए आकस्मिक गतिविधियाँ	0.99
			कुल (चमेरा–I):	**175.53**
13	चमेरा–II	स्वास्थ्य और सफाई	बाहरी लोगों के लिए एनएचपीसी अस्पताल / औषधालय पर चिकित्सा व्यय	23.59
		शिक्षा और कौशल विकास	सरकारी मिडिल स्कूल, कासकरा, चंबा में अतिरिक्त निर्माण और परिवर्तन	0.38
			बाहरी लोगों के लिए केन्द्रीय विद्यालय / अन्य विद्यालयों पर व्यय	208.02
		कला और संस्कृति	जोनल अस्पताल चंबा से सटे ऐतिहासिक चोगन के लिए संरक्षण एवं जीर्णोद्धार कार्य	9.50
		आपदा प्रबंधन	कोविड–19 और अन्य के लिए आकस्मिक गतिविधियाँ	0.91
			कुल (चमेरा–II):	**242.39**
14	चमेरा–III	शिक्षा और कौशल विकास	राज्य जनजातीय बालिका छात्रावास, भरमौर में रसोई और भोजन कक्ष का नवीनीकरण	4.81

क्रम सं.	परियोजना / पावर स्टेशन / इकाई	क्षेत्र	गतिविधियों / कार्यक्रमों का विवरण	व्यय
		ग्रामीण विकास	छतड़ी गांव, जिला–चंबा (हिमाचल प्रदेश) में स्ट्रीट लाइटों की स्थापना	4.34
		स्वास्थ्य और सफाई	बाहरी लोगों के लिए एनएचपीसी अस्पताल / औषधालय पर चिकित्सा व्यय	22.25
		आपदा प्रबंधन	कोविड–19 और अन्य के लिए आकस्मिक गतिविधियाँ	0.97
			कुल (चमेरा–III):	**32.37**
15	लोकटक	ग्रामीण विकास	ठोस अपशिष्ट के पुनर्चक्रण सहित डेग नंबर 1 / 9 खुदीथिबी क्षेत्र के तहत निंगथौखोंग गारबेज़ पार्क में स्वच्छ भारत अभियान के तहत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली में सुधार	10.66
			इथाई बैराज क्षेत्र और लाईखोंग में प्रतीक्षालय से जुड़े शौचालय और ग्राम जल निकासी का निर्माण	0.19
			निंगथोखोंग में सार्वजनिक पुस्तकालय भवन का निर्माण	0.04
		शिक्षा और कौशल विकास	बाहरी लोगों के लिए केन्द्रीय विद्यालय / अन्य विद्यालयों पर व्यय।	277.71
		स्वास्थ्य और सफाई	बाहरी लोगों के लिए एनएचपीसी अस्पताल / औषधालय पर चिकित्सा व्यय	82.43
		आपदा प्रबंधन	कोविड–19 और अन्य के लिए आकस्मिक गतिविधियाँ	1.49
			कुल (लोकटक):	**372.53**
17	पार्बती–II	ग्रामीण विकास	ओल्ड मनाली जिले के तहत आदर्श गांव के विकास के लिए सीएसआर सहायता	27.60
		शिक्षा और कौशल विकास	बाहरी लोगों के लिए केन्द्रीय विद्यालय / अन्य विद्यालयों पर व्यय	280.96
		स्वास्थ्य और सफाई	चिकित्सा व्यय एनएचपीसी अस्पताल / बाहरी लोगों के लिए औषधालय–सीएसआर	0.49
			कोविड–19 के लिए सीसीई (कोल्ड चेन इक्विपमेंट) इन्फ्रास्ट्रक्चर आदि का विस्तार	81.78
			निःशुल्क चिकित्सा नेत्र शिविर (ऑपरेशन) का आयोजन	0.54
		आपदा प्रबंधन	कोविड–19से मुकाबला करने के लिए जोनल अस्पताल, कुल्लू को सहायता	10.00

क्रम सं.	परियोजना / पावर स्टेशन / इकाई	क्षेत्र	गतिविधियों / कार्यक्रमों का विवरण	व्यय
			कोविड–19 और अन्य के लिए आकस्मिक गतिविधियाँ	4.88
			कुल (पार्वती–II):	**406.25**
18	पार्बती–III	शिक्षा और कौशल विकास	जीएचएस, सारी में बालिका शौचालय का निर्माण	1.40
			''एनएचपीसी छात्रवृत्ति पुरस्कार योजना'' के तहत छात्रों को छात्रवृत्ति	5.28
			सरकारी प्राथमिक विद्यालय, रोपा, जीएसएसएस सैंज को डेस्क–बेंच, विभिन्न खेल सामग्री, पब्लिक एड्रेस सिस्टम, वाटर प्यूरीफायर, पानी की टंकियां, कंप्यूटर, प्रिंटर, भट्टी, सैनिटी नैपकिन वेंडिंग और डिस्पोजल सिस्टम परियोजना प्रभावित गांवों में चल रहे सिलाई प्रशिक्षण केंद्रों के लिए सिलाई मशीनें आदि प्रदान करना	0.74
			जीपीएस और जीएचएस कानोन में खेल के मैदान के लिए सुरक्षा रेलिंग	1.81
		स्वास्थ्य और सफाई	जीएसएसएस, सैंज में शौचालयों का निर्माण व मरम्मत	1.35
			बाहरी लोगों के लिए एनएचपीसी अस्पताल / औषधालय पर चिकित्सा व्यय	3.93
		आपदा प्रबंधन	कोविड–19 और अन्य के लिए आकस्मिक गतिविधियाँ	0.78
			कुल (पार्वती–III):	**15.29**
19	कोटलीभेल	स्वास्थ्य और स्वच्छता	कोविड–19 (आरक्षित कोष से)	5.00
		आपदा प्रबंधन	कोविड–19 और अन्य के लिए आकस्मिक गतिविधियाँ।	0.93
			सफाई कर्मचारी एमसी देहरादून को पीपीई किट का वितरण	1.62
			कुल (कोटलीभेल):	**7.56**
20	धौलीगंगा	शिक्षा और कौशल विकास	बाहरी लोगों के लिए केन्द्रीय विद्यालय अन्य विद्यालयों पर व्यय	226.44
		स्वास्थ्य और सफाई	पावर स्टेशन के सीमावर्ती क्षेत्रों के गांवों में चिकित्सा शिविरों का आयोजन	3.47

क्रम सं.	परियोजना / पावर स्टेशन / इकाई	क्षेत्र	गतिविधियों / कार्यक्रमों का विवरण	व्यय
			बाहरी लोगों के लिए एनएचपीसी अस्पताल / औषधालय पर चिकित्सा व्यय	4.41
			सायरी, ग्रामखेला में पेयजल टंकी एवं 300 मीटर जलापूर्ति लाईन उपलब्ध कराना	–0.01
		ग्रामीण विकास	टोक–चेतकला, ग्राम खेला में अम्बेडकर भवन का निर्माण	8.80
		स्वच्छ भारत अभियान	ग्राम दुगटू, स्यानकुरी, ईशु, रांथी एवं कालिका में सामुदायिक शौचालय का निर्माण	3.27
		आपदा प्रबंधन	कोविड–19 और अन्य के लिए आकस्मिक गतिविधियाँ	1.49
			कुल (धौलीगंगा):	**247.87**
21	टनकपुर	शिक्षा और कौशल विकास	साही उत्तम चंद सरस्वती विद्या मंदिर,सरकारी विद्यालय,बनबसा को कंप्यूटर और विज्ञान प्रयोगशाला उपकरण के साथ डिजिटल समर्थन देना	0.09
			मनिहाटीगोठ, सरकारी विद्यालय, टनकपुर को 02 कंप्यूटर प्रदान करना	0.09
			बाहरी लोगों के लिए केन्द्रीय विद्यालयध अन्य विद्यालयों पर व्यय	271.60
		स्वच्छ भारत अभियान	सरकारी हायर सेकेंडरी स्कूल, छिनीगोठ में 02 शौचालयों का निर्माण कार्य	3.99
		स्वास्थ्य और सफाई	बाहरी लोगों के लिए एनएचपीसी अस्पताल / औषधालय पर चिकित्सा व्यय	0.20
		आपदा प्रबंधन	कोविड–19 और अन्य के लिए अप्रत्याशित कार्यकलाप	1.50
			कुल (टनकपुर):	**277.46**
22	क्षेत्रीय कार्यालय, सिलीगुड़ी	शिक्षा और कौशल विकास	स्कूलों के लिए कंप्यूटर की खरीद	2.86
		आपदा प्रबंधन	खाद्य पैकेटों का वितरण	3.30
			कुल (क्षेत्रीय कार्यालय –सिलीगुड़ी):	**6.16**
23	रंगित	शिक्षा और कौशल विकास	धरगाँव प्राथमिक विद्यालय, दक्षिण सिक्किम की कक्षा और खेल के मैदान का रख–रखाव तथा उन्नयन	5.66
			सरकारी जूनियर हाई स्कूल दलेप–केवजिंग के बहुउद्देश्यीय गतिविधि हॉल का निर्माण और स्कूल के मैदान का विस्तार व फेंसिंग का कार्य	19.87

क्रम सं.	परियोजना / पावर स्टेशन / इकाई	क्षेत्र	गतिविधियों / कार्यक्रमों का विवरण	व्यय
			जरौंग सीनियर सेकेंडरी स्कूल, जरौंग, पश्चिम सिक्किम में स्कूल गैलरी के लिए शेडों का निर्माण	9.39
			गेजिंग पश्चिम सिक्किम (आकांक्षी जिले के रूप में स्वीकृत) स्थित आईटीआई में नए ट्रेड की शुरूआत और उपकरण व उपस्कर उपलब्ध कराना	29.12
			बाहरी लोगों के लिए केन्द्रीय विद्यालय / अन्य विद्यालयों पर व्यय	279.99
			'एनएचपीसी छात्रवृत्ति पुरस्कार योजना' के तहत उच्च अध्ययन के लिए छात्रवृत्ति प्रदान करना	0.48
		स्वास्थ्य और सफाई	जिला अस्पताल, पश्चिम सिक्किम में चिकित्सा उपकरण प्रदान करने के साथ अस्पताल स्वास्थ्य सेवाओं का उन्नयन कार्य	1.00
			बाहरी लोगों के लिए एनएचपीसी अस्पताल / औषधालय पर चिकित्सा व्यय	31.76
		ग्रामीण विकास	लेग शिप में बहुउद्देशीय हॉल का निर्माण	11.75
		आपदा प्रबंधन	कोविड–19 और अन्य के लिए अप्रत्याशित गतिविधियाँ	3.80
			कुल (रंगित):	**392.83**
24	तीस्ता–V	शिक्षा और कौशल विकास	आयोजन के लिए पूर्वी सिक्किम के रालेप में स्थित क्लब सूर्य दया जन कल्याण समिति को संगीत उपकरण प्रदान करना	0.92
			बाहरी लोगों के लिए केन्द्रीय विद्यालय / अन्य विद्यालयों पर व्यय	249.42
			चांदे में आईटीआई का निर्माण	15.50
		ग्रामीण विकास	उत्तरी सिक्किम के लुम गांव में शेड (मोनास्टिक) स्कूल भवन का निर्माण और मठ की मरम्मत / पेंटिंग कार्य	3.36
			तीस्ता–V टाउनशिप में और उसके आसपास सार्वजनिक–निजी भागीदारी में सस्टेनेबल मोड के साथ 10 सार्वजनिक शौचालयों का निर्माण	2.34
			सामुदायिक केंद्र का निर्माण	1.83
		महिला सशक्तिकरण और वरिष्ठ नागरिक	स्थानीय स्वयं सहायता समूहों के लिए आजीविका सृजन एवं रोजगार हेतु सिलाई, बुनाई, फास्ट फूड बनाने पर प्रशिक्षण की व्यवस्था करना और प्रशिक्षण के दौरान कच्चा माल, मशीन एवं सहायक उपकरण आदि उपलब्ध कराना और उनका वितरण करना	–0.03

क्रम सं.	परियोजना / पावर स्टेशन / इकाई	क्षेत्र	गतिविधियों / कार्यक्रमों का विवरण	व्यय
			स्थानीय स्वयं सहायता समूहों के लिए आजीविका सृजन एवं रोजगार हेतु सिलाई, बुनाई, फास्ट फूड बनाने पर प्रशिक्षण की व्यवस्था करना और प्रशिक्षण के दौरान कच्चा माल, मशीन एवं सहायक उपकरण आदि उपलब्ध कराना और उनका वितरण करना	1.33
		स्वच्छ भारत अभियान	विभिन्न सार्वजनिक स्थानों, सामुदायिक स्थानों, स्कूलों आदि में शौचालयों का निर्माण	8.58
		स्वास्थ्य और सफाई	बाहरी लोगों के लिए एनएचपीसी अस्पताल / औषधालय पर चिकित्सा व्यय	61.06
		आपदा प्रबंधन	कोविड–19 और अन्य के लिए अप्रत्याशित गतिविधियाँ	1.98
			कुल (तीस्ता–V):	**346.28**
25	टीएलडी–III	शिक्षा और कौशल विकास	बाहरी लोगों के लिए केन्द्रीय विद्यालय / अन्य विद्यालयों पर व्यय	139.54
			तकदाह में इंजीनियरिंग कॉलेज	100.00
		ग्रामीण विकास	74 धूटा, मुम्गपू में रसोई एवं शौचालय के साथ सामुदायिक भवन का निर्माण	0.58
			देवराली, तीस्ता में शौचालय एवं रसोई के साथ सामुदायिक भवन का निर्माण	19.50
		स्वास्थ्य और सफाई	बाहरी लोगों के लिए एनएचपीसी अस्पताल / औषधालय पर चिकित्सा व्यय	12.10
		आपदा प्रबंधन गतिविधियाँ	कोविड–19 और अन्य के लिए अप्रत्याशित	4.35
			कुल (टीएलडीपी–III):	**276.07**
26	टीएलडी–IV	शिक्षा और कौशल विकास	तकदाह में इंजीनियरिंग कॉलेज	100.00
		ग्रामीण विकास	शेपखोला में सामुदायिक भवन का निर्माण	11.71
		आपदा प्रबंधन	कोविड–19 और अन्य के लिए अप्रत्याशित गतिविधियाँ	2.95
			कुल (टीएलडी–आईवीपीएस):	**114.66**
27	तीस्ता – IV	आपदा प्रबंधन	कोविड–19 और अन्य के लिए अप्रत्याशित गतिविधियाँ	0.45
			कुल (तीस्ता–IV):	**0.45**
29	सुबानसिरी	शिक्षा और कौशल विकास	बाहरी लोगों के लिए केन्द्रीय विद्यालय / अन्य विद्यालयों पर व्यय	167.22

क्रम सं.	परियोजना / पावर स्टेशन / इकाई	क्षेत्र	गतिविधियों / कार्यक्रमों का विवरण	व्यय
		स्वास्थ्य और सफाई	धेमाजी और लखीमपुर जिलों (असम) और कामले जिला (अरुणाचल प्रदेश) में स्वास्थ्य सुविधाओं के उन्नयन के लिए पीएचसी / सीएचसी में चिकित्सा उपकरण उपलब्ध कराना	18.83
			बाहरी लोगों के लिए एनएचपीसी अस्पताल / औषधालय पर चिकित्सा व्यय	88.66
		स्वच्छ भारत अभियान	सार्वजनिक क्षेत्रों, सामुदायिक केंद्रों आदि में साइट की आवश्यकता के अनुसार फिल्टरेशन,बोरवेल के साथ सुरक्षित पेयजल सुविधाएं	24.89
			स्कूलों / सार्वजनिक स्थानों पर 143 शौचालयों के स्वीकृत निर्माण की शेष राशि की फंडिंग	0.45
			10 आरओ एवं स्वच्छता परिसर का निर्माण	24.76
		आपदा प्रबंधन	कोविड–19 और अन्य के लिए अप्रत्याशित गतिविधियाँ	15.98
			कुल (सुबनसिरी):	**340.79**
30	संपर्क कार्यालय– ईटानगर	कौशल विकास	वित्तीय वर्ष 2017–18 के दौरान निष्पादित स्थानीय प्रशिक्षण एजेंसियों के माध्यम से कौशल विकास का सीएसआर कार्य	100.99
			कुल (संपर्क कार्यालय– ईटानगर):	**100.99**
31	दिबांग	स्वास्थ्य और सफाई	बाहरी लोगों के लिए एनएचपीसी अस्पताल / औषधालय पर चिकित्सा व्यय	11.09
			कोविड–19 के लिए सीसीई (कोल्ड चेन इक्विपमेंट) इन्फ्रास्ट्रक्चर आदि का संवर्धन	8.26
		आपदा प्रबंधन	कोविड–19 और अन्य के लिए अप्रत्याशित गतिविधियाँ	0.20
			कुल (दिबांग):	**19.54**
33	बीआरआरपी पटना	ग्रामीण विकास	शाहपुर ब्लॉक,आरा (भोजपुर जिला) के विभिन्न गांवों में पीसीसी रोड का निर्माण कार्य	32.03
		आपदा प्रबंधन	सदर अस्पताल, आरा (बिहार) को उपकरण उपलब्ध कराने में योगदान राशि	4.27
			कुल (बीआरआरपी पटना):	**36.31**
34	पवन ऊर्जा परियोजना, जैसलमेर, राजस्थान	आपदा प्रबंधन	कोविड–19 और अन्य के लिए अप्रत्याशित गतिविधियाँ	0.99
			कुल (पवन ऊर्जा परियोजना, जैसलमेर):	**0.99**

क्रम सं.	परियोजना / पावर स्टेशन / इकाई	क्षेत्र	गतिविधियों / कार्यक्रमों का विवरण	व्यय
35	सौर ऊर्जा परियोजना (तमिलनाडु)	आपदा प्रबंधन	कोविड–19 और अन्य के लिए अप्रत्याशित गतिविधियाँ	0.96
			कुल (सौर ऊर्जा परियोजना, तमिलनाडु):	**0.96**
36	सौर तथा पवन ऊर्जा परियोजना, केरल	शिक्षा और कौशल विकास	जीएसएस और अन्य ग्रामीण विकास परियोजनाओं में जलापूर्ति योजना	7.01
		आपदा प्रबंधन	कोविड–19 और अन्य के लिए अप्रत्याशित गतिविधियाँ	1.00
			कुल (सौर तथा पवन ऊर्जा परियोजना, केरल):	**8.01**
37	निगम मुख्यालय द्वारा नियंत्रित योजनाए	शिक्षा और कौशल विकास	एकल विद्यालय, हिमाचल प्रदेश के माध्यम से शिक्षा	20.00
			'विकास, नवीनीकरण और उन्नयन योजना' के अंतर्गत मुंडेरी सरकारी हायर सेकेंडरी स्कूल, कन्नूर, केरल में 06 कक्षाओं का निर्माण कार्य	126.00
			सरकारी विद्यालयों के उत्तीर्ण प्रतिशत में सुधार के लिए ''शिक्षित हरियाणा'' परियोजना को संस्थागत बनाने के लिए परियोजना प्रबंधन इकाई (पीएमयू) स्थापित करने के लिए सीएसआर सहायता	4.00
			कक्षा 6 के छात्रों के लिए एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तक के सेट की खरीद के लिए प्रकाश दीप ट्रस्ट को सीएसआर सहायता	0.25
			ड्राइंग और पेंटिंग लैब में सुधार के लिए अनुश्रुति अकादमी फॉर द डेफ (एएडी), आईआईटी रुड़की को वित्तीय सहायता	3.40
			दिव्यांगजनों और अन्य की आजीविका बढ़ाने के लिए,परियोजना परिधि से इत्तर (25 किलोमीटर तक) रोजगार उन्मुख व्यावसायिक प्रशिक्षण– एनएसडीसी के माध्यम से 3000 नंबर और अन्य कौशल विकास एजेंसी यानी एनएचएफडीसी / केवीआईसी के माध्यम से 1000 नंबर	129.12
		स्वास्थ्य और सफाई	सरकारी मेडिकल कॉलेज, पेरियारामऔर कन्नूर में कोविड–19 मामलों के परीक्षण और उपचार के लिए तत्काल सुविधाओं / उपकरणों की खरीद की व्यवस्था करना	9.85

क्रम सं.	परियोजना / पावर स्टेशन / इकाई	क्षेत्र	गतिविधियों / कार्यक्रमों का विवरण	व्यय
			कोविड केयर सेंटर, देवरिया के लिए एक 125 केवीए जेनरेटर सेट की खरीद और स्थापना के लिए	11.05
			नेशनल एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड में 250 एलपीएच की क्षमता वाले एक आरओ सिस्टम की आपूर्ति, स्थापना और चालू करने के लिए सीएसआर सहायता	1.00
		स्वच्छ भारत अभियान	ईईएसएल के माध्यम से हिमाचल प्रदेश में विभिन्न स्थानों पर 2 सेट पीवीसी कूड़ेदानों की आपूर्ति, स्थापना और अनुरक्षण	137.71
		ग्रामीण विकास	उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले के बाहरी ग्रामीण क्षेत्रों में एलईडी आधारित सोलर पब्लिक लाइटिंग (हाई मास्ट) और सोलर स्ट्रीट लाइट का क्रियान्वयन	53.94
			भारतीय सहकारी ग्रामीण विकास एवं निर्माण लिमिटेड, लखनऊ के माध्यम से बस्ती जिला, उत्तर प्रदेश में सामुदायिक केन्द्रों का निर्माण	13.50
		महिला सशक्तिकरण और वरिष्ठ नागरिक	हरियाणा के मेवात क्षेत्र में समाज के वंचित वर्ग की महिलाओं के लिए मासिक धर्म स्वास्थ्य जागरूकता और आजीविका कार्यक्रम परियोजना ''पैड महिला'' के लिए सहायता अनुदान के लिए परियोजना प्रस्ताव अनुरोध	3.50
			सहयोगात्मक मोड के माध्यम से महिला सशक्तिकरण और आजीविका वृद्धि के लिए 115 आकांक्षी जिलों के लिए नीति आयोग योजना के अंतर्गत हथिन ब्लॉक (मेवात, हरियाणा) में सेनेटरी नैपकिन की01 यूनिट की स्थापना	1.96
			महिलाओं / लड़कियों के सशक्तिकरण के लिए 10 नग औद्योगिक सिलाई मशीनेंप्रदान करने के लिए शिर्डी साईं बाबा मंदिर सोसायटी, फरीदाबाद को सीएसआर सहायता	2.04
		पर्यावरण	फरीदाबाद जिले (हरियाणा) के विभिन्न ग्रामीण गांवों में 12 वाट एलईडी सोलर स्ट्रीट लाइट सिस्टम की आपूर्ति और स्थापना – 450 नग मैसर्स ईईएसएल के माध्यम से	47.96

क्रम सं.	परियोजना / पावर स्टेशन / इकाई	क्षेत्र	गतिविधियों / कार्यक्रमों का विवरण	व्यय
			सीपीएसयू, मैसर्स आरईआईएल के माध्यम से बिजनौर संसदीय क्षेत्र में सोलर स्ट्रीट लाइट (12 वाट) प्रदान करना	0.94
			उत्तर प्रदेश राज्य उपक्रम, यूपीएसआईसी के माध्यम से उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर संसदीय क्षेत्र में सोलर हाई मास्ट लाइट (4x18 वाट) उपलब्ध कराने का अनुरोध	12.22
			सीपीएसयू, मैसर्स आरईआईएल के माध्यम से बीकानेर निर्वाचन क्षेत्र में सोलर स्ट्रीट लाइट (12 वाट) की स्थापना का प्रस्ताव	0.94
			सरोजनी नगर विधानसभा जिला लखनऊ में 100 हाई मास्ट सोलर लाइटकी स्थापना के लिए सीएसआर सहायता	12.00
			परिक्रमा मार्ग, गिरिराज तलहटी, गोवर्धन, मथुरा में पौधरोपण के लिए तथा 200 वृक्षों के 5 वर्ष तक रखरखाव के लिए योगदान	4.38
		शिक्षा और कौशल विकास	बाहरी ग्रामीण क्षेत्रों से विकलांग छात्रों की हंसराज कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय तक आवाजाही के लिए बस सेवा प्रदान करने के लिए सहयोगात्मक मोड पर सीएसआर सहायता	9.00
		आपदा प्रबंधन	रेड क्रॉस सोसायटी, फरीदाबाद को कोविड–19 के लिए सहायता	2.00
			पीएम केयर्स फंड में योगदान	1500.00
		क्षमता निर्माण	सीएसआर प्रशासनिक ओवरहेड (उपरिव्यय) नियमित कार्मिकों का वेतन व्यय	372.52
			कुल (निगम मुख्यालय) :	**2479.28**
			कुल योग	**7962.60**

राजकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, देवीकोट, राजस्थान को चिकित्सा उपकरण भेंट

Handing over of 13 nos Deep Freezer (Small) by Dibang Multipurpose Project

Distribution of Food Packet, Masks, Hand Sanitizers to locals at Lanku, Karmath, Lathpanchar

क्षेत्रीय कार्यालय सिलीगुड़ी द्वारा विद्यालयों को डेस्कटॉप कम्प्युटर वितरण

Follow NHPC at :

https://www.facebook.com/NHPCIndiaLimited https://twitter.com/nhpcltd https://www.instagram.com/nhpclimited

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

नीर शक्ति सदन निगम मुख्यालय, फरीदाबाद

एनएचपीसी लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)

CSR & SD DIVISION
CORPORATE OFFICE
NHPC Office Complex, Sector-33, Faridabad-121003 (Haryana)
CIN : L40101HR1975GOI032564
Telephone :- 0129-2270601, email : csrsd-co@nhpc.nic.in
website : www.nhpcindia.com

Design & Printed at Viba Press Pvt. Ltd., 9810049515